बिलासपुर, गुरुवार, 23 अप्रैल 2026 शुक्ल पक्ष-षष्ठी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 11

पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

www.navpradesh.com

दैनिक नवप्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

महानदी के आंचल से बिखरा तरबूज-खरबूज का मीठा संसार

मनीष जैन

राजिम/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की जीवनदायिनी महानदी कभी केवल पानी की धारा नहीं थी, बल्कि हजारों किसानों की रोज़ी-रोटी का आधार भी थी। धमतरी से लेकर राजिम, चंपारण, आरंग और महासमुंद के बीच बहने वाली इस नदी के गर्भ में हर साल तरबूज और खरबूज की खेती बड़े पैमाने पर होती थी।

गर्मियों के मौसम में नदी के बीचों-बीच फैले रेत के टापू हरे-भरे खेतों में बदल जाते थे, जहां किसान झोपड़ियां बनाकर महीनों तक रहकर खेती करते थे। राजिम क्षेत्र में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नदी में फसल उगाना मुश्किल हो गया

राजिम क्षेत्र के खेदू सोनकर, लक्ष्मण सोनकर, मनोहर सोनकर, राधे सोनकर, धनीराम सहित अन्य किसानों का कहना है कि पानी की गुणवत्ता इतनी खराब हो गई है कि उसमें फसल उगाना मुश्किल हो गया है। वहीं, रेत के अत्यधिक उत्खनन ने उन टापुओं को ही खत्म कर दिया, जहां खेती होती थी। नतीजा यह हुआ कि हजारों किसान, जो इस खेती पर निर्भर थे, आज बेरोजगार हो गए हैं।

सपनों की खेती थी, अब उजड़े अरमानों की कहानी

रेत की लालसा ने नदी का स्वरूप बदल दिया

इस स्थिति के लिए किसान केवल प्राकृतिक कारणों को नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और सामूहिक जिम्मेदारी की कमी को भी जिम्मेदार मानते हैं। किसानों का आरोप है कि अवैध रेत खनन पर रोक लगाने में सरकार और प्रशासन विफल रहे, जबकि नदी में गिरते गंदे पानी को रोकने के लिए भी ठोस कदम नहीं उठाए गए।

पारंपरिक खेती लगभग खत्म हो चुकी

किसान संतोष सोनकर, मनीराम, संतराम, सुशील सोनकर, भागवत सोनकर बताते हैं, 'पहले एक सीजन में ही पूरे साल की कमाई हो जाती थी, लेकिन अब हालात ऐसे हैं कि खेती करने की जगह ही नहीं बची।' यह केवल एक किसान की कहानी नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की सच्चाई है। लाखों रुपए का यह पारंपरिक कारोबार लगभग खत्म हो चुका है।

नदी का पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर संकट

नदियों के संरक्षण पर काम करने वाले गौतम बंधोपाध्याय का मानना है कि यदि समय रहते प्रभावी नीतियां और सख्त अमल नहीं किया गया, तो न केवल यह पारंपरिक खेती पूरी तरह खत्म हो जाएगी, बल्कि नदी का पारिस्थितिकी तंत्र भी गंभीर संकट में पड़ जाएगा।

उजड़ी दुनिया देख छलका किसानों का दर्द

आज महानदी के किनारे खड़े होकर किसान अपनी उजड़ी हुई दुनिया को देखते हैं, जहां कभी हरे-भरे खेत और खुशहाल जीवन था। अब उनके पास केवल यादें बची हैं- उन दिनों की, जब नदी उन्हें जीवन देती थी, और वे उसी नदी के साथ अपना भविष्य संवारते थे।

लापरवाही से महानदी ने मैदान का रूप ले लिया

किसान भागवत सोनकर ने बताया कि जब से एनीकट बना है उसके बाद से नदी में बाड़ी का कार्य बंद हो गया। कभी पानी की अधिकता की वजह से फसल डूब जाती थी, कभी सूख कर फसल नष्ट हो जाती थी। अधिक नुकसान की वजह से बाड़ी का काम बंद करना पड़ गया। नदी के रेत का स्वरूप भी बदल गया। नदी ने मैदान का रूप ले लिया। नदी में बाड़ी लगाकर कम आय में अधिक मुनाफा मिल जाता था। 10 हजार की लागत लगाकर डेढ़ से दो लाख रुपए की कमाई हो जाती थी। फसल की गुणवत्ता भी उच्च स्तर की रहती थी। अब नदी में हरियाली और स्वच्छ जल ही नहीं है।

आज बेबाक

बहुत ही बेइंसाफी है ये। आरोपी अगर रसूखदार हो, किसी स्टेट का जागीरदार हो तो वह अदालत में खुद मुख्तार बनने और अपने मन मुताबिक फैसला कराने का हकदार हो जाता है। घुंघरू सेठ मुवक्किल से अपने वकील तो बन गए लेकिन अपने केस की सुनवाई करने वाली न्यायाधीश को बदलने की उनकी पुरजोर मांग बेदर्दी से ठुकरा दी गई। ये बहुत गलत बात है। कभी दिल्ली के मालिक रहे फिर वहां से हकाले जाने पर पंजाब के नवाब बन बैठे घुंघरू सेठ को तो कायदे से अपने खिलाफचल रहे केस का फैसला करने न्यायाधीश ही बना देना चाहिए।

तापमान	
अधिकतम 44°	न्यूनतम 29°

बाजार भाव	
गोल्ड 141,100	सिल्वर 2,50,698

शेयर बाजार	
सेंसेक्स 78,516.49	निफ्टी 24,378.10

विश्व जनसंख्या	भारत जनसंख्या
8,288,687,067	1474468605

गरमा-गरम

क्रिकेट के भगवान का बस्तर दौरा, छिंदनार में मल्टी-स्पोर्ट्स मैदान का उद्घाटन

बस्तर में गूंजा 'सचिन-सचिन' खेल क्रांति की नई शुरुआत

■ **युवाओं के सपनों को मिला नया मंच, 16 खेलों की आधुनिक सुविधाओं से बदलेगा भविष्य**

जगदलपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में बुधवार को उस समय उत्साह और गौरव का अनूठा संगम देखने को मिला, जब महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर अपने परिवार के साथ जगदलपुर पहुंचे। मां दंतेश्वरी विमानतल पर उनके आगमन के साथ ही हजारों प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी और 'सचिन-सचिन' के गगनभेदी नारों से पूरा क्षेत्र गूंजायमान हो उठा। यह दृश्य बस्तर के खेल इतिहास के एक यादगार पल के रूप में दर्ज हो गया।

यह दौरा केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि बस्तर के खेल भविष्य को दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया है। जगदलपुर से दंतेवाड़ा जिले के छिंदनार गांव में स्थापित अत्याधुनिक खेल परिसर का उद्घाटन इस यात्रा का मुख्य आकर्षण है। यह मैदान सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मांदेशी चेम्पियन के संयुक्त प्रयास से तैयार किया गया है, जो ग्रामीण क्षेत्र में खेल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस खेल परिसर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां एक ही स्थान पर 16 अलग-अलग खेलों ■ शेष पृष्ठ 8 पर

दंतेवाड़ा में आदिवासी बच्चों से मिले, सचिन, ऑटोग्राफ दिया, सारा भी पहुंची

दंतेवाड़ा। सचिन तेंदुलकर जगदलपुर एयरपोर्ट पर उतरे। यहां से वे सीधे दंतेवाड़ा के छिंदनार पहुंचे। जहां आदिवासी बच्चों और खेल में रुचि रखने वाले बच्चों से मुलाकात की। सचिन तेंदुलकर ने जगदलपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से कहा कि दंतेवाड़ा में 50 से ज्यादा खेल मैदान का 5 हजार बच्चों को फायदा मिलेगा। सचिन तेंदुलकर के दौरे को बस्तर में खेल विकास की दिशा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है। 50 मैदानों के निर्माण और उन्नयन की योजना से हजारों बच्चों को खेल की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस पहल से न केवल क्रिकेट बल्कि अन्य पारंपरिक खेलों को भी नया मंच मिलेगा।

अच्छे इंसान बनो ताकि लोग आपको याद रखें: सचिन तेंदुलकर

कार्यक्रम में सचिन तेंदुलकर ने कहा कि हमें पता चला कि बस्तर में बच्चों के लिए ग्राउंड ही नहीं है। मेरी जिंदगी की शुरुआत मैदान से हुई थी। मैं बच्चों को देखता हूं जैसे मेरी जर्नी स्टार्ट हुई, हम मैदान में जाते हैं अच्छे कोच की जरूरत होती है। हमने सोचा था कि हम अपने कोच को यहां भेजेंगे ताकि वे 100 टीचर्स को ट्रेनिंग दें। यहां डायमंड बहुत हैं, बस सही तरीके से पॉलिश करना जरूरी है। यही उम्र है खेलने कूदने की। यही उम्र है दोस्त बनाने की। मैं समझता हूं जो एक सही दोस्त होता है वो आईना दिखता है, परछाई कभी साथ नहीं छोड़ती, इसलिए ऐसे दोस्त रखो जो ऐसे ही बनकर रहे।

50 मैदानों से 5 हजार बच्चों को मिलेगा लाभ

जगदलपुर। बस्तर के लिए बुधवार का दिन ऐतिहासिक बन गया, जब विश्व क्रिकेट के महान खिलाड़ी और भारत रत्न सचिन तेंदुलकर का आगमन हुआ। दोपहर में चार्टर्ड विमान से मां दंतेश्वरी विमानतल पहुंचे सचिन तेंदुलकर अपनी पुत्री सारा के साथ बस्तर की धरती पर उतरे, जहां उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इसके बाद वे सड़क मार्ग से दंतेवाड़ा के लिए रवाना हुए। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने बस्तर के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि 50 खेल मैदानों के माध्यम से करीब 5 हजार बच्चों को सीधा लाभ मिलेगा। वे स्वयं मैदानों का निरीक्षण करेंगे और बच्चों के साथ खेलकर उनका उत्साह भी बढ़ाएंगे।

पारंपरिक खेल भी बेहद महत्वपूर्ण

सचिन तेंदुलकर ने कहा कि क्रिकेट के साथ-साथ खो-खो, कबड्डी और वॉलीबॉल जैसे पारंपरिक खेल भी बेहद महत्वपूर्ण हैं और इनसे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने बस्तर को 'बेहद सुंदर और संभावनाओं से भरा क्षेत्र' बताते हुए कहा कि यहां के बच्चे आने वाले समय में देश का नाम रोशन कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने बच्चों से मुलाकात की, उनके साथ संवाद किया और उनके बल्लों पर अपने हस्ताक्षर भी किए।

तीन महीने तक सरकारी कर्मियों की छुट्टियों पर रोक, आदेश पर अमल नहीं तो कार्रवाई

■ **बिना अनुमति छुट्टी नहीं मिलेगी, आदेश नहीं मानने पर होगी कार्रवाई**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियों पर अगले तीन महीने के लिए रोक लगा दी गई है। यह फैसला जनगणना और सुशासन तिहार को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अब कर्मचारी बिना पूर्व अनुमति के छुट्टी पर नहीं जा सकेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि बिना स्वीकृति के छुट्टी पर जाना गंभीर अनुशासनहीनता माना जाएगा। साथ ही अगले तीन महीनों तक इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

बिना अनुमति छुट्टी पर गए तो एक्शन: जारी आदेश के मुताबिक कोई भी शासकीय कर्मचारी सक्षम अधिकारी से छुट्टी मंजूर कराए बिना अवकाश पर नहीं जा सकेगा। यदि कोई कर्मचारी बिना अनुमति अनुपस्थित रहता है, तो इसे सेवा में बाधा मानते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इमरजेंसी में भी देनी होगी सूचना: आकस्मिक अवकाश की स्थिति में भी कर्मचारी को फोन या डिजिटल माध्यम से पहले सूचना देना अनिवार्य होगा। बाद में कार्यालय पहुंचने पर इसकी लिखित पुष्टि करनी होगी।

लंबी छुट्टी से पहले जिम्मेदारी सौंपना जरूरी: अगर कोई कर्मचारी लंबी छुट्टी (अर्जित अवकाश आदि) पर जाता है तो उसे पहले अपने काम का प्रभार किसी अन्य अधिकारी या कर्मचारी को सौंपना होगा।

भीषण गर्मी के बीच छुट्टियों में 70 हजार शिक्षक करेंगे जनगणना

रायपुर/नवप्रदेश। जनगणना के चलते इस बार शिक्षकों को गर्मी की छुट्टियां नहीं मिल पाएंगी। भीषण गर्मी के बीच प्रदेश के 70 हजार से ज्यादा शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना में लगाई गई है। मई में तपती दोपहरी में शिक्षक घर-घर जाकर जनगणना करेंगे। ऑनलाइन जनगणना के लिए 12 वर्सन सॉफ्टवेयर वाले मोबाइल की अनिवार्यता से शिक्षकों की परेशानी बढ़ गई है। जनगणना की ट्रेनिंग इन दिनों चल रही है। ट्रेनिंग लेने वाले में ज्यादातर शिक्षक हैं। निर्वाचन से लेकर कुत्तों की निगरानी तक के लिए शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाती है।

नवंबर में एसआईआर के बाद अब प्रदेश के 70 हजार शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना में लगाई गई है। जनगणना ट्रेनिंग की वजह से स्थानीय परीक्षाओं के मूल्यांकन के अलावा रिजल्ट तैयार करने का कार्य प्रभावित हो रहा है। चालू शिक्षा सत्र 30 अप्रैल को समाप्त हो जाएगा। नया शिक्षा सत्र 16 जून से प्रारंभ होगा। 1 मई से गर्मी की छुट्टियां लग जाएंगी लेकिन इस बार अधिकांश शिक्षक छुट्टियों का आनंद नहीं ले पाएंगे। जनगणना की वजह से कई शिक्षकों ने छुट्टियों में परिवार के साथ घूमने जाने का भी प्रोग्राम कैंसिल कर दिया है। बताते हैं कि कुछ शिक्षकों ने जनगणना की ट्रेनिंग भी ली और मूल्यांकन ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गर्मी के बाद शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाए

भीषण गर्मी को देखते हुए शिक्षकों की ड्यूटी बाद में लगाई जाए। तपती दोपहरी में जनगणना के लिए शिक्षकों को घर-घर जाना होगा। इससे शिक्षक तो परेशान होंगे ही घरवालों को भी दिक्कतें होंगी। जनगणना का कार्य 16 जून के बाद किया जाना उचित होगा।

-संजय शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन

भीषण गर्मी में जनगणना का काम अव्यवहारिक

जनगणना के कारण इस बार शिक्षकों की गर्मी की छुट्टियां खराब होंगी। भीषण गर्मी में शिक्षकों से जनगणना का कार्य लिया जाना अव्यवहारिक है। इसके पहले भी नवंबर में बड़ी संख्या में शिक्षकों को एसआईआर के कार्य में लगाया गया था।

- राजनारायण द्विवेदी, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश शिक्षक महासंघ

प्रधानमंत्री पर अपमानजनक टिप्पणी लोकतंत्र पर आघात: मुख्यमंत्री साय

■ **सीएम विष्णुदेव साय ने कांग्रेस अध्यक्ष के बयान को बताया अमर्यादित, कहा- माफी मांगे कांग्रेस**

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए प्रयुक्त अपमानजनक शब्दों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि खड़गे द्वारा की गई टिप्पणी न केवल स्तरहीन, अपमानजनक, अमर्यादित और अशिष्ट है, बल्कि यह देश के उन करोड़ों नागरिकों का भी सीधा अपमान है, जो प्रधानमंत्री श्री मोदी को अपना आदर्श मानते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस प्रकार की अमर्यादित भाषा का प्रयोग निंदनीय है और यह स्वस्थ राजनीतिक संवाद की मर्यादाओं को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने इसे लोकतंत्र ■ शेष पृष्ठ 8 पर

चुनाव आयोग से मिला भाजपा का प्रतिनिधिमंडल, खरगे के खिलाफ शिकायत

नई दिल्ली (वार्ता)। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक प्रतिनिधमंडल ने बुधवार को यहां चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफकांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी को लेकर शिकायत की तथा उनके खिलाफकार्रवाई की मांग की। भाजपा प्रतिनिधिमंडल में रिजिजू के अलावा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, भाजपा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

राजनीति : छत्तीसगढ़ विधानसभा के विशेष सत्र पर सियासत, कांग्रेस-भाजपा में जुबानी जंग

दो दिन का बुलाए सत्र, हमें भी जवाब देने का मिले मौका: महंत

कोरिया/नवप्रदेश। महिला आरक्षण विधेयक पास ना होने पर साय सरकार विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर विपक्ष के खिलाफनिंदा प्रस्ताव पारित करने जा रही है। इसको लेकर सियासत भी तेज हो गई है। कोरिया जिले के एकदिवसीय प्रवास पर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा।

श्री महंत ने कहा कि अगर सरकार सत्र बुला रही है तो एक दिन नहीं, बल्कि दो दिन का सत्र बुलाया जाए। एक दिन सरकार आरोप लगाए, और ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा

उन्होंने कहा कि, ने यह भी कहा कि वर्ष 2023 में महिला आरक्षण बिल सर्वसम्मति से पास हो चुका है, तो अब इसे लागू करने में देरी क्यों? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाते हुए कहा कि 543 सीटों में ही 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जा सकता है, फिर सीट बढ़ाने की बात क्यों की जा रही है। यह सिर्फराजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा है।

30 अप्रैल के लिए भेजा गया है प्रस्ताव: साव

■ **आधी आबादी के साथ विपक्ष ने अन्याय किया: अरुण**

रायपुर/नवप्रदेश। लोकसभा के सदन में महिला आरक्षण विधेयक पास ना होने पर बीजेपी विपक्षी दलों पर हमलावर है। सीएम विष्णुदेव साय ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित करने की बात कही थी। बुधवार को इस मामले को लेकर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि, आधी आबादी के साथ विपक्ष ने अन्याय किया है। सरकार ने 30 अप्रैल को सत्र के लिए प्रस्ताव भेजा है। स्पीकर तय करेंगे सत्र कब और कितने दिन का होगा।

कांग्रेस पार्टी और उनके नेता घटिया राजनीति कर रहे: मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को आतंकवादी कहा था। इस पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि, कांग्रेस पार्टी और उनके नेता घटिया राजनीति कर रहे हैं। निम्न स्तर की भाषा का प्रयोग कांग्रेस नेता कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ■ शेष पृष्ठ 8 पर

साहू समाज नगरी-सिहावा ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन, 57 यूनिट रक्त संग्रह

नगरी/नवप्रदेश। दानवीर भामाशाह जयंती के पावन अवसर पर युवा प्रकोष्ठ तहसील साहू समाज नगरी-सिहावा द्वारा मंगलवार, 21 अप्रैल को साहू सदन नगरी में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस सामाजिक एवं जनसेवा से जुड़े आयोजन में क्षेत्र के युवाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बढ़-चढ़कर रक्तदान किया।

शिविर में कुल 71 लोगों ने पंजीयन कराया, जिसमें से 57 लोगों ने सफलतापूर्वक रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। आयोजन समिति द्वारा प्रत्येक रक्तदाता को प्रोत्साहन स्वरूप विशेष थर्मस गिफ्ट एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष भूपेंद्र साहू, सचिव योगेश साहू, उपाध्यक्ष रोशन साहू, चन्द्रभान साहू, दिपेश साहू, विकास साहू, दीपक साहू, पुनेश्वर साहू, लक्ष्मीकांत साहू, थानसिंग साहू, तुकेशवर साहू सहित अनेक कार्यकर्ता सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

इस सफल आयोजन में सुश्री आरू साहू (लोक गायिका), वाशु कंप्यूटर नगरी, संतोष ज्वेलर्स नगरी, रूप नारायण साहू (जीएसटी सलाहकार), संतोष ज्वेलर्स सांकरा (मुकेश साहू), स्वास्तिक पैथोलॉजी नगरी, संजीवनी मेडिकोज नगरी, योनेश मेडिकल नगरी, श्रेया फ्लेक्स नगरी, रूपेन्द्र साहू, खेमेंद्र साहू (देवपुर), प्रशांत साहू (सब्जी बाड़ी) सहित तहसील साहू समाज नगरी-सिहावा के समस्त पदाधिकारियों का विशेष सहयोग रहा।

चिकित्सा व्यवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगरी एवं जिला चिकित्सालय धमतरी की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान डॉ. देवकी नंदन सोम (चिकित्सा अधिकारी, सीएचसी नगरी), सुमनलता नागवंशी (स्टाफनर्स), संजय साहू, राजेश्वर कंवर, एस.एल. दीवान, तेजराम निषाद (मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट), पूजा गायकवाड (ब्लड बैंक काउंसलर), अरुण कुमार चनाप (आईसीटीसी काउंसलर), सोहनलाल यारदा (लैब असिस्टेंट) एवं टेमन साहू (वार्ड बॉय) सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

डॉ. देवकी नंदन सोम ने इस अवसर पर लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि रक्तदान एक महान पुण्य कार्य है, जिससे दुर्घटनाग्रस्त मरीजों, गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों एवं गर्भवती महिलाओं की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि नियमित रक्तदान करने से शरीर स्वस्थ रहता है और कई प्रकार के रोगों का खतरा भी कम होता है।

सामान्य सभा की बैठक में सातो विषय पर चर्चा के बाद सर्वसम्मति से पारित

राजनांदगांव/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम की सामान्य सभा की बैठक आज पूर्वान्ह 11:00 बजे से नगर निगम के सभागृह में प्रारंभ हुई। बैठक में 7 विषयों पर चर्चा कर विचार-विमर्श उपरांत निर्णय लिया गया।

बैठक निर्धारित समय में राष्ट्रगीत एवं राजगीत के साथ प्रारंभ हुई तत्पश्चात 1 घण्टे का प्रश्नकाल हुआ, प्रश्नकाल के पश्चात क्रमानुसार विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिया गया। बैठक के प्रारंभ में लोक सेवा केन्द्र से प्राप्त सामाजिक सुरक्षा पेंशन के आवेदन की स्वीकृति एंव अनुमोदन विषय सहित जाति प्रमाण पत्र बनाये जाने, तथा वार्ड नं. 14 स्थित रानी अवंती बाई लोधी प्रतिमा स्थल के चौक का नामकरण अवंती बाई चौक रखे जाने संबंधी विषय पर चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से विषय पारित किया गया।

इसी प्रकार विषय क्रं. 4 में निगम सीमाक्षेत्र स्थित जीर्ण शीर्ण भवन को तोडने के तहत पुत्री शाला भवन के क्षतिग्रस्त स्थल, गुडाखूलाईन आयुर्वेदिक औषधालय एवं पुराना बस स्टैण्ड के पुराना व क्षतिग्रस्त/जर्जर भाग को तोडकर व्यावसायिक परिसार निर्माण किये जाने के साथ साथ वार्ड नं. 29 रामनगर के जर्जर भवन को तोडने तथा निगम स्वामित्व की टाउन हॉल परिसर जी.ई.रोड के किनारे एवं कस्तुरबा महिला मण्डल रोड की क्षतिग्रस्त दुकाने तोडकर व्यावसायिक परिसर निर्माण करने के संबंध में चर्चा उपरांत उपरोक्त विषय सर्वसम्मति से पारित किया गया।

साथ ही दर स्वीकृति संबंधित तीनो विषय क्रमंशः नगर निगम राजनांदगांव क्षेत्र में मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनांतर्गत 2000 सीटर आडिटोरियम निर्माण के लिए प्राप्त न्युनतम दर, गंज चौक से कन्हारपुरी परिवर्तित स्थल चिखली ओव्हर ब्रिज के नीचे से गठुला नाला शहर सीमा तक सड़क चौडीकरण एवं उन्नयन कार्य हेतु आहुत निविदा मे प्राप्त न्युनतम दर के अलावा अंतिम विषय में अधोसंरचना विकास योजनांतर्गत नार कन्हैया नाला से जिला अस्पताल तक नाला निर्माण करने आहुत निविदा में प्राप्त न्युनतम दर की स्वीकृति के संबंध में चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से विषय पारित किया गया।

सभी विषयो में सदस्यो ने चर्चा में भाग लिया, महापौर श्री मधुसूदन यादव ने अंत में सदस्यो द्वारा चर्चा उपरांत ली गयी जानकारी का जवाब प्रस्तुत किया। निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिं पारस वर्मा सहित वरिष्ठ सभापति श्रीमती खेमीन यादव तथा कनिष्ठ सभापति श्री संदीप बघेल ने सभा का सफल संचालन किया।

अल्टीमेटम के बाद पालिका ने कराई साफ-सफाई

खैरागढ़/नवप्रदेश। शहर के लालपुर वार्ड में लंबे समय से बनी पेयजल और सफाई की समस्या को लेकर शहर कांग्रेस के निरीक्षण और चेतावनी के बाद नगर पालिका प्रशासन हरकत में आया। दो दिन पूर्व कांग्रेस द्वारा किए गए वार्ड भ्रमण के दौरान क्षेत्र में फैली गंदगी, जाम नालियां और पेयजल संकट को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली थी। निरीक्षण के दौरान कांग्रेस नेताओं ने नगर पालिका को दो दिन का अल्टीमेटम देते सफाई व्यवस्था सुधारने और पानी की समस्या का समाधान करने की चेतावनी देते तय समय सीमा में कार्य नहीं होने उग्र आंदोलन करने की जानकारी दी थी । चेतावनी के बाद पालिका टीम ने लालपुर क्षेत्र में सफाई अभियान शुरू कर दिया है। नालियों की सफाई, कचरा उठाव और जल आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। कई स्थानों पर सफाईकर्मियों को तैनात कर तत्काल प्रभाव से कार्य शुरू कराया गया।

चंदनहा कलार समाज के संरक्षण के लिए सिन्हा समाज ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

खैरागढ़/नवप्रदेश। जिला कलार समाज जिला खैरागढ़ द्वारा जिलाध्यक्ष कलार समाज दीनदयाल सिन्हा की अगुआई में एएसपी नीतेश गौतम और जिला दंडाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समाज में सम्मिलित चंदनहा कलार समाज के लोगों के हितों के और मानवीय मूल्यों के संरक्षण की मांग की है। समाज मे शामिल किए गए चंदनहा कलार समाज के लोगो पर कतिपय लोगो द्वारा प्रताड़ित करने, कार्यक्रमों मे शामिल होने पर भारी भरकम दंड लगाने, माफी मगवाने, पूजन हवन , सामाजिक भोज ओर मुंडन कराने जैसे मानवता को तारतार करने का आरोप लगाते संबंधितों के खिलाफनामजद शिकायत करते त्वरित कार्यवाही की मांग की है ।

जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तब राज्य होता है मजबूत : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

- लक्ष्मी सखी मिलेट्स कार्ट' से आत्मनिर्भरता को मिली नई रफ्तार
- हितग्राहियों को मिलेट कार्ट एवं चैक का किया गया वितरण

रायपुर/नवप्रदेश। सशक्तिकरण को राज्य के समग्र विकास की आधारशिला बताते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार, समाज और पूरा राज्य मजबूत होता है। उन्होंने अपने निवास, नया रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय 'लक्ष्मी सखी मिलेट्स कार्ट' वितरण कार्यक्रम में यह उद्बोधन देते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विभिन्न स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को 'लक्ष्मी सखी मिलेट्स कार्ट' वितरित किए। इस अवसर पर श्रीमती शैलेन्द्री कुर्रे, श्रीमती डिगेश्वरी निषाद, श्रीमती अनिता ताण्डी, श्रीमती सुमन वर्मा, श्रीमती दीपाली राजपूत, श्रीमती दीपा सोनी, श्रीमती कामिनी बोथरा, श्रीमती सुभद्रा निर्मलकर, श्रीमती गीता साहू एवं श्रीमती प्रीति साहू सहित कई हितग्राही उपस्थित रहीं।

मंत्री ने बताया कि 'मिलेट्स कार्ट' अभियान महिलाओं के लिए स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। कांकेर जिला के नरहरपुर ग्राम की श्रीमती लोकेश्वरी रसिया और अन्य महिलाये प्रतिदिन 2 से 3 हजार रुपये तक तथा प्रतिमाह 25 से 30 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाना है, जिससे उनका आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास, क्षमता और समान अवसर विकसित करने की सतत प्रक्रिया है। जब महिलाएं शिक्षित, सक्षम और आत्मनिर्भर होती हैं, तो परिवार और समाज दोनों का समग्र विकास होता है तथा राज्य की अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ होती है।

इस दिशा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित महिला कोष योजना और सक्षम योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिला कोष योजना के तहत वर्ष 2003 से स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को मात्र 3 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। पहली बार 2 लाख रुपये तक तथा समय पर पुनर्भुगतान करने पर दूसरी बार 6 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है। वर्ष 2021 में राज्य सरकार द्वारा 12.77 करोड़ रुपये के पुराने ऋण माफ किए गए, जिससे लगभग 1 लाख महिलाएं पुनः ऋण लेने के लिए पात्र हुईं।

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में 10,500 महिलाओं को 10.70 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया, वहीं 2023-24 में 2500 समूहों को 31 करोड़ रुपये ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार सक्षम योजना के अंतर्गत वर्ष 2022-23 में 2.63 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत कर महिलाओं को व्यक्तिगत स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इन योजनाओं के सकारात्मक प्रभाव से महिलाएं पापड़ निर्माण, श्रृंगार सामग्री, किराना व्यवसाय सहित विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़कर प्रतिमाह 1,000 से 5,000 रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च 2026) के अवसर पर बस्तर में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा 'लक्ष्मी मिलेट्स कार्ट' अभियान का शुभारंभ किया गया था। इस पहल के तहत राज्यभर में महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। विशेष रूप से नरहरपुर और कांकेर क्षेत्र की महिलाएं इस योजना से उल्लेखनीय आय अर्जित कर रही हैं।

भगवान परशुराम शोभायात्रा का विहिप ने किया स्वागत

महासमुंद/नवप्रदेश। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज महासमुंद द्वारा शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धा और उत्साह के माहौल में निकली इस शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया।

स्थानीय नेहरू चौक में विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने शोभायात्रा का पुष्पमाला एवं श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेयजल की भी व्यवस्था की गई, जिससे गर्मी के बीच लोगों को राहत मिली।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष येतराम साहू, जिला कोषाध्यक्ष राहुल चंद्राकर, रविदास समाज के प्रदेश अध्यक्ष बुद्धेश्वर सोनवानी, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत समरसता प्रमुख अखिलेश लूनिया, जिलाध्यक्ष हर्षवर्धन चंद्राकर, जिला उपाध्यक्ष विपिन बिहारी मोहंती, नगर अध्यक्ष चंद्रबदन मिश्रा सहित आनंद साहू, सुमन सेंद्रे, कान्हा प्रधान, शिवराज चंद्राकर, राहुल गुप्ता और गुरु बच्चन सिंह इच्छाप्राणी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शोभायात्रा के दौरान भगवान परशुराम के जयकारों से पूरा शहर भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया।

मिस काल से बुकिंग के सात दिन बाद भी नहीं मिल रहा घरेलू सिलेंडर

- जिले मे डिमांड के मुताबिक नही आ रहा सिलेंडर, एजेंसी के चक्कर लगाने मजबूर उपभोक्ताओ की लग रही लाइन

खैरागढ़/नवप्रदेश। गैस सिलेंडरो की समय पर बुकिंग के बाद भी उपभोक्ताओ को सिलेंडर के लिए जूझना पड़ रहा है । जिले मे गैस सिलेंडर की कमी बरकरार है । मिस काल से बुकिंग करने के सप्ताह भर का समय देने के बाद भी सिलेंडरो की डिलवरी नही हो रही है । जिले मे गैस सिलेंडर के लिए उपभोक्ताओ को एजेंसी संचालक के दुकानों का चक्कर लगाना पड़ रहा है । पूरी तरह आनलाइन डिलवरी होने के बाद भी उपभोक्ता कंपनी के मिसकाल नंबर पर काल कर रहे है । समय पर इसका जवाब नही मिल रहा है । ओटीपी और डिलवरी की जानकारी नही आ रही है । जिससे कई उपभोक्ताओ को आनलाइन प्रक्रिया करने के बाद भी सिलेंडरके लिए चक्कर लगाना पड़ रहा है । एलपीजी के इंडेन गैस के जिले मे सबसे ज्यादा उपभोक्ता है । इंडेन कंपनी के जिले मे महीने भर मे 12 हजार सिलेंडर बुक किए जाते है । एजेंसी को सप्ताह मे कंपनी से 9 ट्रक सिलेंडर प्रदाय किया जाता रहा है । लेकिन किल्लत के बाद अब माह भर से छह ट्रक से ज्यादा सिलेंडर नही पहुँच रहे है । इसके चलते उपभोक्ताओ को 25 दिन बाद मिलने वाले सिलेंडर के लिए भी कई अतिरिक्त दिनो तक इंतजार करना पड़ रहा है । बताया गया कि एक ट्रक मे लगभग 342 सिलेंडर जिले मे पहुँचते है । इस हिसाब से सप्ताह मे पहले सिलेंडरों के आने की संख्या लगभग 4 हजार के करीब थी । अब संख्या कम होने से सप्ताह मे लगभग 32 सौ सिलेंडर ही जिले मे पहुँच रहे है । इसके चलते समय पर सिलेंडरों की डिलवरी उपभोक्ताओं को नही मिल पा रही है ।

मिस काल से नही मिल रहा जवाब

आनलाइन सिलेंडर बुकिंग की प्रक्रिया जिले मे पूरी तरह चालू होने के बाद से उपभोक्ताओ को सिलेंडर लेने मिस काल सिस्टम का उपयोग करने की हिदायत दी गई है । कई पीड़ित उपभोक्ताओ का कहना है कि कंपनी द्वारा दिए गए नंबर पर मिसकाल देने के बाद भी सिलेंडर के लिए आने वाली जानकारी नही आ रही है । केवल सात दिन मे सिलेंडर डिलवरी का मैसेज आने के बाद सप्ताह भर का समय निकल जाने के बाद भी सिलेंडर की डिलवरी को लेकर कोई प्रक्रिया नही हो रही है । इसके चलते एजेंसी संचालक तक जाना पड़ रहा है । वहां से बुकिंग देखकर ओटीपी जनरेट किया जा रहा है इसके बाद ही उपभोक्ताओ को सिलेंडर मिल पा रहा है ।

पालिका में अवैध विवाह पंजीयन मामला

- सामान्य सभा की बैठक मे विपक्षी कांग्रेस ने बोला हमला, सरकार पर दोषी अधिकारियो को बचाने का लगाया आरोप

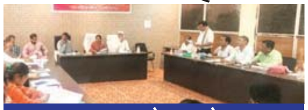

खैरागढ़/नवप्रदेश। नगरपालिका से जारी किए गए अवैध विवाह पंजीयन की जांच धीमी होने , जिम्मेदार अधिकारियो को बचाने का आरोप लगाते कांग्रेस ने इसे मुददा बनाने की बात कही है । नगरपालिका की सामान्य सभा की बुधवार को आयोजित बैठक मे विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन ने मामले को बजट चर्चा के पूर्व उठाते कहा कि भाजपा राज मे पिछले दो साल से पालिका मे लगातार नए नए कारनामे सामने आ रहे है । विवाह पंजीयन जैसे गंभीर मामले मे पालिका से अवैध पंजीयन की जानकारी सामने आने के बाद भी मामले को पूरी तरह दबाने का प्रयास किया जा रहा है । देवांगन ने पालिकाध्यक्ष गिरजा चंद्राकर पर भी मामले मे शह देकर कोई कार्यवाही नही करने का आरोप लगाया । देवांगन ने कहा कि नगरपालिका मे पालिका क्षेत्र को छोड़कर बीजापूर, धमतरी, कांकेर, राजनांदगांव, दुर्ग, बिलासपूर जैसे जिलो के विवाह प्रमाणपत्र बेधड़क जारी किए गए । इस दौरान निलंबित रहे सीएमओ कोमल ठाकुर के डिजिटल सिग्रेचर से भी प्रमाणपत्र जारी किए गए जो कि पूरी तरह गंभीर विषय है । देवांगन ने मुददा उठाते कहा कि पूरे शहर मे पिछले साल भर मे जितने विवाह नही हुए उसके सौ गुना अधिक विवाह प्रमाणपत्र जारी करना प्रदेश और पालिका की सरकार के कुशासन को दर्शाता है ।

संचालक स्तर पर हो रही जांच, जिला स्तर पर भी बनी समितिः सामान्य सभा बैठक मे विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन द्वारा अवैध विवाह पंजीयन के मुददे पर सीएमओ पुनीत वर्मा ने जानकारी देते बताया कि अवैध विवाह पंजीयन प्रमाणपत्र जारी किए जाने की शिकायत के बाद मामले मे कार्यवाही चल रही है । नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक द्वारा मामले से संबंधित सभी जानकारी मंगाई थी जिसे भेजा गया है । जिला स्तर पर कलेक्टर के निर्देश पर संयुक्त जांच टीम का गठन किया गया है । जिन्हे भी सभी वांछित जानकारी दी जा रही है ।

विपक्ष रहा हमलावर, सत्तापक्ष जवाब नही दे पाए: सामान्य सभा की बैठक मे रखे गए सात छह एजेड़े पर विपक्षी कांग्रेस जमकर हमलावर रही । स्वच्छता पेयजल, बिजली, सफाई सहित अन्य मुददे पर सत्तापक्ष जमकर घिरा । अध्यक्ष और सभापति एक दूसरे का मुंह ताकते रहे गए । सीएमओ और संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी मामला संभालते रहे । प्रस्तावो पर चर्चा मे फेल हुए सत्ताधारी दल के पार्षद चंद्रशेखर यादव भी विपक्ष के साथ सबसे ज्यादा मुखर रहे ।

मामला दबाने का आरोप

अवैध तरीके से विवाह पंजीयन जारी होने के मामले मे पालिका के नेता प्रतिपक्ष दीपक देवांगन ने मामले को नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा दबाए जाने का आरोप लगाते कहा कि मामले मे काफी हद तक सभी गड़बड़ी स्पष्ट हो चुकी है । निलंबन के दौरान विवाह प्रमाणपत्र जारी करने वाले सीएमओ पर त्वरित कार्यवाही होनी थी लेकिन उन्हे सीएमओ बनाकर भाजपा सरकार भ्रष्टाचार करने बढ़ावा दे रही है । देवांगन ने जिम्मेदार अधिकारियो पर त्वरित कार्यवाही और एफआईआर कराने,पंजीयन की राशि की वसूली किए जाने की मांग की ।

महापौर मधुसूदन यादव ने नगर निगम राजनांदगांव का वित्तीय वर्ष 206-27 का पेश किया बजट

राजनांदगांव/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम, राजनांदगांव के द्वितीय बजट सत्र में नगर पालिक निगम, राजनांदगांव के इस सभा में सभापति जी, नेता प्रतिपक्ष जी, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्यगण, पार्षदगण का मैं हार्दिक स्वागत करता हूं। हम नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा (94) से धारा (100) के अंतर्गत नगर पालिक निगम, राजनांदगांव का वर्ष 2025-26 का पुनरीक्षित बजट एवं वित्तीय वर्ष 2026-27 का वार्षिक आय-व्यय की स्वीकृति हेतु सदन के समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं। हमारे कार्यकाल के इस द्वितीय बजट में हमारा यह प्रयास होगा कि उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए शहर का सर्वांगीण विकास कर सकें एवं नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा सकें।

बजट प्रावधान में विभिन्न योजनाओं को शामिल किया गया है, जो कि अल्पकालीन एवं दीर्धकालीन योजनाओं के रूप में अलग अलग विभाग से क्रियान्वित होगी। मैं अब तक के सभी निर्वाचित जन प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने शहर विकास को गति प्रदान करने में अपनी महत्वपूर्ण जवाबदारी का निर्वहन किया साथ ही मैं आभार व्यक्त करना चाहता हूं देश के प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी का जिन्होंने देश के साथ साथ छत्तीसगढ़ प्रदेश में विकास की अनके योजनाएं लागू की।

हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री आदरणीय विष्णु देव साय जी तथा विधानसभा अध्यक्ष व हमारे विधायक आदरणीय डॉ. रमन सिंह जी ने शहर को विकसित करने गत वर्ष के बजट में विभिन्न सौगात दिये थे, जो प्रक्रियाधीन है और इसी प्रकार इस बजट में भी शहर के लिए विभिन्न विभागों में विकास कार्यों के लिये बजट प्रावधान किया है जिसमें हमें पूरा समर्थन व सहयोग मिल रहा है। हमारे उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री आदरणीय अरूण साव जी तथा हमारे प्रभारी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव जी एवं हमारे सांसद श्री संतोष पाण्डे जी, मैं इन सभी का भी शहर विकास में सहयोग करने आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं इस सदन के माध्यम से शहर के समस्त नागरिकों से उम्मीद करता हूं कि गत वर्ष की तरह शहर विकास में उनका महत्वपूर्ण मार्गदर्शन व सहयोग मिलेगा साथ ही लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से शहर विकास में मार्गदर्शन की अपेक्षा रखता हूं। जनता से जुड़ी हुई समस्याओं एवं योजनाओं का गुणवत्तापूर्वक, समय सीमा व ईमानदारी के साथ क्रियान्वयन में सभी अधिकारी-कर्मचारियों का पूर्ण सहयोग मिलेगा, मैं यही अपेक्षा करता हूँ।

नगर पालिक निगम, राजनांदगांव के वित्तीय वर्ष 2026-27 का आय-व्यय अनुमान पत्रक प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। वर्ष 2025-26 के बजट प्रावधानों के विरूद्ध पुनरीक्षित आय 474 करोड़ 20 लाख 50 हजार रूपये तथा पुनरीक्षित व्यय 478 करोड़ 26 लाख रूपये है। बजट अनुमान अन्तर्गत कुल अनुमानित आय 646 करोड़ 23 लाख रूपये तथा व्यय 696 करोड़ 70 लाख 50 हजार रूपये था, जबकि वर्ष 2025-26 में प्रारंभिक अवशेष राशि 50 करोड़ 24 लाख 55 हजार रूपये था। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रावधान में प्रस्तावित आय 579 करोड़ 83 लाख 18 हजार रूपये तथा व्यय 643 करोड़ 49 लाख 71 हजार रूपये है। वर्ष 2026-27 का अनुमानित प्रारंभिक अवशेष राशि 63 करोड़ 81 लाख 53 हजार की संभावना है इसे मिलाकर कुल आय 643 करोड़ 64 लाख 71हजार होता है। इस प्रकार लाभ का बजट 15 लाख रूपये प्रस्तावित है।

एंडोस्कोपिक तकनीक से सिम्स में बची मासूम की जान, त्वरित उपचार और उच्चस्तरीय समन्वय बना मिसाल

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) में एक बार फिर चिकित्सकीय दक्षता, अत्याधुनिक तकनीक और टीमवर्क का उत्कृष्ट उदाहरण सामने आया है। महज 5 वर्षीय मासूम नितिन सिंह, निवासी धवलपुर थाना झगड़खा जिला चिरमिरी, की जान डॉक्टरों ने समय रहते एंडोस्कोपिक प्रक्रिया के माध्यम से बचा ली।

घटना सोमवार शाम लगभग 7 बजे की है, जब खेलते-खेलते बच्चे ने 5 का सिक्का निगल लिया, जो उसके गले में जाकर फंस गया। सिक्का श्वसन मार्ग के पास अटक जाने के कारण बच्चे को सांस लेने में गंभीर परेशानी होने लगी और उसकी स्थिति तेजी से बिगड़ती जा रही थी। परिजन तत्काल

बच्चे को सिम्स लेकर पहुंचे, जहां आपातकालीन स्थिति को देखते हुए बिना विलंब के उपचार शुरू किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए परिजनों द्वारा प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को सूचना दी गई। मंत्री जी ने तुरंत संज्ञान लेते हुए सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति को फोन कर बच्चे के इलाज हेतु सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

अधिष्ठाता के निर्देशन में ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. आरती पांडे के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम का गठन किया गया। टीम में डॉ. विद्या भूषण साहू, डॉ. श्वेता मित्तल, डॉ. तन्मय गौतम, डॉ. बरसे महादेव तथा एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. मधुमिता मूर्ति के मार्गदर्शन में डॉ. यशा तिवारी, डॉ. बलदेव नेताम को शामिल किया गया।

सिम्स बना भरोसे का केंद्र

इस घटना ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि सिम्स न केवल प्रदेश का प्रमुख शासकीय चिकित्सालय है, बल्कि यहां अत्याधुनिक तकनीक, अनुभवी डॉक्टरों और समर्पित स्टाफ के माध्यम से जटिल से जटिल आपात स्थितियों में भी प्रभावी उपचार संभव है। परिजनों ने भावुक होकर सिम्स के डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ एवं पूरे प्रबंधन का आभार व्यक्त किया और कहा कि समय पर मिले उपचार और डॉक्टरों की मेहनत से उनके बच्चे को नया जीवन मिला है।

एंडोस्कोपिक तकनीक से सफल ऑपरेशन

बच्चे की स्थिति को देखते हुए उसे तुरंत ऑपरेशन थिएटर में शिफ्ट किया गया, जहां अत्याधुनिक एंडोस्कोपिक तकनीक का उपयोग करते हुए सटीक और सुरक्षित प्रक्रिया अपनाई गई। एंडोस्कोपिक विधि के माध्यम से बिना किसी बड़े चीरे के, विशेष उपकरणों की सहायता से गले में फंसे सिक्के को सावधानीपूर्वक बाहर निकाला गया। पूरी प्रक्रिया के दौरान एनेस्थीसिया टीम ने बच्चे की सांस और जीवनरक्षक संकेतों को पूरी सतर्कता से नियंत्रित रखा। डॉक्टरों की सूझबूझ, सटीक तकनीक और बेहतर समन्वय के चलते कुछ ही समय में ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और बच्चे की जान बच गई। वर्तमान में बच्चा पूरी तरह सुरक्षित है और चिकित्सकों की निगरानी में तेजी से स्वस्थ हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सिम्स की टीम ने जिस तत्परता और आधुनिक तकनीक का उपयोग कर बच्चे की जान बचाई, वह अत्यंत सराहनीय है। राज्य सरकार लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर रही है, और सिम्स इसका उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है।

न्यूज गैलरी

अग्निशमन सेवा सप्ताह में सुरक्षा पर दिया जोर

बिल्हा/नवप्रदेश। मंगल स्पंज एण्ड स्टील प्राइवेट लिमिटेड बिल्हा में 14 से 22 अप्रैल तक अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया गया। संयंत्र सुरक्षा समिति सभापति मनोज अग्रवाल के मार्गदर्शन में हुए इस सप्ताह का थीम 'सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज' रहा। 14 अप्रैल को कार्यक्रम का शुभारंभ ए. दुर्गा प्रसाद उप सभापति ने किया। इस अवसर पर एके त्रिपाठी, अजय घोरे, पीके साहू, मोक्षानंद शर्मा, प्रदीप निर्मलकर, बी. मुदुली और अखिलेश विश्वकर्मा सहित अन्य सदस्यों ने 'अग्नि सुरक्षा की शुरुआत स्वयं करें' पोस्टर का विमोचन किया। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, मुंबई द्वारा प्रकाशित बैनर संयंत्र परिसर में लगाए गए। 20 अप्रैल को समापन समारोह के तहत संगोष्ठी हुई। ए. दुर्गा प्रसाद ने बताया कि हर साल आगजनी से करीब 25 हजार लोगों की मौत होती है, इसलिए सभी वर्गों को सतर्क रहना जरूरी है।

एनडीपीएस जांच पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजित

बिलासपुर/नवप्रदेश। राम गोपाल गर्ग पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज के द्वारा पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए एनडीपीएस जांच विवेचना की गुणवत्ता के सुधार विषय पर रेंज स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का ऑन लाईन आयोजन पुलिस महानिरीक्षक मीटिंग हाल में किया गया। कार्यशाला में आंजनेय वार्ष्णेय पुलिस अधीक्षक सारंगढ़, पंकज पटेल अति. पुलिस अधीक्षक (शहर), निमितेश सिंह, विवेक शर्मा उप पुलिस अधीक्षक पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय बिलासुपर रेंज की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गर्ग पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज के द्वारा किया गया, जिसमें एनडीपीएस जांच विवेचना के दौरान प्रकरणों में विवेचकों के द्वारा प्रकियात्मक त्रुटि की जा रही है जिससे अभियोजन का पक्ष कमजोर होने से आरोपी को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होता है तथा वे दोषमुक्त हो जाते हैं।

यातायात विश्लेषण के आधार पर ट्रैफिक पुलिस ने जारी किया वाहन चालकों के लिए विशेष सुरक्षा संदेश

चालक सड़क पर समझदारी दिखाएं सीट बेल्ट और हेलमेट को अपनाएं

बिलासपुर/नवप्रदेश। सड़क दुर्घटना के आकड़ो और विश्लेषण के पश्चात 'सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय' द्वारा वाहन चालकों के लिए विभिन्न दिशा निर्देश जारी किया गया है। जिसके तहत वाहन के सामने दो सीटों के अलावा पीछे के सीटों में भी सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य किया गया साथ ही नई वर्जन की गाड़ियों में 'चाइल्ड सीट बेल्ट' की भी प्रावधान किए गए।

सीट बेल्ट नही लगाने पर वाहन में 'अलार्म/ बीप' की आवाज की भी प्रावधान किया गया है। परंतु वाहन चालकों में एवं वाहन में सवार होकर यात्रा करने वाले व्यक्तियों में सीट बेल्ट को लेकर गंभीरता नहीं बरती जाती और वाहन में मौजूद 'सेफ्टी फीचर्स सीट बेल्ट' को अलार्म की आवाज से मुक्त होने हेतु शीट के पीछे घुमा कर रख दिया जाता है और स्वयं की सुरक्षा को नजरअंदाज करते हुते लापरवाही बरतते है जिसके कारण दुर्घटना के समय सेफ्टी फीचर के रूप में वाहन में मौजूद 'एयर बैग' ठीक से काम नहीं कर पाता है। सीट बेल्ट में दो तरह से टेक्नोलॉजी सिस्टम काम करती है 'प्री टेंशनर एवं दूसरा फोर्स लिमिटर'।

तेज रफ्तार वाहन चलाने से बढ़ रही दुर्घटनाएं

सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा पर यह पाई गई है कि अधिकांश दुर्घटनाएं तेज रफ्तार में वाहन चालन, सीट बेल्ट एवं हेलमेट धारण नहीं करना पाया गया है तेज रफ्तार वाहन चालन के दौरान सीट बेल्ट नहीं पहने एवं हेलमेट धारण नहीं करने से शरीर के 'वाइटल पार्ट' सर्वाधिक प्रभावित होते हैं जिससे आकस्मिक मृत्यु का कारण बनता है इसे ध्यान में रखते हुए 'पुलिस मुख्यालय' एवं 'सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय' द्वारा निरंतर और अधिकायत में सड़क दुर्घटनाजन्य जगह को 'ब्लैक स्पॉट' के रूप में चिन्हित कर तथा उक्त स्थान की 'रोड सिक्योरिटी ऑडिट' करते हुए उक्त स्थान पर हो रहे दुर्घटनाओं के वास्तविक कारणों को जानने निर्देशित की जाती है।

दुर्घटना से बचने जागरुकता अभियान लगातार आयोजित

आम जनमानस में यातायात नियमों के पालन के प्रति सजगता, गंभीरता एवं स्वमेव पालन की आदत की प्रवृत्ति विकसित करने हेतु 'ट्रैफिक सेंस' के विकास के लिए लगातार जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस हेतु 'सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय' द्वारा निर्देश का पालन करते हुए लगातार प्रत्येक वर्ष 'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह' का आयोजन भी किया जा रहा है जिसके क्रम में नियमित रूप से प्रत्येक 'वर्ष 1 जनवरी से लेकर 31 जनवरी' तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से आम जनमानस में यातायात नियमों के प्रति जागरुकता लाने वाहन चालान के निर्धारित मापदंडों और धाराओं का उल्लंघन नही करने और सदैव यातायात संकेतकों का अनुसरण करते हुए वाहन चालन की प्रवृत्ति व आदत निर्मित करने वाली 'मांस कल्चर विकसित' करने का प्रयास जारी है जिसके तहत प्रत्येक जिलों में यातायात मित्र बनाकर 'यातायात नियमों के जानकारी प्रदाता एवं संवाहक' के रूप में गैर विभागीय व्यक्तियों का भी सहयोग लिया जा रहा है जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और लोगों की जान माल को आकस्मिक दुर्घटनाओं से बचाए जा सके। समस्त वाहन डीलरों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु अपने एजेंसी के सामने यातायात नियमों से संबंधित 'नियम तालिका' एवं 'प्रमुख चालानी धाराओं' का तालिका बनाकर एजेंसी के सामने लगाने एवं दुर्घटना के परिणाम के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान करने संबंधी होर्डिंग लगाने निर्देशित किया गया ताकि वाहन खरीदते समय समस्त आम ग्राहकों, वाहन क्रेताओं को यह संज्ञान में आ सके कि वाहन चालन के दौरान यातायात नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है।

तेज रफ्तार वाहन न चलाएं सुरक्षित वेग, संतुलित जीवन

सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा के उपरांत यह पाया गया है कि दो पहिया वाहनों में सवार यात्रियों की मृत्यु का कारण तेज रफ्तार के साथ-साथ हेलमेट का धारण नहीं करना भी पाया गया है अत: हेलमेट को नजरअंदाज करना जान जोखिम में डालने से कम नहीं है हेलमेट में भी तीन तरह के सिस्टम दिए गए हैं जिसमें हॉफ फेस, फुल फेस और दोनों कम्बो। हॉफ फेस हेलमेट लगाने की आदत अधिकांशत है नौकरीपेशा या कामकाजी महिलाओं एवँ युवतियों में देखी जा रही है जिसके कारण कामकाजी महिलाओं के सड़क दुर्घटना के दौरान मृत्यु की संख्या बढ़ी है। विभिन्न रोजगार में संलग्न पुरुषों के द्वारा भी हॉफ फेस हेलमेट का इस्तेमाल किया जाता है ताकि समय अनुसार उसको कहीं पर भी निकाल के वाहनों में रखी जा सके जबकि यह दोनों हेलमेट सुरक्षा के लिहाज से कदाचित परिपूर्ण नहीं है सुरक्षा के लिहाज से फुल फेस आई एस आई मार्क हेलमेट ही मस्तिष्क को सुरक्षित रखने हेतु पर्याप्त मानी जा सकती है। आजकल वाहनों में साइड स्टैंड सेंसर एवं डिजिटल टाइमिंग की भी सुविधा है परंतु फिर भी मोटरसाइकिल चालक के द्वारा कई बार फोन उठाने, टाइम देखने, साइड स्टैंड चेक करने आदि के कारण से सामने आने वाली वाहनों से ध्यान भटक जाती है और एक्सीडेंट का खतरा बना रहता है। दो पहिया वाहन चालकों के द्वारा हेलमेट धारण नहीं करना एवं चार पहिया वाहन चालकों के द्वारा सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना वर्तमान में सड़क दुर्घटनाओं में एक्सीडेंट के प्रमुख कारण है जिससे वाहन चालक की आकस्मिक दुर्घटना में मृत्यु तो होती ही है उसके पीछे बैठे हुए अबोध एवं मासूम व्यक्तियों की भी असमय मृत्यु की स्थिति बनती है। सड़क दुर्घटना न सिर्फ एक वाहन चालक मात्र के मानवीय क्षति के रूप में देखी जा सकती है अपितु सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश वाहन चालक अपने घर के जिम्मेदारी संभालने वाले प्रमुख एवं युवा वर्ग व्यक्ति होते हैं सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश व्यक्ति युवा वर्ग से आते हैं जिससे घर के दैनिक जरूरत को पूर्ति करने वाले व्यक्ति से परिवार को महरूम होना पड़ता है।

अनुकंपा नियुक्ति उपहार या विरासत की संपत्ति नहीं: हाईकोर्ट

कोर्ट ने कहा- सास का ख्याल रखे बहू, नहीं तो जाएगी नौकरी

बिलासपुर/नवप्रदेश। हाईकोर्ट ने पारिवारिक दायित्व पर अहम फैसला सुनाया है। मामले में जस्टिस एके प्रसाद ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति कोई व्यक्तिगत उपहार या विरासत में मिली संपत्ति नहीं है, बल्कि यह पूरे परिवार को आर्थिक संकट से उबारने के लिए दी जाने वाली सहायता है। इस टिप्पणी के साथ ही हाईकोर्ट ने बहू को चेतावनी दी है कि अगर उसने अपनी आश्रित सास का भरण-पोषण नहीं किया तो उसकी नियुक्ति रद्द कर दी जाएगी। मामला अनुकंपा नियुक्ति और सास के भरण-पोषण जुड़ा है।

दरअसल अंबिकापुर की रहने वाली ज्ञांती तिवारी पति और बेटे की मौत के बाद दाने-दाने को मोहताज हो गई। पति घनश्याम तिवारी पुलिस विभाग में कॉन्स्टेबल थे। 2001 में उनकी मौत हो गई। इसके बाद बेटे अविनाश तिवारी को अनुकंपा नियुक्ति मिली, जिससे मां को सहारा मिला। इस बीच अविनाश की शादी नेहा तिवारी से हुई और दिसंबर 2021 में अविनाश की भी मौत हो गई। याचिका में मांग की गई कि बहू नेहा तिवारी को 8 मार्च 2022 को जारी नियुक्ति आदेश को निरस्त किया जाए। हाईकोर्ट बहू की जगह उनकी अविवाहित बेटी प्रीति तिवारी को अनुकंपा नियुक्ति देने पर विचार करने के निर्देश जारी करे। बताया कि बहू को इस शर्त और शपथ-पत्र के आधार पर नौकरी दी गई थी कि वह अपनी सास की पूरी देखभाल और भरण-पोषण करेगी, लेकिन नियुक्ति मिलते ही बहू ने उन्हें बेसहारा छोड़ दिया है। इस मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने पाया कि बहू ने नियुक्ति के समय शपथ-पत्र दिया था कि वह सास की देखभाल करेगी।

अनुकंपा नियुक्ति मिलते ही बहू का बदला व्यवहार

अविनाश की जगह उसकी पत्नी नेहा को अनुकंपा नियुक्ति मिली, लेकिन इसके बाद उसका सास के प्रति व्यवहार बदल गया। उसने सास के साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया और उनका भरण-पोषण करने से भी इनकार कर दिया। इसके चलते अविनाश की मां तंगहाली में जीवन गुजारने को मजबूर हो गईं। बहू के व्यवहार से परेशान होकर ज्ञांती तिवारी ने हाईकोर्ट की शरण ली। याचिका में उन्होंने बताया कि राज्य शासन ने बेटे की मौत के बाद बहू नेहा तिवारी को इस शर्त पर अनुकंपा नियुक्ति दी कि वह अपनी सास का पूरा ख्याल रखेगी।

पृथ्वी के लिए वृक्ष आवश्यक: डॉ. अंजू शुक्ला

विश्व पृथ्वी दिवस पर एनएसएस डीपी विप्र महाविद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

बिलासपुर/नवप्रदेश। विश्व पृथ्वी दिवस के पावन अवसर पर किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल एक प्रतियोगिता तक सीमित न होकर युवाओं एवं समाज के भीतर पर्यावरण संरक्षण के प्रति गहरी संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और सक्रिय भागीदारी की भावना को विकसित करना था। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों, स्वयंसेवकों एवं शिक्षकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने इसे एक सशक्त जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से पृथ्वी की वर्तमान स्थिति और भविष्य की चुनौतियों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। चित्रों में जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, जल संकट, प्लास्टिक प्रदूषण, वनों की कटाई

और जैव विविधता के क्षरण जैसे गंभीर मुद्दों को संवेदनशीलता के साथ उकेरा गया। कई चित्रों में पृथ्वी को एक जीवित इकाई के रूप में दर्शाते हुए यह संदेश दिया गया कि यदि हम आज इसके संरक्षण के लिए ठोस कदम नहीं उठाएंगे, तो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संकट में पड़ सकता है। प्रतिभागियों की कलाकृतियों में न केवल कलात्मक सुंदरता थी, बल्कि एक गहरा सामाजिक संदेश भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजू शुक्ला, उप प्राचार्य डॉ. एम एस तंबोली, अविनाश सेठी, डॉ. मनीष तिवारी, डॉ. आभा तिवारी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. किरण दुबे, प्रो. यूपेश कुमार, डॉ. आशीष शर्मा, डॉ. निधिश चौबे, प्रो. ए राम एनएसएस कार्यक्रम सहायक अधिकारी प्रो. आकांक्षा गौतम, प्रो. हेल्सियन कांत के मार्गदर्शन में किया गया। पृथ्वी केवल एक ग्रह नहीं, बल्कि समस्त जीव-जगत का आधार है और इसका संरक्षण प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा यदि जागरूक और जिम्मेदार बनता है, तो वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम बन सकता है। उनके विचारों ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों को प्रेरित किया और उनमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को और अधिक सशक्त किया। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा चलाया गया जागरूकता अभियान कार्यक्रम की विशेष पहचान बनकर उभरा। स्वयंसेवकों ने न केवल महाविद्यालय परिसर में, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी पर्यावरण संरक्षण से संबंधित संदेशों का प्रसार किया। उन्होंने आम लोगों को यह समझाने का प्रयास किया कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसे हमें अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

कलेक्टोरेट के जर्जर भवनों का होगा कायाकल्प

बिलासपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बुधवार को पीडब्ल्यूडी और अन्य मातहत अफसरो के साथ कलेक्ट्रेट के नकल शाखा और अन्य जर्जर भवनो का जायजा ले सुधार और मरम्मत कराने निर्दर्श दिए। उन्होंने मातहत अफसरो को जर्जर रिकार्ड रूम की ऊंचाई बढाकर दस्तावेज रखने के लिए रेख और रौशनी के लिए रौशनदान बनवाने और परिसर के अन्य जर्जर और झाड़ झंखाड़ लगे भवनों के मरम्मत और रंगरोगन के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने मीडिया के सवाल के जवाब में कहा कि कोई तोड़फोड़ नही होगी, ये हेरिटेज बिल्डिंग है इसकी मरम्मत और रंगरोगन कराकर कायाकल्प करने कहा गया है।

अभियान: बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने चांपा व शहडोल स्टेशनों में चला जांच अभियान

किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान में 2.54 लाख रुपए वसूला जुर्माना

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर मंडल वाणिज्य विभाग द्वारा बिना टिकट यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण एवं यात्रियों में वैध टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सघन टिकट जांच अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में ट्रेनों तथा स्टेशनों पर टिकट जांच को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु एक विस्तृत कार्ययोजना के तहत चलाई जा रही है।

इस अभियान के तहत सहायक वाणिज्य प्रबंधक डी.एस. चौहान के नेतृत्व में मंडल के शहडोल और चांपा स्टेशन तथा गाड़ियों में किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य

टिकट निरीक्षक एवं टीटीई स्टाफ की सक्रिय भागीदारी रही। इन दोनों स्टेशन में चलाये गए अभियान में कुल 506 मामलों में 02 लाख 54 हजार 555 रुपये बतौर जुर्माना वसूले गए । चाम्पा स्टेशन में चलाये गए अभियान में बिना टिकट यात्रा के 218 मामलों से 1,44,230 रुपये, अनियमित टिकट के 63 मामलों से 25,325 रुपये, बिना बुक किए गए लगेज के 63 मामलों से 6,300 रुपये एवं गंदगी फैलाने के 5 मामलों से 500 रुपये का जुर्माना शामिल है। इसी प्रकार शहडोल स्टेशन में चलाये गए टिकट जांच में बिना टिकट यात्रा के 146 मामलों से 76,600 रुपये, बिना बुक किए गए लगेज के 07 मामलों से 1,200 रुपये एवं गंदगी फैलाने के 4 मामलों से 400 रुपये का जुर्माना शामिल है। रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा के लिए उचित एवं वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश से पूर्व प्लेटफार्म टिकट अवश्य खरीदें। एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए फुटओवर ब्रिज का ही उपयोग करें। रेलगाड़ी राष्ट्रीय संपत्ति है, इसे स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने में रेल प्रशासन का सहयोग करें।

सुविचार

बेहतरीन नजर वो है जो खुद को परख सके क्योंकि नींद तो रोज खुलती है लेकिन आंखें कभी-कभी खुलती हैं।

जुबानी जंग पर भी लगे विराम

अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के संघर्ष विराम की अवधि खत्म होने के चंद घंटे पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इस संघर्ष विराम को और आगे बढ़ा दिया है। उनका कहना है कि जब तक अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता नहीं हो जाती और दोनों देश किसी समझौते पर नहीं पहुंच जाते तक तब संघर्ष विराम जारी रहेगा। उन्होंने कहा है कि अमेरिका संघर्ष विराम के चलते तक ईरान पर कोई हमला नहीं करेगा लेकिन होर्मूज स्ट्रेट की नाकाबंदी जारी रखेगा और अमेरिकी सैनिकों को भी वहां किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार रखेगा। डोनाल्ड ट्रंप ने संघर्ष विराम की अवधि बढ़ाने का क्रेडिट भी अपने पिट्ठू पाकिस्तान को दिया है। उनका कहना है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और असीम मुनीर के अनुरोध पर उन्होंने संघर्ष विराम को आगे बढ़ाया है ताकि दोनों देशों के बीच समझौते की गुंजाइश बनी रहे। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने शांति वार्ता के दूसरे दौर की तैयारी कर रखी थी लेकिन ईरान ने दूसरे दौर की बातचीत से साफ इंकार कर दिया। ईरान का कहना है कि जब तक अमेरिका होर्मूज की नाकेबंदी खत्म नहीं करता तब तक वह शांति वार्ता नहीं करेगा। ईरान ने तो अमेरिका को यह भी चेतावनी दी है कि ईरान अमेरिका के प्रस्तावों को हरगीज नहीं मानेगा। भले ही दोनों के बीच जंग होती है तो हो जाये ईरान कई सालों तक जंग लड़ने के लिए तैयार बैठा है। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने फिर ईरान को धमकी दी है कि ईरान बातचीत की टेबल पर आ जाये और अमेरिका के प्रस्ताव को मंजूर कर ले अन्यथा इस बार अमेरिका ईरान को नेस्तनाबूत करके रख देगा। एक ओर तो डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर एकतरफा संघर्ष विराम की अवधि बढ़ा दी है वहीं दूसरी ओर वे ईरान को धमकी चमकी देने से बाज नहीं आ रहे हैं। संघर्ष विराम के बीच अमेरिका और ईरान के बीच चल रही यह जुबानी जंग हैरत की बात है। जब संघर्ष विराम को आगे बढ़ाया गया है तो दोनों देशों को एक दूसरे को इस तरह की धमकी नहीं देना चाहिए वरना शांति वार्ता होने की संभावना खत्म हो जाएगी। नतीजतन एक बार फिर जंग छिड़ेगी और यह न सिर्फ ईरान और अमेरिका के लिए घातक होगी बल्कि इसका गंभीर दुष्परिणाम पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा। बहरहाल अब जबकि संघर्ष विराम की अवधि फिर से बढ़ा दी गई है तो कम से कम डोनाल्ड ट्रंप को तो अपनी जुबान पर लगाम देकर रखना चाहिए। अन्यथा ईरान भी उन्हें उनकी ही भाषा में जवाब देगा और ऐसे में दोनों के बीच दूसरी शांति वार्ता होने की और दोनों देशों के बीच किसी समझौते पर पहुंचने की बची कुची संभावना भी खत्म हो जाएगा।

बदजुबानी से बाज आएं बड़े नेता

जब भी कोई चुनाव होता है बयानवीर नेताओं की बद्जुबानी बढ़ जाती है। छोटे नेता यदि एक दूसरे पर आरोप लगाते समय मर्यादा की सीमा रेखा लांघे तो भी बात समझ में आती है तो यदि बड़े नेता बदजुबानी पर उतर आये तो चुनावी माहौल खराब होने लगता है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्रकार वार्ता के दौरान ही आतंकवादी बोल दिया। इससे वहां उपस्थित पत्रकार ही हथप्रभ रह गये। जब किसी पत्रकार ने उन्हें इसके लिए टोका तो मल्लिकार्जुन खड़गे ने सफाई दी कि उन्होंने प्रधानमंत्री को आतंकवादी नहीं कहा है उनके कहने का आशय दूसरा था। जबकि मीडिया के सामने यह बयान रिकॉर्ड हुआ है। मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ नेता को अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस में जितनी भी नाराजगी हो लेकिन उसे व्यक्त करते समय उन्हें प्रधानमंत्री पद की गरिमा का तो ध्यान रखना चाहिए। एक राष्ट्रीय पार्टी का अध्यक्ष इस तरह का बयान देगा तो वह अपने अधिनस्थ नेताओं की बद्जुबानी पर भला किस मुंह से रोक लगा पाएगा। विभिन्न राजनीतिक पार्टियों से विवादास्पद बयानबाजी करने की होड़ इसीलिए लगी हुई है क्योंकि इन पार्टियों के बड़े नेता ही मर्यादा की सीमा लांघते हैं। बोल वचन करने वाले ऐसे नेता खुद अपनी पार्टी को नुकसान पहुंचाते हैं। पूर्व में इसके कई उदाहरण सामने आ चुके हैं जब नेताओं के बद्जुबानी के कारण ही राजनीतिक पार्टियों को अपनी जीती हुई बाजी हारनी पड़ी थी। इसके बावजूद ये बड़बोले नेता कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है। बेहतर होगा कि बड़े नेता संयम बरतें और अपनी पार्टी के अन्य नेताओं के सामने आदर्श पेश करें।

सद्गुरू बोधामृतम्

सदगुरू ऋतेश्वर

◆ भगवान या सद्गुरु को इसलिए प्रेम मत करना कि वो तुम्हारा कोई काम बना दें बल्कि इसलिए उन्हें प्रेम करो की तुम उनकी गोद में बैठे रहो।

◆ चपतपजनंसपेउ – जहाँ उत्साह ही परम है।

◆ जीवन में गोपी भाव प्राप्त करो। जीवन की श्रेष्ठ पराकाष्ठा क्या है? गोपी भाव की प्राप्ति क्योंकि गोपी भाव दु:ख-सुख से ऊपर उठने का भाव है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1990 - नामीबिया सं.रा. संघ का 160वां सदस्य बना। 1992: ऑस्कर से सम्मानित प्रसिद्ध भारतीय फिल्म निर्देशक सत्यजीत रे का निधन। 1996 चेचेन्या के अलगाववादी नेता दुदायेव का एक हवाई हमले में निधन। 1996 - चेचेन्या के अलगाववादी नेता दुदायेव का एक हवाई हमले में निधन। 1999 - उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की स्थापना के लिए 50 वर्ष पूरे होने पर वांशिगटन में तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन का शुभारम्भ। 2002 - पेइचिंग में भारत तथा चीन के बीच सीमापार आतंकवाद पर वार्ता। 2003 - कुर्द और अरब विवादों को निपटाने के लिए आयोग गठित करने का निर्णय। 2005: वीडियो शेयरिंग वेबसाइट YouTube पर पहला वीडियो ÷Me at the zoo÷ अपलोड किया गया। 2007 - रूस के पूर्व राष्ट्रपति बोरिस निकोलाइएविच ऐल्तसिन का निधन।

रेल पटरियों का आधुनिकीकरण

अश्विनी वैष्णव

भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। वे प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हंक और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किलोमीटर से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं। पूरी व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है, तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। लेकिन जब पटरी खराब होती है, तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार, कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट, इनमें से कोई भी चीज ट्रेन की चाल को प्रभावित कर सकती है।

रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेलवे ने एक दशक से अधिक समय पहले व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण, उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव, सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल थे। इन सभी प्रयासों ने मिलकर रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है। 2014 से अब तक लगभग 55,000 किलोमीटर पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 ट्रैक किलोमीटर में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम और सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किलोमीटर से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किलोग्राम वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार और तेज गति का समर्थन करती हैं।

मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, लेकिन समय रहते खराबी पकड़ना भी उतना ही जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की गई है। इसके तहत करीब 36.2 लाख ट्रैक किलोमीटर और 2.25करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है। अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीकें भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनें और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था लगाई गई है, जो ट्रेन की यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है।

भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो 2026 में बढ़कर 1,785 हो गई है। ये मशीनें पटरी को ठीक करने, गिट्टी साफ करने और रेल को घिसकर बराबर करने का काम हाथ से होने वाले काम की तुलना में ज्यादा तेज, बेहतर और एक समान तरीके से करती हैं। पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत को साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है। यही गिट्टी पानी निकालने, कंपन कम करने और पटरी को मजबूत बनाए रखने का काम करती है। लेकिन समय के साथ ट्रेनों के लगातार वजन और कंपन से ये पत्थर टूटकर पाउडर जैसे हो जाते हैं। इससे गिट्टी की परत जाम हो जाती है और वह ठीक से काम नहीं कर पाती। इसलिए गिट्टी की सफाई की जाती है, ताकि पटरी फिर से सही हालत में आ जाए। यह काम एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल पटरियों पर किया जा चुका है और ज्यादातर काम मशीनों से हुआ है। इसी तरह पटरी की ऊपरी सतह की खराबी दूर करने के लिए भी एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल की ग्राइंडिंग की गई है। इससे ट्रेन का सफर ज्यादा आरामदायक और सुरक्षित हुआ है। हर साल ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है, इसलिए ट्रेनों के बीच रखरखाव के लिए मिलने वाला समय कम होता जा रहा है। ऐसे में मशीनों की मदद से कम समय में ज्यादा काम हो जाता है और ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित नहीं होतीं। लेकिन सुरक्षा सिर्फ पटरी पर नहीं, बल्कि वहां भी जरूरी है जहां ट्रेनें लाइन बदलती हैं। इसलिए भारतीय रेलवे ने पटरी बदलने के साथ कई दूसरे सुधार भी किए हैं। करीब 17,500 किलोमीटर तक सुरक्षा के लिए बाड़ लगाई गई है, खासकर उन जगहों पर जहां ट्रेनें 110 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से चलती हैं। इससे लोगों और जानवरों के पटरी पर आने की घटनाएं कम होती हैं।

जहां ट्रेनें एक लाइन से दूसरी लाइन पर जाती हैं, वहां 36,000 नए और मजबूत स्विच लगाए गए हैं और 7,500 खास तरह के क्रॉसिंग लगाए गए हैं। ये ज्यादा समय तक चलते हैं और ट्रेन को बिना झटके के गुजरने देते हैं। 2019 से चौड़े और भारी स्लीपर लगाए जा रहे हैं, जिससे पटरी ज्यादा मजबूत रहती है, खासकर गर्मियों में। पुलों पर भी मजबूत स्लीपर लगाए गए हैं और यार्ड के अंदर लंबी वेल्ड वाली पटरियां बिछाई गई हैं। इससे पूरा रेलवे नेटवर्क और मजबूत हुआ है। रेल पटरियों के आधुनिकीकरण का सबसे साफ असर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ने की क्षमता के रूप में दिखाई देता है। 130 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार के लिए तैयार रेल पटरी का हिस्सा पहले सिर्फ 6 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर करीब 23 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार वाली पटरी पहले करीब 40 प्रतिशत थी, जो अब 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इससे सफर का समय कम हुआ है, ट्रेनें ज्यादा समय पर चल रही हैं और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी तेज ट्रेनें चलाना आसान हुआ है। इन सुधारों का असर सुरक्षा पर भी दिखा है। 2014-15 में 135 बड़े रेल हादसे हुए थे, लेकिन 2025-26 में यह संख्या घटकर सिर्फ 16 रह गई। यानी हादसे लगभग 89 प्रतिशत कम हो गए।

पश्चिम बंगाल में भरोसा पत्र बनाम इश्तेहार

डॉ. ओपी त्रिपाठी

जैसे जैसे पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान की तारीख नजदीक आ रही है। वैसे वैसे वहां का सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। बीजेपी और टीएमसी दोनों ही राजनीतिक दलों ने बंगाल की जनता को लुभाने के लिए अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। बीजेपी ने अपने घोषणापत्र का नाम 'भरोसा पत्र रखा है, जबकि टीएमसी ने अपने मेनिफेस्टो का नाम इश्तेहार रखा है। हालांकि, टीएमसी के घोषणापत्र का नाम इश्तेहार रखने के मुद्दे पर भी काफी सवाल उठे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक ने इसको निशाना बनाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 अप्रैल को पश्चिम बंगाल के जंगीपुर में एक विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल अब बदलाव के लिए तैयार है और बीजेपी का संकल्प पत्र सिर्फ चुनावी वादा नहीं, बल्कि टीएमसी के महाजंगलराज और सिंडिकेट राज के अंत का शंखनाद है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत बीजेपी के संकल्प पत्र से करते हुए कहा कि 4 मई के बाद बनने वाली बीजेपी की नई सरकार में विकास की 6 बड़ी गारंटियां लागू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि हमारा घोषणापत्र केवल चुनावी वादा नहीं है, बल्कि यह बंगाल के भविष्य का रोडमैप है। अब बंगाल में डर और भय का नहीं, बल्कि अवसरों का युग शुरू होगा। महिलाओं को लेकर उन्होंने कई अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार बनते ही महिलाओं के खाते में हर महीने 3000 रुपये ट्रांसफर किए जाएंगे और सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को सुरक्षा और आत्मनिर्भरता दोनों मिलेगी। युवाओं और शिक्षा पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में एम्स, आईआईटी और आईआईएम जैसे बड़े संस्थान स्थापित किए जाएंगे। इससे बंगाल के युवाओं को बेहतर शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि बहुत खेला हो चुका है। अब 4 मई के बाद ये भ्रष्टाचारी भागते नजर आएंगे। जनता का हक खाने वालों के लिए रेड कारपेट नहीं, बल्कि जेल के दरवाजे खुलेंगे। उन्होंने संदेशखाली और आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि बंगाल की जनता बलात्कारियों को बचाने वाली

सरकार को कभी माफ नहीं करेगी। पीएम मोदी ने बांग्ला भाषा में 'एई शब, चोलबे ना (यह सब अब नहीं चलेगा) का नारा देते हुए कहा कि जैसे बंगाल ने अंग्रेजों, कांग्रेस और लेफ्ट के अहंकार को तोड़ा था, वैसे ही अब टीएमसी का अहंकार चूर-चूर होगा। उन्होंने कहा कि टीएमसी अब लेफ्ट की 'कार्बन कॉपी' बन गई है। कट-कमीशन, जबरन वसूली और वोट के लिए हिंसा का दौर अब खत्म होने वाला है। सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा देते हुए प्रधानमंत्री ने ऐलान किया कि बंगाल में बीजेपी सरकार बनने पर 45 दिनों के भीतर सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि केंद्रीय कर्मचारियों की तरह बंगाल के कर्मी भी बढ़े हुए डीए और भविष्य में आठवें वेतन आयोग के हकदार होंगे।

भाषण के आखिर में उन्होंने पहचान और सुरक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में घुसपैठ और तुष्टिकरण की राजनीति हो रही है, जिससे जनसांख्यिकी और सांस्कृतिक पहचान प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की पहचान बचाने का है। घोषणापत्र के नाम चाहे कुछ भी हो लेकिन जनता को असल मतलब केवल वादों से हैं, जो इस घोषणापत्र में बीजेपी और टीएमसी ने किए हैं। अहम बात यह भी है कि बंगाल का इस बार का विधानसभा चुनाव मुख्य रूप से कल्याणकारी योजनाओं और 'अस्मिता' की लड़ाई बनता जा रहा है। चलिए दोनों ही राजनीति दलों के घोषणापत्र में किए गए अहम मुद्दों का तुलना करते हैं।

महिलाओं का वोट बंगाल में निर्णायक भूमिका निभाता है और इसे टीएमसी का कोर वोटर माना जाता है, जिसे लुभाने के लिए बीजेपी ने काफी कोशिश की है, जिसमें डीबीटी का दांव भी चला गया है।'ममता कार्ड की काट के रूप में बीजेपी ने मध्यम और गरीब वर्ग की महिलाओं को 3,000 रुपये प्रति माह देने का वादा किया है। साथ ही, राज्य पुलिस और सरकारी नौकरियों में 33 फीसदी आरक्षण की बात कही है।

ममता बनर्जी की लक्ष्मी भंडार योजना पहले से ही गेम चेंजर रही है। टीएमसी ने इस राशि को और बढ़ाने और इसे घर-घर तक पहुंचाने की अपनी प्रतिज्ञा को दोहराया है। बीजेपी ने यहां अपने कोर एजेंडे को बंगाल के स्थानीय मुद्दों से जोड़ा है। बीजेपी की ओर से गृह मंत्री अमित शाह ने वादा किया है कि सरकार बनने के 6 महीने के भीतर समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। साथ ही,'जीरो टॉलरेंस नीति के तहत घुसपैठ रोकने का आश्वासन दिया है। इतना ही नहीं, उन्होंने घुसपैठियों को वापस भेजने तक की बात कही है। तृणमूल कांग्रेस यूसीसी के मुद्दे पर मुखर विरोध में है और इसे संघीय ढांचे और सांस्कृतिक विविधता के खिलाफ बताती है। अहम बात यह है कि बंगाल के विधानसभा चुनाव के लिए जारी दोनों ही राजनीतिक दलों के घोषणापत्र में बड़ा मुद्दा है। बीजेपी ने बेरोजगार युवाओं को 3,000 रुपये मासिक भत्ता देने और सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता लाने का वादा किया है। साथ ही, सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर 7वां वेतन आयोग लागू करने का संकल्प लिया है। वहीं टीएमसी की 10 प्रतिज्ञाओं में युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के लिए आर्थिक सहायता और कौशल विकास पर जोर दिया गया है। बीजेपी ने केंद्र की आयुष्मान भारत योजना को बंगाल में पूरी तरह लागू करने का वादा किया गया है, जिसे वर्तमान सरकार ने रोक रखा था। टीएमसी ने 'दरवाजे पर स्वास्थ्य और मुफ्त इलाज की अपनी मौजूदा योजनाओं को और विस्तार देने की प्रतिज्ञा की है। बीजेपी ने पीएम किसान सम्मान निधि के 6,000 रुपये के अलावा राज्य की ओर से 3,000 रुपये अतिरिक्त देने का वादा किया गया है। टीएमसी ने किसानों को वित्तीय सहायता और सिंचाई की बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ 7 नए जिले बनाने की बात कही है ताकि प्रशासनिक पहुंच बढ़े। पश्चिम बंगाल लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष, हिंसा, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और विकास की धीमी रफ्तार जैसी चुनौतियों से जूझता रहा है। एक समय देश के सबसे समृद्ध और औद्योगिक राज्यों में गिने जाने वाला बंगाल आज निवेश, रोजगार, उद्योग और कानून-व्यवस्था के मामलों में पिछड़ता दिखाई देता है।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

घोंसलो के कलाकृति में एक तुरपन हँसी की आसुओं के दरमियाँ एक तस्सली तुम्हारी...!! ख्वाबों की बारादरी में तुम्हारी मद्धम हँसी के साथ बल खाता कानों का झुमका...!! गुम्फित अस्फुट वह उलझी तुरपन बिन ही लेती है कुछ उधड़े शिक़वे...! फ़ीकी रंगत लिए वह चोटी की रिब्बन अब गिरह नही बनने देती...!! गूँथना हो छोड़ दिया बालों को तभी तो बेतरतीब से उलझे रहते हैं पता है गिरह बनने लगी हैं अब वेदनाओं की नही काढ़ती उन्हें तभी तो घोंसले की कलाकृति में आढ़त की तरह कैद है स्मृतियाँ आँसुओं के दरमियाँ एक तस्सली तुम्हारी...!! – **सुरेखा अग्रवाल**

जहां पर बुलबुलें सय्याद के कांधे पे गाती हों चमन ऐसा ज़माने में सदा आबाद रहता है। कलम की हो इबादत औ तरन्नुम इश्क़ हो जिसका वही शाइर वही नग़मा यहाँ नौशाद रहता है। – **सतीश मैथिल तनुज**

मैं अपने जिस्म पर तेरी साँसों की, चादर ओढ़ना चाहता हूँ , मैं अपने आप को खो कर भी. तेरी चाहत में जीना चाहता हूँ , तू रूबरू हो या ना हो मेरे , मैं तुझसे बिछड़ कर भी , तेरे साथ होना चाहता हूँ , मैं तुझमे कुछ यू खोना चाहता हूँ , मैं तुझ संग कुछ यू होना चाहता हूँ।। – **नमन कुमार मिश्रा**

जीवन जीना भी एक कला ही तो है एक व्यक्ति जिसके पास कुछ न होते हुए भी खुश रहता है वहीं दूसरा सब कुछ होकर भी रोता क्यों है ? संतुष्टि और असंतुष्टि का भेद ही जीवन को अंधकार की ओर ले जाता है जहाँ प्रेम की भावना निकृष्ट लगने लगती है और एक मजदूर की तरह जीना आदत बन जाती है । आगे बाद में ......

वर्षा वार्ष्णेय

न कोई फसाद,न कोई दंगे न कोई फालतू टाइप के पंगे... छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा शांति न कोई खटपट,न कोई क्रांति मेरे शहर में कोई पहाड़ नहीं लेकिन... हर किसी के पहाड़ से ऊंचे विचार है मेरे शहर में नहीं हैं कोई झरना सीखा हमने एक दूसरे के लिए मर मिटना मेरे शहर में सागर नहीं... लेकिन... हर किसी का दिल सागर सा विशाल है मेरा दुर्ग शहर बेमिसाल है... मेरे शहर के प्यारे बहन भाई को समर्पित – **शत्रुंजय तिवारी**

दुश्वारियां बहुत है जमाने में बचकर चलना दोस्त तंग गलियों में कोई मोहब्बत नहीं करता इस जमाने में हालिया हकीकत कोई कहता नहीं मदहोश भंवरे भूल जाते हैं जब खुद को महुए के फूल बिक जाते हैं बाजार में महुआ जब सड कर रस बन जाता है महंगा हो जाता है बाजार में। – **लक्ष्मी नारायण लहरे**

जीवन में कभी-कभी ऐसा भी होता है जब हम अपने स्वभाव के बिल्कुल विपरीत चलते हैं। कभी समझौता के लिए तो कभी प्रेम, तो कभी रिश्ते के लिए। लेकिन बदले में क्या मिलता है.... बस फिर ?... फिर अपने स्वभाव के तीसरा रूप लेता है , जिसका नाम है 'बगावत'। हाँ जी 'बगावत' । ये भी स्वभाव के विपरीत ही होता है। क्या .....?

– **पूनम झा प्रथमा**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन वैसे तो आपके लिए वृद्धिकारक रहेगा धन लाभ आवश्यकता से अधिक ही होगा परन्तु आज आप अन्य लोगो से बराबरी करने के चक्कर मे स्वयं ही परेशान रहेंगे।

वृष: आज दिन के आरंभ में आप दिनचार्य को व्यवस्थित बनाने की योजना बनाएंगे लेकिन इसपर अमल नही करेंगे अपने काम की जगह अन्य के काम मे हस्तक्षेप करे बिना नही मानेंगे बिना मांगे सलाह देने से सम्मान कम हो सकता है।

मिथुन: आज के दिन आपके स्वभाव में भावुकता अधिक रहेगी लोग इसका नाजायज फायदा भी उठा सकते है। मध्यान से पहले आवश्यक कार्यो को पूरा कर लें।

कर्क: आपके लिये आज का दिन भी हानिकर रहेगा। आज आप मेहनत करने में कोई कसर नही छोड़ेंगे फिर भी धन संबंधित समस्या यथावत बनी रहेगी।

सिंह: आज का दिन आपके लिये लाभदायक रहेगा। आज लोग आपसे अंदर ही अंदर ईर्ष्या का भाव रखेंगे परन्तु स्वयं के स्वार्थ के कारण व्यवहारिकता बनाये रखेंगे।

कन्या: आज के दिन आपको प्रातः काल से ही कुछ ना कुछ गड़बड़ होने का अंदेशा रहेगा लेकिन ज्यादा परेशान ना हों आज का दिन आपको अधिकांश कार्यो में सफलता दिलाएगा।

तुला: आज के दिन आप अपने धार्मिक एवं परोपकारी स्वभाव का लाभ उठायेंगे। जन मानस में आपकी छवि भद्र इंसान के रूप में बनेगी लोग अपनी समस्याओं को सुलझाने के लिए आपसे परामर्श लेंगे।

वृश्चिक: आज के दिन कुछ ना कुछ कारण से भाग दौड़ लगी रहेगी। धन कमाने की लालसा आज कुछ ज्यादा ही रहेगी इसके लिए आप भूख प्यास की परवाह नही करेंगे।

धनु: आज का दिन आपको अवश्य कोई यादगार सौगात देकर जाएगा आज आपका स्वभाव शांत एवं मिलनसार रहेगा हर किसी से जल्द ही घुल-मिल जाएंगे परन्तु अन्य लोग इसको गलत नजरिये से भी देख सकते है।

मकर: आज के दिन आपका आत्मविश्वास तो बड़ा रहेगा परन्तु साथ मे आलस्य भी रहने से सोची हुई योजनाओ को सही दिशा नही दे सकेंगे।

कुंभ: आज के दिन आपको पूर्व मे की गई गलतियों से ग्लानि अनुभव होगी फिर भी आज इससे शिक्षा लेने की जगह लापरवाही दिखाएंगे। कार्य व्यवसाय से आज धन की अच्छी आमद हो जाएगी।

मीन: आज का दिन भी आपके लिये हताशा से भरा रहेगा। पूर्व में मिली असफलता के कारण आज किसी भी कार्य को करने में उत्साह नही दिखाएंगे।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) तंबाकू उद्योग में भारत का स्थान क्या है?

2) एशिया क्रिकेट कप 2025 किस देश ने जीता?

3) प्रयागराज में 2025 के महाकुंभ के प्रबंधन के लिए उत्तर प्रदेश में नव घोषित जिले का नाम क्या है?

4) खांगचेंगजोंगा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?

5) ऋशिकोंडा बीच, जो हाल ही में खबरों में था, किस राज्य में स्थित है?

उत्तरमाला- (1) दूसरा (2) [illegible] (3) महाकुंभ मेला (4) सिक्किम (5) आंध्र प्रदेश

पहेली

शब्द सामर्थ्य -016

लेमनग्रास-किसानों के लिए कम पानी में ज्यादा कमाई का बना उत्तम साधन

■ 'अब्दुल कलाम' किस्म बनी उम्मीद की नई किरण

रायपुर/नवप्रदेश। लेमनग्रास की खेती कम पानी, बंजर जमीन और न्यूनतम मेहनत में बंपर मुनाफा देने वाला एक बेहतरीन विकल्प है। इसे एक बार लगाने के बाद 5-6 साल तक कटाई की जा सकती है और इसके तेल की भारी मांग के कारण यह पारंपरिक फसलों की तुलना में 3-4 गुना ज्यादा कमाई देती है।

छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत कार्यरत छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड ने कम पानी वाले क्षेत्रों के किसानों के लिए एक नई पहल शुरू की है। वन मंत्री केदार कश्यप, बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम और उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने ऐसे किसानों की चिंता जताई है, जिन्हें पानी की कमी के कारण खेती में दिक्कतों और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

कम पानी में भी सफल खेती

यह फसल कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी आसानी से उगाई जा सकती है। इसके लिए बलुई दोमट मिट्टी और अच्छी जल निकासी उपयुक्त रहती है।

मुफ्त पौधे और प्रशिक्षण की सुविधा

बोर्ड के सीईओ जे.ए.सी.एस. राव ने जानकारी दी कि पानी की कमी वाले क्षेत्रों के किसानों के लिए लेमनग्रास की उन्नत "अब्दुल कलाम" किस्म के पौधे निशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही किसानों को इसकी खेती का प्रशिक्षण भी मुफ्त दिया जाएगा। यह फसल कम पानी और कम लागत में अच्छी आय देने वाली कैश क्रॉप साबित हो रही है।

वैज्ञानिकों द्वारा विकसित उन्नत किस्म

लेमनग्रास की ÷अब्दुल कलाम÷ किस्म (CPK-F2-38) को वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किया गया है। इसमें सिट्रल की मात्रा 75 से 80 प्रतिशत तक होती है, जो इसे उच्च गुणवत्ता वाला बनाती है। इस किस्म का उपयोग इत्र, फ्लेवर और सुगंध उद्योग में आवश्यक तेल निकालने के लिए किया जाता है।

जल संरक्षण और आय बढ़ाने में सहायक

लेमनग्रास की यह किस्म न केवल किसानों की आय बढ़ाने में मदद करती है, बल्कि जल संरक्षण और भूमि सुधार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पृथ्वी दिवस पर जागरूकता अभियान 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस के अवसर पर बोर्ड द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत कम पानी वाले क्षेत्रों के किसानों को इस फसल के फायदे बताए जाएंगे।

न्यूज गैलरी

छत्तीसगढ़ में नौकरी के साथ 'नेतागिरी' पर रोक

राज्य सरकार ने आचरण नियमों के पालन के लिए जारी किया कड़ा निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार ने सभी शासकीय सेवकों के लिए आचरण नियमों के सख्त पालन को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्पक्षता, ईमानदारी और निष्ठा के साथ करना अनिवार्य है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि कोई भी शासकीय सेवक किसी राजनीतिक दल या संगठन का सक्रिय सदस्य नहीं बन सकता और न ही किसी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाग ले सकता है। इसके अलावा, बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के किसी भी शासकीय या अशासकीय संस्था, समिति, संगठन या निकाय में कोई पद धारण करना भी प्रतिबंधित है। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि कोई भी कर्मचारी ऐसा कोई दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, जिससे उसके शासकीय कार्य प्रभावित हों। प्रशासन का मानना है कि इन नियमों का पालन सुनिश्चित करना सुशासन और प्रशासनिक पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे इन प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। यदि किसी भी स्तर पर नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित कर्मचारी के खिलाफ छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 और छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के तहत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकार के इस कदम को प्रशासनिक अनुशासन और निष्पक्षता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मिशन उत्कर्ष 2.0 से मजबूत होगी पढ़ाई की नींव

रायपुर में शिक्षकों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न, नवाचार और ब्लूप्रिंट आधारित शिक्षण पर जोर

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप विद्यार्थियों की शिक्षा गुणवत्ता में सुधार एवं बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित मिशन उत्कर्ष 2.0 (सत्र 2026-27) के अंतर्गत कक्षा दसवीं के शिक्षकों का पांच दिवसीय विषयवार प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में 16 से 21 अप्रैल तक जे.आर. दानी शासकीय विद्यालय, रायपुर में आयोजित इस प्रशिक्षण में विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी एवं संस्कृत विषय के शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रशिक्षण के दौरान ब्लूप्रिंट आधारित शिक्षण, प्रश्नपत्र निर्माण, जटिल विषयों को सरल बनाने की तकनीक तथा कमजोर विद्यार्थियों को मुख्यधारा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। विभिन्न विषयों में विशेषज्ञों द्वारा व्यवहारिक एवं नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों की जानकारी दी गई, जिससे शिक्षण अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख बन सके। सामाजिक विज्ञान विषय में ब्लूप्रिंट के छह डोमेन, कठिन अध्यायों की पहचान, प्रश्नपत्र निर्माण एवं विद्यार्थियों को सरल तरीकों से समझाने की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। हिंदी विषय में पाठ्यक्रम को सरल बनाकर व्याकरण एवं पाठ की प्रभावी प्रस्तुति, रटने के बजाय समझ आधारित अधिगम तथा उच्च अंक प्राप्त करने की रणनीतियों पर बल दिया गया। गणित प्रशिक्षण में ब्लूप्रिंट की गहन समझ, विभिन्न अंक श्रेणियों के प्रश्नों का अभ्यास, मॉडल प्रश्नपत्र निर्माण एवं त्रिकोणमिति जैसे जटिल विषयों को सरल बनाने पर कार्य किया गया। संस्कृत विषय में व्याकरण, श्लोक, गद्य-पाठन, लेखन कौशल एवं गतिविधि आधारित शिक्षण विधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में रुचि विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। विज्ञान विषय में भौतिकी, रसायन एवं जीवविज्ञान की कठिन अवधारणाओं को गतिविधि, खेल, नाट्य प्रस्तुति, पीपीटी एवं ऑडियो-विजुअल माध्यमों से सरल बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही ब्लूम टैक्सोनॉमी के आधार पर प्रश्न निर्माण एवं कौशल विकास पर चर्चा की गई।

बिंजाम एनीकट के कार्यों के लिए 4.95 करोड़ स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा दंतेवाड़ा जिले के विकासखण्ड-गीदम के बिंजाम एनीकट के अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम बचाव कार्य के लिए 4 करोड़ 95 लाख 12 रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के तहत बांयी तट में 275 मीटर एवं दांयी तट में 275 मीटर कुल 550 मीटर में तटरक्षण कार्य किया जाना है। योजना के कार्य पूर्ण कराने मुख्य अभियंता गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग जगदलपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

सरकार बताये उर्वरकों की उपलब्धता की सच्चाई क्या है?

रायपुर/नवप्रदेश। कृषि मंत्री रामविचार नेताम दावा कर रहे कि प्रदेश में खाद का पर्याप्त स्टॉक है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह देश में 50 प्रतिशत उर्वरकों की कमी बता रहे। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि समाचार माध्यमों में जो खबरें आ रही उसके अनुसार प्रदेश में अभी तक आवश्यकता का मात्र तीस फीसदी उर्वरक ही उपलब्ध है। सरकार बताये कि सच्चाई क्या है तथा प्रदेश में वर्तमान में कितनी उर्वरक की उपलब्धता है? प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खरीफ की फसल राज्य के किसानों का जीवन आधार है। यदि खरीफ की फसल के लिए सरकार किसानों को उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं करवा पाती है तो यह राज्य के किसानों के लिए परेशानी का कारण बनेगा, उनकी फसल भी प्रभावित होगी तथा उन्हें अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए खुले बाजार और ब्लेक मार्केट से उर्वरक खरीदने को मजबूर होना पड़ेगा।

हरा सोना संग्राहकों की आय बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम

तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य में जुड़े 13 लाख से अधिक तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवार

■ लगभग 920 करोड़ रुपए का होगा संभावित भुगतान

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ और अन्य वन क्षेत्रों में तेंदूपत्ता को हरा सोना कहा जाता है, जो आदिवासियों और वनवासियों की आजीविका का मुख्य साधन है। हाल के नीतिगत बदलावों और सरकारी पहलों के कारण इन संग्राहकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस कार्य से प्रदेश के 13 लाख से अधिक संग्राहक परिवार जुड़े हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों को लगभग 920 करोड़ रुपये का भुगतान होने का अनुमान है।

11 लाख मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण होने की संभावना

बस्तर संभाग के 10 जिला यूनियनों की 216 समितियों में करीब 4 लाख मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। वहीं अन्य 21 यूनियनों की 868 समितियों में लगभग 11 लाख मानक बोरा संग्रहण होने की संभावना है। इस कार्य से प्रदेश के 13 लाख से अधिक संग्राहक परिवार जुड़े हैं। बस्तर संभाग में वर्ष 2025 के 3.90 लाख परिवारों की तुलना में इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 4.04 लाख हो गई है। इस साल अब तक 14 हजार 57 नए परिवार इस कार्य से जुड़े हैं।

हरा सोना संग्राहकों की आय बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार राज्य शासन द्वारा लघु वनोपज संग्राहकों, विशेषकर आदिवासी समुदाय की आय बढ़ाने के उद्देश्य से तेन्दूपत्ता संग्रहण दर में महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है। वर्ष 2024 से प्रति मानक बोरा की दर 4 हजार रुपए से बढ़ाकर 5 हजार 500 रुपए कर दी गई है, जिसका सीधा लाभ लाखों ग्रामीण परिवारों को मिलेगा। वर्ष 2026 में राज्य के 31 जिला वनोपज सहकारी यूनियनों के अंतर्गत 902 प्राथमिक समितियों में तेन्दूपत्ता संग्रहण कार्य प्रस्तावित है। इस वर्ष लगभग 15 लाख से अधिक मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का अनुमान है। एक मानक बोरे में 1000 गड्डियां होती हैं और प्रत्येक गड्डी में 50 पत्ते शामिल रहते हैं।

सुगम संचालन और पारदर्शी भुगतान

संग्रहण कार्य को सुचारू बनाने के लिए संग्राहक कार्ड, बोरा, सुतली, गोदाम और परिवहन जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही तेन्दूपत्ता के भंडारण का बीमा भी कराया जा रहा है। संग्राहकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर प्रणाली लागू की गई है, जिसके माध्यम से राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के जरिए भेजी जाएगी।

9 माह के शिशु की 45 दिन इलाज के बाद बची जान

रायपुर/हैदराबाद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी 9 माह के एक गंभीर रूप से बीमार शिशु को एयरलिफ्ट कर हैदराबाद लाया गया, जहां किम्स कडल्स कोंडापुर में करीब 45 दिन तक चले गहन इलाज के बाद उसकी जान बचाई गई। किम्स कडल्स, कोंडापुर के पीडियाट्रिक्स के क्लिनिकल डायरेक्टर एवं पीआईसीयू प्रमुख डॉ. पराग डेकाटे के अनुसार, शिशु को शुरुआत में सर्दी-खांसी के लक्षणों के साथ स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन एक सप्ताह के भीतर उसकी स्थिति तेजी से बिगड़ गई। वेंटिलेटर पर रखने के बावजूद ऑक्सीजन स्तर लगातार गिरता गया और स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई। जांच में शिशु को एडेनोवायरल निमोनिया का गंभीर संक्रमण पाया गया, जिससे फेफड़ों में गंभीर समस्या और श्वसन विफलता हो गई। स्थिति नाजुक होने पर किम्स कडल्स, कोंडापुर की पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर ट्रांसपोर्ट टीम रायपुर पहुंची। वहां शिशु को वेंटिलेटर पर स्थिर करने के बाद सुरक्षित रूप से हैदराबाद एयरलिफ्ट किया गया। हैदराबाद पहुंचने पर पीआईसीयू में डॉक्टरों ने शिशु में एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम और न्यूमोथोरैक्स (फेफड़ों के आसपास हवा भरना) की गंभीर स्थिति पाई। इसके बाद हाई-फ्रीक्वेंसी ऑस्सिलेटरी वेंटिलेशन और इनहेल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड जैसे उन्नत उपचार दिए गए, लेकिन अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।

राज्यपाल डेका से नो प्लास्टिक कैंपेन की ब्रांड एंबेसडर आप्टे ने की मुलाकात

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोकभवन में नो प्लास्टिक अभियान की ब्रांड एंबेसडर शुभांगी आप्टे ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने रायपुर नगर निगम क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियानों और जनजागरूकता गतिविधियों की जानकारी दी। आप्टे ने बताया कि अब तक वे स्कूलों, बैंकों, बाजारों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर 55 हजार से अधिक कपड़े की थैलियों का वितरण कर चुकी हैं, ताकि लोगों को प्लास्टिक उपयोग से दूर किया जा सके। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि दिव्यांगजनों के लिए ब्रेल लिपि में 6 पुस्तकों का प्रकाशन कराया गया है। साथ ही शासकीय अस्पतालों में जरूरतमंद माताओं और नवजात शिशुओं के लिए जच्चा-बच्चा किट भी उपलब्ध कराई जा रही है। राज्यपाल ने उनके सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। ज्ञातव्य है कि आप्टे नगर निगम के स्वच्छता अभियान की ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

वनाधिकार पट्टा और पीएम आवास से मुरिया परिवार को मिला नया जीवन

■ मुरिया परिवार की बदली जिंदगी

रायपुर/नवप्रदेश। मुरिया परिवार की बदली जिंदगीछत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में वनाधिकार पट्टा और प्रधानमंत्री आवास योजना ने एक मुरिया आदिवासी परिवार के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। ग्राम बेदरे के निवासी बोगाम भीमा के परिवार को शासन की इन दोहरी कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिला है, जिससे उन्हें आत्मनिर्भरता, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन मिला है। छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का असर अब दूरस्थ और पहले नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी साफ दिखाई दे रहा है। सुकमा जिले के ग्राम पंचायत सिलगेर के आश्रित गांव बेदरे में रहने वाले मुरिया जनजाति के बोगाम भीमा का परिवार इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण है। पहले जिन परिस्थितियों में यह परिवार जीवन जी रहा था, वहां न तो स्थायी जमीन का अधिकार था और न ही सुरक्षित घर। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। राज्य सरकार द्वारा बोगाम भीमा को 1.315 हेक्टेयर वनभूमि का वनाधिकार पट्टा मिला है। जिस जमीन पर वे वर्षों से खेती कर रहे थे, अब वह कानूनी रूप से उनकी हो गई है। इससे उनके जीवन में स्थिरता आई है और वे अब निश्चिंत होकर धान की खेती कर पा रहे हैं। यह पट्टा उनके लिए सिर्फ जमीन नहीं, बल्कि सम्मान और अधिकार का प्रतीक बन गया है। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनकी पत्नी के नाम पक्का मकान स्वीकृत हुआ। पहले जहां परिवार कच्चे घर में मौसम की मार झेलता था, अब वे सुरक्षित और मजबूत घर में रह रहे हैं।

जल्द शुरू होगा नेचुरल गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट, निगम ने दिए सख्त निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में जल्द ही नेचुरल गैस पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू होने जा रहा है। इस परियोजना के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय ने हरियाणा सिटी गैस कंपनी को अधिकृत किया है। फिलहाल यह योजना प्रारंभिक चरण में है और कार्य शुरू करने से पहले संबंधित एजेंसी को नगर निगम से अनिवार्य रूप से एनओसी लेना होगा, साथ ही निर्धारित शुल्क भी जमा करना होगा। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने इस संबंध में गांधी सदन सभागार में बैठक आयोजित कर एजेंसी के प्रतिनिधियों और सभी जोन कमिश्नरों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पाइपलाइन बिछाने का कार्य संबंधित जोनों के जल विभाग और नगर निवेश विभाग के अधिकारियों के समन्वय से किया जाए। आयुक्त ने विशेष रूप से कहा कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान शहर की पेयजल लाइनों को किसी भी स्थिति में नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

मंत्री राजवाड़े के प्रयासों से सूरजपुर के दर्जनों टोलों के विद्युतीकरण को मंजूरी

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दूरस्थ क्षेत्रों के समग्र विकास को नई गति मिल रही है। इसी क्रम में राज्य की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से सूरजपुर जिले के वनांचल क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने की दिशा में बड़ी पहल साकार हुई है। भटगांव विधानसभा क्षेत्र के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के दर्जनों गांवों और आश्रित टोलों के विद्युतीकरण के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा तकनीकी स्वीकृति प्रदान करते हुए कार्य आदेश जारी कर दिए गए हैं। मंत्री राजवाड़े की पहल पर कोल्हुआ, महुली, करोटी, चोंगा सहित कई ग्राम पंचायतों के विभिन्न टोलों में विद्युतीकरण कार्य स्वीकृत हुआ है। इसके अंतर्गत स्कूलपारा, हरिजनपारा, पांडोपारा, खासपारा, पहाड़पारा, मधवानीपारा, आमपारा और श्यामपारा जैसे क्षेत्रों में पहली बार नियमित विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।इसके साथ ही कछवारी, खैरा, नवडीहा और कछिया जैसे अन्य क्षेत्रों को भी इस योजना में शामिल किया गया है। जिससे व्यापक स्तर पर ग्रामीण आबादी लाभान्वित होगी। CSPDCL द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी कार्यों को प्रारंभ होने के तीन माह के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सूरजपुर के कार्यपालन अभियंता को सौंपी गई है, ताकि समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित हो सके। वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की यह लंबे समय से प्रमुख मांग रही है। मंत्री राजवाड़े ने इस विषय को प्राथमिकता में रखते हुए लगातार विभागीय स्तर पर समन्वय किया, जिसके परिणामस्वरूप करोड़ों रुपये की लागत से 28 से अधिक विद्युतीकरण कार्यों को मंजूरी मिली। इस पहल से न केवल घरों में उजाला होगा, बल्कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और स्थानीय रोजगार एवं छोटे व्यवसायों को भी नई गति मिलेगी।

वर्मी कंपोस्ट को एक ब्रांड के रूप में बाजार में लाने की तैयारी

जैविक खेती के साथ वर्मी कंपोस्ट से बढ़ रहा फसलों का उत्पादन

रायपुर/नवप्रदेश। वर्मी कंपोस्ट उत्पादन ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों, विशेषकर महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण की एक बेहतरीन मिसाल बन गया है। यह कम लागत वाला व्यवसाय न केवल जैविक खेती को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करके मिट्टी की उर्वरता को भी पुनर्स्थापित कर रहा है।

वर्मी कंपोस्ट उत्पादन बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के कवर्धा परियोजना मंडल ने नवाचार और बेहतर प्रबंधन से एक नई सफलता की कहानी लिखी है। यहां गुडली रोपणी में वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन शुरू कर न केवल अपनी जरूरतें पूरी की जा रही हैं, बल्कि अब यह मंडल आय अर्जित करने की दिशा में भी आगे बढ़ चुका है।

प्रेरणादायक मॉडल

कवर्धा परियोजना मंडल की यह पहल अन्य परियोजना मंडलों के लिए भी प्रेरणा बन रही है। यह उदाहरण दर्शाता है कि सरकारी विभाग भी नवाचार और बेहतर प्रबंधन से आत्मनिर्भर और लाभकारी बन सकते हैं। वर्मी कंपोस्ट उत्पादन की यह पहल न केवल वन विभाग की सफलता है, बल्कि यह जैविक खेती को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

कम संसाधनों में बड़ी उपलब्धि

गुडली रोपणी में बिना अतिरिक्त बजट लिए उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर वर्मी कंपोस्ट उत्पादन शुरू किया गया। यहां 6 वर्मी टैंकों के माध्यम से केवल 3 माह में 150 क्विंटल खाद तैयार की गई। इस आधार पर सालभर में लगभग 600 क्विंटल उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। यह पहल यह साबित करती है कि सही योजना और प्रबंधन से सीमित संसाधनों में भी बड़े परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

खरीदार से बने विक्रेता

पहले कवर्धा परियोजना मंडल को अपनी नर्सरी के लिए बाहर से खाद खरीदनी पड़ती थी, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। अपनी जरूरतें पूरी करने के बाद भी यहां 500 क्विंटल से अधिक वर्मी कंपोस्ट अतिरिक्त रूप से उपलब्ध है, जिसे अन्य परियोजना मंडलों को बेचा जाएगा। इससे परिवहन और खरीद लागत में बचत होगी और निगम की आय भी बढ़ेगी।

स्थानीय लोगों को मिला रोजगार

इस परियोजना का लाभ केवल विभाग तक सीमित नहीं है। खाद निर्माण कार्य में स्थानीय ग्रामीणों को जोड़ा गया है, जिससे उन्हें गांव के पास ही रोजगार मिल रहा है और उनकी आय में भी वृद्धि हो रही है। वन विकास निगम अब इस वर्मी कंपोस्ट को एक ब्रांड के रूप में बाजार में लाने की तैयारी कर रहा है। भविष्य में इसकी पैकेजिंग और ब्रांडिंग से न केवल आय बढ़ेगी।

कोटपाड़ में थिरके कदम, मानसिक स्वास्थ्य का दिया संदेश: युवोदय स्वयंसेवकों की अनूठी पहल

फरसगांव/नवप्रदेश। मन चंगा तो कठौती में गंगा–इसी कहावत को चरितार्थ करने और ग्रामीणों को मानसिक सेहत के प्रति जागरूक करने के लिए विकासखंड फरसगांव के ग्राम कोटपाड़ में एक शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन, यूनिसेफ और एग्रिकोन के संयुक्त तत्वावधान में 'युवोदय कोंडनार' के स्वयंसेवकों ने नृत्य और संवाद के जरिए ग्रामीणों को मानसिक स्वास्थ्य का महत्व समझाया।

नृत्य के माध्यम से यह संदेश प्रभावी ढंग से प्रसारित किया गया कि मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए इन चार स्तंभों का होना आवश्यक है:

खुलकर संवाद: अपनी परेशानियों को अपनों से साझा करें।

संतुलित आहार: तन स्वस्थ रहेगा, तभी मन स्वस्थ रहेगा।

पर्याप्त नींद: मस्तिष्क को आराम देना ऊर्जा के लिए जरूरी है।

पसंदीदा शौक: खेल, नृत्य या संगीत जैसी गतिविधियों में समय बिताएं।

प्रशासन और समाज का मिला साझा सहयोग: कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और विशेषज्ञों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सरपंच पति रामप्रसाद पोयाम और हाई स्कूल के प्राचार्य सुरेश ठाकुर ने युवोदय की इस पहल की सराहना की। महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक गूंजा ध्रुव सहित शिक्षकों ने भी मानसिक तनाव के लक्षणों को पहचानने के तरीके साझा किए।

नृत्य से टूटी चुप्पी, खुलकर बात करने पर दिया जोर

अक्सर ग्रामीण अंचलों में मानसिक स्वास्थ्य पर बात करना वर्जित माना जाता है, लेकिन इस भ्रांति को दूर करने के लिए गांव की युवतियों और युवोदय स्वयंसेवकों–सरस्वती, गोमती, रेशमा और परमेश्वरी ने अपनी कला का सहारा लिया। उन्होंने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति देकर बताया कि खुश रहना और तनाव मुक्त रहना शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है।

उत्साहजनक रही ग्रामीणों की सहभागिता: कार्यक्रम को सफल बनाने में युवोदय की मनीषा पोयाम, पूजा पटेल और चंद्रमणि माली का विशेष योगदान रहा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामीणों ने न केवल कार्यक्रम देखा, बल्कि चर्चाओं में भाग लेकर अपनी जिज्ञासाएं भी शांत कीं। कोटपाड़ की गलियों में गूंजे ये संदेश निश्चित रूप से एक स्वस्थ और जागरूक समाज की नींव रखेंगे।

> मानसिक स्वास्थ्य कोई बीमारी नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक नजरिया है। यदि हम जागरूक रहें, तो समाज से अवसाद और तनाव को दूर किया जा सकता है।
>
> **कमल किशोर पांडे,**
> विकासखंड समन्वयक (युवोदय)

न्यूज गैलरी

महिला आक्रोश रैली मे शामिल हुई भाजपा मोर्चा की महिलाएं

अंतागढ़/नवप्रदेश। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध को लेकर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने सोमवार को राजधानी रायपुर में कांग्रेस और विपक्षी दलों के खिलाफ प्रदेश स्तरीय महिला आक्रोश रैली का आयोजन कर जन आक्रोश पदयात्रा निकालते हुए पुतला दहन किया। जनआक्रोश यात्रा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, डिप्टी सीएम अरुण साव, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद रूपकुमारी चौधरी, कमलेश जांगड़े और लक्ष्मी वर्मा समेत जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और पूरे प्रदेश भर से हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि यह महिलाओं का आक्रोश है और इंडी महागठबंधन महिला विरोधी है। उक्त जन आक्रोश कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा मंडल अंतागढ़ से मोर्चा की महिलाएं भी शामिल हुई। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल के गिरने को भाजपा महिला मोर्चा ने बेहद निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। कांग्रेस द्वारा महिलाओं के अधिकारों में बाधा डालने वाली साजिश बताया है। भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष चंद्रकला कौशल ने इस पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि विपक्ष का संसद में इस बिल के खिलाफ मतदान करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है साथ ही इसे महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ कदम बताया.

ज़िला पंचायत सदस्य मृदुला के प्रयासों से पहाड़ी में बसे मर्रापी को मिला पानी टैंकर

कांकेर/नवप्रदेश। कांकेर ब्लॉक के दूरस्थ अंचल जहां पहाड़ियों में बसा पंचायत मर्दापोटी का आश्रित हो ग्राम मर्रापी में गांव की बहूप्रतीक्षित मांग को देखते हुए जिला पंचायत सदस्य सुश्री मृदुला भास्कर द्वारा पानी टैंकर उपलब्ध कराया गया। ग्राम इरादाह से जुड़ा हुआ मर्रापी क्षेत्र जो की एक दुर्गम पहाड़ियों से घिरा हुआ क्षेत्र है जिसकी आबादी लगभग 250 से वहां बरसों से पानी टैंकर की मांग थी शादी व अन्य सामाजिक कार्य में पानी की उपलब्धता न होने के कारण बहुत कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था। पानी की समस्या को देखते हुए जिला पंचायत सदस्य द्वारा 15 वें वित्त के द्वारा पानी टैंकर उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर राजीव गांधी पंचायती राज मिशन छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष महेंद्र नेताम जी की उपस्थिति में संविधान के प्रस्तावना का पाठ कराया गया इस कार्यक्रम पर ग्राम सरपंच राजेश भास्कर जी, ग्राम उप सरपंच, पंच गण तथा ग्रामीण मौजूद रहे पानी टैंकर मिलने से गांव में अब खुशी की लहर है तथा उन्होंने इसके रखरखाव की जिम्मेदारी लेते हुए जिला सदस्य का धन्यवाद ज्ञापित किया गया है।

महिला आरक्षण नहीं बीजेपी बचाव बिल खत्म हुआ शिव पोटाई

अंतागढ़/नवप्रदेश। देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक मंशाओं पर पानी फिर गया है। महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय पर भाजपा सरकार की नीयत एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। आम आदमी पार्टी के जिला महासचिव शिव पोटाई ने कड़े शब्दों में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा द्वारा लाया गया तथाकथित ÷महिला आरक्षण बिल÷ वास्तव में महिलाओं को अधिकार देने के बजाय राजनीतिक लाभ साधने का एक माध्यम मात्र था, जिसे विपक्ष की एकजुटता ने विफल कर दिया। शिव पोटाई ने कहा कि वर्ष 2023 में पारित 33त्न महिला आरक्षण को लागू करने के नाम पर भाजपा सरकार लगातार परिसीमन (डिलिमिटेशन) का बहाना बनाकर इसे टालती रही। यह स्पष्ट करता है कि सरकार की नीयत महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार देने की नहीं, बल्कि चुनावी लाभ उठाने की रही है। उन्होंने कहा कि 12 वर्षों में यह पहला अवसर है जब मोदी सरकार को संसद में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है, जो यह दर्शाता है कि अब देश की जनता और विपक्ष भाजपा की चालों को समझ चुका है। पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता करण सिंह उइके ने भी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यह पूरी प्रक्रिया एक सुनियोजित राजनीतिक चाल थी, जिसके माध्यम से भाजपा जनता का ध्यान भटकाकर अपने हित साधना चाहती थी। लेकिन विपक्ष की सतर्कता और मजबूती ने इस चाल को नाकाम कर दिया।

शहर में संचालित विकास कार्यों का विधायक एवं कलेक्टर ने किया निरीक्षण

कांकेर/नवप्रदेश। जिला मुख्यालय कांकेर में संचालित विभिन्न विकास कार्यों का विधायक आशाराम नेताम और कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ और नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरूण कौशिक के साथ औचक निरीक्षण कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कांकेर के अलबेलापारा तालाब का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। जिसके तहत तालाब में रिटर्निंग वॉल स्लोप रिपेयरिंग पाथवे रेलिंग टोवॉल सहित सीसी रोड का निर्माण किया जाएगा। इस संबंध में उनके द्वारा संबंधित ठेकेदार को सभी कार्यों को तेजी से करने के लिए निर्देशित किया गया। तालाब मेड़ के नीचे से 300 मीटर सड़क निर्माण करने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान संबंधित वार्ड पार्षद श्रीमती उगेश्वरी उईके भी मौजूद थीं। विधायक नेताम एवं कलेक्टर ने घड़ी चौक का भी निरीक्षण किया, यहां पर सौंदर्यीकरण के साथ चौपाटी भी बनाया जाएगा।

रावघाट परियोजना में बीएसपी प्रबंधन की वादाखिलाफी से नाराज़गी

खनन कार्य अनिश्चितकाल के लिए बंद

अंतागढ़/कांकेर/नवप्रदेश। रावघाट खनन परियोजना में बीएसपी (भिलाई स्टील प्लांट) प्रबंधन की कथित वादाखिलाफी को लेकर क्षेत्रीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। श्रमिक संघ, विभिन्न जनसमितियों और परिवहन संघों ने एकजुट होकर खनन कार्य को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि खनन कार्य शुरू करने से पहले आयोजित जनसुनवाई में बीएसपी प्रबंधन द्वारा कई महत्वपूर्ण वादे किए गए थे, जिनमें स्थानीय विकास, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार शामिल था। हालांकि, अब इन वादों पर अमल नहीं हो रहा है। विशेष रूप से डीएमएफ (जिला खनिज न्यास) मद में राशि के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि ÷इको डेवलपमेंट÷ के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्य नजर नहीं आ रहा है।

मामले को लेकर पूर्व में कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग द्वारा भी भौतिक निरीक्षण किया गया था। इस दौरान उनके साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। निरीक्षण में कई अनियमितताएं सामने आने के बावजूद अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराज़गी और बढ़ गई है।

वहीं परिवहन संघ से जुड़े समिति के लोगों का कहना है कि बीएसपी ने उन्हें वादा किया था कि बेहतर भाड़ा मिलेगा और और आजीविका का श्रोत बनेगा , बीएसपी प्रबंधन के कहने पर उन्होंने जमीन और गहने गिरवी रखकर हाइवा फाइनेंस कराया पर अब बीएसपी ने जिस दर से ट्रांसपोर्टिंग का काम दिया है उससे उनके सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है,ग्रामीणों का कहना है ऐसे में हमारे सामने आर पार की लड़ाई के अलावा कुछ नहीं बचा है, बीएसपी प्रबंधन पुराने दर से लौह परिवहन कराएगा या वो हमारे क्षेत्र से एक टुकड़ा लोहा का ले जा नहीं सकेगा ।

वर्तमान स्थिति में सभी स्थानीय संगठन और संघ एक मंच पर आ गए हैं और आंदोलन को तेज कर दिया है। खनन कार्य बंद होने से परियोजना पर भी असर पड़ना तय माना जा रहा है। अब बड़ा सवाल यह है कि बीएसपी प्रबंधन कब तक अपने वादों को पूरा करता है और क्या क्षेत्र में खनन कार्य फिर से शुरू हो पाएगा। स्थानीय लोगों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

भाजपा नेता के अवैध अतिक्रमण का अल्टीमेटम खत्म

कांकेर/नवप्रदेश। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष के नेतृत्व में गुरुवार को भाजपा नेता के अवैध अतिक्रमण को लेकर दस दिनों का कांग्रेस का अल्टीमेटम खत्म होने एवं ग्रामीण /शहर में हो रहे अघोषित बिजली कटौती तथा लो वोल्टेज की समस्या को लेकर बिजली ऑफिस का घेराव 23 अप्रैल 2026 दिन गुरुवार, समय सुबह 11:00 बजे, स्थान घड़ी चौंक में किया जाएगा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लोमेंद्र यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि कांकेर शहर में भाजपा नेता के द्वारा की जा रही अवैध अतिक्रमण के संबंध में प्रशासन को कांग्रेस के द्वारा 10 दिनों की अल्टीमेटम देने के बाद भी भाजपा नेता एवं अन्य के द्वारा शासन के संरक्षण में अतिक्रमण की जारी हैं जिसे लेकर घड़ी चौंक कांकेर में प्रदर्शन किया जाना हैं।

कोड़े मेले में चलाया महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण जागरुकता अभियान

■ **जागरूकता अभियान से गांव में महिलाओं सशक्तिकरण को मिलेगी मजूबती : एसपी**

कांकेर/नवप्रदेश। महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु थाना दुर्गूकोंदल के ग्राम कोंडे वार्षिक मेला में महिला रक्षा टीम द्वारा चलाया गया जागरूकता अभियान चलाया जाए रहा है।नुक्कड़ नाटक, अभिव्यक्ति एप और सेल्फडिफेंस डेमो से ग्रामीणों व महिलाओं एवं बच्चों को जागरूक किया गया।शिकायत पेटी एवं हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराया जा रहा है।उत्तर बस्तर कांकेर पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम ÷मोर मितान÷ के तहत लगातार जनसंवाद एवं जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में महिला रक्षा टीम द्वारा थाना दुर्गूकोंदल क्षेत्र के ग्राम कोंडे में आयोजित दो दिवसीय मेले में पहुंचकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को शराब सेवन से परिवार एवं समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव, यातायात नियमों के उल्लंघन से होने वाली जान-माल की हानि घरेलू हिंसा मानव तस्करी साइबर अपराध तथा महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही इन अपराधों से बचाव के उपाय एवं सावधानियों के बारे में भी बताया गया। इसके साथ ही महिलाओं एवं बच्चों को गुड टच-बैड टच, बाल विवाह, पॉक्सो एक्ट, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग तथा आत्मरक्षा के उपायों के संबंध के बारे में सेल्फडिफेंस का डेमो भी दिखाया गया।

कांकेर पुलिस की अपील

कांकेर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करें, नशे से दूर रहें तथा यातायात नियमों का पालन करें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या शिकायत हेतु पुलिस हेल्पलाइन नंबर 9479155125 एवं महिला हेल्पलाइन नंबर 9479155925 पर कॉल या व्हाट्सएप कर सकते हैं।

विधायक ने किया अतिरिक्त कक्षों का किया भूमिपूजन

फरसगांव/नवप्रदेश। क्षेत्र के शैक्षणिक विकास और विद्यार्थियों की सुविधाओं को विस्तार देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने ग्राम पंचायत लंजोड़ा में महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी। सोमवार को आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में विधायक टेकाम ने आदिम जाति विकास विभाग के अंतर्गत प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास एवं प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास लंजोड़ा में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का विधि-विधान से भूमिपूजन किया।

छात्रों को मिलेगा बेहतर शैक्षणिक माहौल: इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि शिक्षा ही समाज के उत्थान का एकमात्र मार्ग है। उन्होंने कहा कि ÷क्षेत्र के हमारे आदिवासी बच्चों को पढ़ाई के दौरान आवासीय सुविधाओं की कमी न हो, इसके लिए हम प्रतिबद्ध हैं। छात्रावासों में इन अतिरिक्त कक्षों के बन जाने से विद्यार्थियों को रहने और पढ़ने के लिए अधिक स्थान मिलेगा, जिससे उनके शैक्षणिक स्तर में सुधार होगा।÷

लाखों की लागत से संवरेगी छात्रावास की सूरत

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालक एवं कन्या दोनों छात्रावासों में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के लिए 19.3984 लाख रुपये (प्रत्येक) की राशि स्वीकृत की गई है। इस निर्माण कार्य से छात्रावास की क्षमता बढ़ेगी और दूर-दराज के गांवों से आने वाले छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति

भूमिपूजन कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत लंजोड़ा के सरपंच सुनील नेताम ने की। इस दौरान विशिष्ट अतिथियों के रूप में क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि जिनमें मानकुराम नेताम अध्यक्ष, जनपद पंचायत फरसगांव, प्रशांत पात्र अध्यक्ष, नगर पंचायत फरसगांव, धनराज पाण्डे मंडल अध्यक्ष फरसगांव, विजय मरकाम जनपद सदस्य, सुखराम नेताम उपसरपंच, जयलाल नेताम, श्रीमती श्यामा नेताम, चन्दन सिंह ठाकुर ग्राम पटेल एवं अधिकारि उपस्थित थे।

कलेक्टर बोले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को हर सुविधा देना प्रशासन की प्राथमिकता

कांकेर/नवप्रदेश। उत्तर बस्तर कांकेर जिले में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाल बन रही ÷हमर लक्ष्य योजना÷ के अंतर्गत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं जेईई एवं नीट की तैयारी के लिए निःशुल्क आवासीय कोचिंग उपलब्ध कराई जा रही है। जिले के विद्यार्थियों को बेहतर अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित इस महत्वाकांक्षी योजना का मंगलवार को कलेक्टर एवं विधायक आशाराम नेताम ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं विधायक ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई, तैयारी और सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों से भी चर्चा कर अध्ययन व्यवस्था, पाठ्यक्रम संचालन और विद्यार्थियों की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिले में यह निःशुल्क कोचिंग दो प्रमुख स्थानों पर संचालित की जा रही है। पहला केंद्र विकासखंड कांकेर अंतर्गत शहीद रामकुमार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में संचालित है, जहां नीट के 148 तथा जेईई के 42 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इस प्रकार यहां कुल 190 विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इन विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु 6 अनुभवी एवं उत्कृष्ट शिक्षक नियुक्त किए गए हैं।

स्वच्छता अभियान : सरपंच रहते कोदागांव को विभिन्न पुरस्कार दिलाकर विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किया

ग्राम पंचायत कोदागांव निभा रहा रचनात्मक कार्यों में अहम भूमिका

कांकेर/नवप्रदेश। कांकेर ब्लॉक के छोटे से गांव से सरपंच बनकर जनसेवा का ऐसा जुनून के साथ दो बार सरपंच बनकर कोदागांव को देश प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाकर इसी गांव से जनपद सदस्य बनकर आज भी गांव की पानी बिजली सड़क स्वास्थ्य शिक्षा स्वच्छता को लेकर बेहद संवेदनशील भाजपा के वरिष्ठ नेता पंचू नायक सचमुच नायक की भूमिका निभा रहे हैं।

स्वच्छता एक सोच को लेकर पंचू राम नायक सभापति सहकारिता जनपद पंचायत कांकेर पूर्व सरपंच व मंडल अध्यक्ष ने विगत 10 वर्षो में काम करते हुए अपने ग्राम पंचायत व कांकेर का नाम को रोशन किया है।पिछले 10 वर्षों में ग्राम पंचायत कोदागांव को शौचमुक्त ग्राम पंचायत बना कर शौचमुक्त ग्राम पंचायत पुरस्कार विकास खण्ड स्तर पर उत्कृष्ट स्वच्छता पुरुस्कार और जिला स्तर पर उत्कृष्ट स्वच्छता पुरुस्कार और प्रदेश स्तर पर भी उत्कृष्ट स्वच्छता पुरुस्कार से पंचू राम नायक को सम्मानित किया गया।इसी उद्देश्य को लेकर गांव में स्वच्छ वातावरण निर्मित करने हेतु गांव में गौमाता व अन्य पशुओं को इंसान की तरह सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाता है ठीक उसी प्रकार से गौमाता व अन्य पशुओं को सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करतें हुए विगत 10 वर्षो से करते आ रहे हैं अब तक कोदागांव में गौमाता व अन्य पशुओं को सम्मान पुर्वक मिट्टी में गड्ढे खोद कर मिट्टी देकर अंतिम संस्कार के साथ अब तक 350 अधिक गौ माता व अन्य पशुओं को श्रद्धांजलि दी जा चुकी है।और जहां पर मिट्टी दिये है उसी स्थान पर वृक्ष रोपण किया जा रहा है। इससे बहुत सारी फायदें है गौमाता व अन्य पशुओं का श्रद्धांजलि, संस्कार वृक्ष रोपण, स्वच्छता महामारी से बचाव जैविक खाद,मिट्टी कटाव व मृदा संरक्षण आदि रचनात्मक कार्यों में निरंतर काम कर रहे हैं, साथ ही अपने जनपद के गांव में भी इस अभियान को चलाने के लिए ग्राम सभा का प्रस्ताव पारित किया गया है। इस अभियान को चलाने के लिए सभी सरपंच जनप्रतिनिधियों वरिष्ठ नागरिक व समस्त ग्राम वासियों से विचारो को साझा करते हुए लोगों में जन जागरुकता लाने का प्रयास किया जा रहा है, इतना ही नहीं पंचू राम नायक रचनात्मक कार्यों के साथ माता बहिनों का सम्मान शिक्षकों का सम्मान समाजिक क्षेत्र कृषि आदि क्षेत्रों में विशेष ध्यान दे रहे है।

पंचूराम नायक ने अपने जन्मदिन को हमेशा बड़े ही सादगी पूर्ण मनाते हुए माता बहनों को वस्त्र फलो से सम्मान प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं का सम्मान, शिक्षकों का सम्मान करते आ रहे हैं। इसी तरह गांव को और भी बेहतर बनाने गांव में पेयजल गांव में सड़क मैदानों का समतलीकरण वृक्ष रोपण आदि क्षेत्रों में विशेष कार्य किया जा रहा है।

संघर्ष से सफलता तक...रेंट वाला घर से 'बॉबी' का बड़ा धमाका!

■ गरियाबंद का लड़का अब ओटीटी में मचाएगा तहलका

■ मुंबई की मायानगरी में शुरू हुआ स्टार बनने का सफर

गरियाबंद/नवप्रदेश। छोटे जिले से बड़े सपने देखने वाले युवाओं के लिए एक जबरदस्त मिसाल सामने आई है। गरियाबंद का होनहार कलाकार अमन तिवारी उर्फ 'बाबी' अब मुंबई की मायानगरी में अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उनकी नई वेब सीरीज़ रेंट वाला घर के जरिए बाबी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंट्री करने जा रहे हैं, जिसे लेकर जिलेभर में उत्साह का माहौल है।

बाबी का ये सफ़र कोई रातों-रात मिला मुकाम नहीं, बल्कि सालों की कड़ी मेहनत, संघर्ष और जुनून का नतीजा है। इससे पहले भी वे वेब सीरीज़ सरकारी अफ़सर में नजर आ चुके हैं और छत्तीसगढ़ के चर्चित प्रोडक्शन हाउस एन. माही प्रोडक्शन की फिल्म ÷मोह और माया÷ में बतौर अभिनेता और असिस्टेंट डायरेक्टर अपनी छाप छोड़ चुके हैं। खास बात यह है कि यह फिल्म बड़े थिएटर में रिलीज़ हुई थी, जिससे उनके टैलेंट को व्यापक पहचान मिली।

अमन का अभिनय सफ़र बचपन से ही शुरू हो गया था, लेकिन इसे प्रोफेशनल रूप तब मिला जब उन्होंने गुजरात की एम.एस. यूनिवर्सिटी, बड़ोदा से तीन साल तक थिएटर की पढ़ाई की। इसके बाद दिल्ली, मुंबई, लखनऊ और नागपुर जैसे बड़े शहरों में लगातार थिएटर कर अपनी एक्टिंग को निखारा। वे नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (दिल्ली) के प्रतिष्ठित ÷भारत रंग महोत्सव÷ जैसे बड़े मंच पर भी दो बार प्रदर्शन कर चुके हैं-जो किसी भी कलाकार के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

बाबी कहते हैं, सफलता एक दिन में नहीं मिलती, लेकिन अगर मेहनत और जुनून सच्चा हो, तो मंज़िल जरूर मिलती है।÷ वे अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता को देते हैं, जिनका साथ हर मुश्किल में उनके साथ रहा।

फिलहाल बाबी मुंबई और दिल्ली में अपनी आगामी वेब सीरीज़ ÷रेंट वाला घर÷ की शूटिंग में व्यस्त हैं। उनका अगला लक्ष्य बड़े बैनर की फिल्मों में काम करना है और जिस रफ्तार से वे आगे बढ़ रहे हैं, उसे देखकर लगता है कि वह दिन दूर नहीं। गरियाबंद के वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानेश तिवारी ने बेटे 'बाबी' की इस बड़ी सफलता पर गर्व जताते हुए एक भावुक और प्रेरणादायक बात कही। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने दोनों बच्चों को हमेशा पढ़ाई के साथ-साथ हर तरह की एक्टिविटी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया-चाहे वह ड्रामा हो, स्पोर्ट्स हो या अन्य रचनात्मक गतिविधियां।उन्होंने जोर देकर कहा कि बच्चों पर कभी भी किसी एक दिशा का दबाव नहीं डालना चाहिए। ÷हर बच्चे की अपनी अलग पहचान और रुचि होती है। हमें यह समझना चाहिए कि उन्हें किस चीज में खुशी मिलती है, किस काम में उनका मन लगता है। जब हम उनकी रुचि को पहचान लेते हैं, तो वही उनका असली रास्ता बन जाता है।

सीता नदी में अवैध रेत परिवहन पर सख्त कार्रवाई, 7 वाहन पर कार्यवाही

नगरी/नवप्रदेश। नगरी-बेलर तहसील क्षेत्र में लंबे समय से जारी अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार की टीम ने महज दो दिनों के भीतर कार्रवाई कर 7 वाहनों को अवैध रेत परिवहन करते हुए पकड़ा। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और रेत माफियाओं में दहशत का माहौल देखा जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बेलर क्षेत्र में सुबह और शाम के समय सीता नदी से अवैध रूप से रेत उत्खनन कर ट्रैक्टरों के माध्यम से परिवहन किए जाने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। विशेष रूप से पुल के नीचे से रेत

निकालने की गतिविधियां लंबे समय से जारी थीं। प्रशासन की चेतावनियों के बावजूद ट्रैक्टर चालक अवैध उत्खनन से बाज नहीं आ रहे थे।

इसी कड़ी में तहसीलदार की टीम ने छापेमार पर जब्त वाहनों में ट्रैक्टर रेत भरा शामिल हैं। सभी जब्त वाहनों को संबंधित थाना सिहावा की सुपुर्दगी में रखा गया है। तहसीलदार ने स्पष्ट किया है कि सीता नदी में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए यह कार्रवाई की गई है और आगे भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों और समूहों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिसमें कार्य वाही तहसीलदार अखिलेश लहरे पटवारी जनक बिहारी संजय साहू कोटवार वकीलदास है

महानदी हार्वेस्टर संघ ने कसी कमर, मनमानी करने वालों को दी खुली चुनौती

कांकेर जिले में बाहरी हार्वेस्टर 'बैन'

कांकेर/ चारामा । जिले के स्थानीय हार्वेस्टर मालिकों के हितों की रक्षा के लिए महानदी हार्वेस्टर संघ कांकेर ने एक बड़ा और निर्णायक ऐलान किया है। अब कांकेर की सीमाओं के भीतर बाहरी जिलों से आने वाले हार्वेस्टर पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। संघ ने दो-टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि स्थानीय मालिकों के हक पर डाका डालने वालों को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संघ के 8 बड़े फैसले: जो बदल देंगे जिले की तस्वीर

महानदी हार्वेस्टर संघ ने अपनी कार्ययोजना में निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं को शामिल किया है:

रेट का निर्धारण: धान कटाई का मूल्य अब 3000 से ?3500 प्रति घंटा के बीच तय किया गया है।

ऐसे में किसान जो भुगतान रोक कर रखते हैं, उन्हें चिन्हित कर सूची बनाई जाएगी और बकाया पैसा वसूलने में मालिकों की मदद की जाएगी।

बाहरी जिलों की एंट्री बंद, स्थानीय हितों को प्राथमिकता

हार्वेस्टर ऑपरेटरों का रेट फिक्स होगा। साथ ही, यदि कोई ऑपरेटर बिना बताए काम छोड़ता है, तो उसे पूरे जिले में कहीं काम नहीं मिलेगा।

हार्वेस्टर बेचने के बाद सर्विस में कोताही बरतने वाले या मालिकों को परेशान करने वाले डीलरों के खिलाफ संघ मोर्चा खोलेगा।

इस महत्वपूर्ण निर्णय के दौरान कांकेर जिले के संरक्षक संतराम साहू, जिला अध्यक्ष

संघ के पदाधिकारियों के अनुसार, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद और रायपुर जैसे बाहरी जिलों से आने वाले हार्वेस्टर संचालक कंपटीशन के नाम पर रेट कम कर देते हैं। इससे न केवल बाजार खराब होता है, बल्कि स्थानीय मालिकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है। किस्तें न भर पाने और काम न मिलने की समस्या को देखते हुए संघ ने पंजीयन के साथ ही कड़े नियम लागू कर दिए हैं।

धनंजय साहू, उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश टेकाम और सचिव निलेश कुमार सहित पूरी कार्यकारिणी में कोषाध्यक्ष प्रदीप साहू, मीडिया प्रभारी तारजन कतलाम, पूरन साहू, दीपक साहू, महेंद्र नायक, रोमन साहू, डब्बू साहू, ललेश साहू, तोमन सिन्हा, रामसिंग साहू, धर्मेंद्र साहू, हेमंत रिंकू साहू, दुष्यंत नाग, संतु सिन्हा, दादू साहू, शेखर साहू एवं जिले के समस्त हार्वेस्टर मालिक। उपस्थित रहे।

बेलरगाँव में दानवीर भामाशाह जयंती मनाया

नगरी/नवप्रदेश। ग्रामीण साहू समाज बेलरगांव के द्वारा साहू सदन बेलरगाँव मे दानवीर भामाशाह जयंती मनाया गया। सर्वप्रथम माँ कर्मा माता की मंदिर मे पूजा आरती किया गया और दानवीर भामाशाह के चित्र छाया पर पूजा अर्चना कर जयंती का प्रारंभ किया गया। जिसमें खेमू साहू अध्यक्ष ग्रामीण साहू समाज बेलरगाँव ,आदेश्वर साहू उपाध्यक्ष ग्रामीण साहू बेलरगाँव सनातन साहू संरक्षक,प्रदीप कोषाध्यक्ष, साहू सुभाष चंद साहू संगठन सचिव जिला साहू संघ धमतरी, टीकेश्वर साहू उपाध्यक्ष कर्मचारी प्रकोष्ठ जिला साहू संघ धमतरी, लिलम्बर साहू उपाध्यक्ष परिक्षेतिय साहू समाज बेलरगाँव,डोमार सिंह साहू भुतपूर्व उपाध्यक्ष तहसील साहू समाज नगरी सिहावा,पवन कुमार साहू अध्यक्ष कर्मचारी प्रकोष्ठ परिक्षेत्र, उमेश साहू अध्यक्ष संचालक मंडल बेलरगाँव यतेन्द्र साहू सचिव संचालक मंडल बेलर गांव,बंशीलाल साहू परिक्षेतिय सदस्य ,रामू साहू पूर्व महासभा सदस्य सभी का स्वागत सम्मान कर समाजिक उद्बोधन व दानवीर भामाशाह के जीवनी के बारे में कहा।

न्यूज गैलरी

जल जीवन मिशन का अधूरा कार्य ग्रामीणों ने गुणवत्ता पर उठाए सवाल

नगरी/नवप्रदेश। विकासखंड नगरी के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम बासीन में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन पानी टंकी एवं पाइपलाइन विस्तार कार्य अधूरा पड़ा हुआ है, जिससे ग्रामीणों को पेयजल के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ वही गेट लगाए हैं कलम भी टेढ़े-मेढ़े दिखाई दे रहे हैं पम्प कमरा भी गुणवत्ता भी निर्माण किया गया है कलाम की सरिया पूरी तरह दिखाई दे रहा है ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में पाइपलाइन बिछाने का कार्य तो किया गया है, लेकिन अधिकांश स्थानों पर पाइपलाइन में लीकेज की समस्या बनी हुई है। कई जगह पाइप फूट चुके हैं और जोड़ भी अधूरे व असंतोषजनक तरीके से किए गए हैं। वहीं, निर्माणाधीन पानी टंकी में भी लीकेज होने की बात सामने आई है, जिससे पूरे प्रोजेक्ट की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में मानक के अनुरूप सामग्री का उपयोग नहीं किया गया है। निम्न गुणवत्ता के पाइप और अन्य सामग्रियों के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है, जिससे योजना का उद्देश्य अधूरा रह गया है। पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा के लिए ग्रामीणों को अब भी जूझना पड़ रहा है।ग्राम पटेल लक्ष्मी नारायण मरकाम, रविन्द्र मरकाम, विष्णु शरण मरकाम, नरेंद्र धुव, राजेश कुमार नागेश सहित समस्त ग्रामवासियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि अधूरे निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण कराया जाए तथा संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

---

78 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन सड़क-नाली व कचरा प्रबंधन पर जोर

बागबाहरा/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद बागबाहरा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न वार्डों में लगभग 78 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती खिलेश्वरी ताम्रध्वज बघेल एवं पार्षदों के हाथों विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ सम्पन्न हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 12 में लोमश मिश्रा के घर के पास 4.97 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण किया जाएगा। वहीं वार्ड क्रमांक 03 में जुगरू देवांगन के

घर से जयेश साहू के खेत तक 5.64 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड तथा आशा के घर से कन्हैया पटेल के घर तक 3.52 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के अंतर्गत सूखे एवं गीले कचरे के प्रबंधन हेतु संयंत्रों की स्थापना एवं उन्नयन कार्य के लिए 64.06 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती बघेल ने कहा कि नगर के विभिन्न वार्डों में विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। सड़क और आरसीसी नाली निर्माण से जहां जल निकासी की समस्या का समाधान होगा, वहीं आवागमन भी सुगम एवं सुरक्षित बनेगा। उन्होंने कहा कि नगर का चहुंमुखी विकास उनकी पहली प्राथमिकता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर छुईखदान में भाजयुमो का प्रदर्शन, कांग्रेस का पुतला दहन

छुईखदान/नवप्रदेश। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर राजनीतिक बयानबाज़ी तेज़ हो गई है। इसी कड़ी में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा छुईखदान में कांग्रेस पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के विरोध में प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले इस अधिनियम का विरोध किया। उनका कहना था कि इस कानून का उद्देश्य

लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है, जिससे राजनीतिक नेतृत्व में उनकी हिस्सेदारी सुनिश्चित हो सके। भाजयुमो जिलाध्यक्ष आयश सिंह (बोनी) ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के विरोध के कारण महिलाओं को उनके अधिकार मिलने में बाधा उत्पन्न हुई है।वहीं युवा मोर्चा अध्यक्ष छुईखदान नवीन चंद्राकर ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं।

करोड़ों की लागत से नगर में विकास कार्यों को मंजूरी

■ सभी वार्डों में सड़क-नाली निर्माण तेज़ी से होगा

छुहीखदान/नवप्रदेश। नगर पंचायत क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर बड़े पैमाने पर विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है। जिसमें लगभग सभी वार्डों में सीसी रोड, नाली, नाला निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण कार्य अब जल्द शुरू होंगे। इन परियोजनाओं का उद्देश्य नगरवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराना और जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान करना है। प्राप्त

जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 01 से 15 तक अलग-अलग स्थानों पर सड़क और नाली निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें वार्ड क्रमांक 01 में नवीन मंगल भवन से बड़े तालाब तक नाला निर्माण (?5.87 लाख), बड़े कॉलोनी जी-3 क्वार्टर के सामने से केदार के घर तक नाली निर्माण (?3.99 लाख) तथा आत्मानंद स्कूल में लैब निर्माण (?7.63 लाख) शामिल है।

इसी तरह वार्ड क्रमांक 02 में भाटापारा मुक्तिधाम से मेन रोड तक सीसी रोड (?8.57 लाख), नामदेव के घर से मेन रोड तक (?3.99 लाख) और अन्य स्थानों पर भी सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हुए हैं। वार्ड 03 में सीसी रोड निर्माण और मंच निर्माण, वार्ड 04 में सड़क निर्माण और बोर खनन, तथा अन्य वार्डों में भी इसी प्रकार के विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है।

नगर के विभिन्न हिस्सों में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण, बोर खनन, यात्री प्रतीक्षालय के पास निर्माण कार्य, बाजार क्षेत्र में सड़क निर्माण और नवीन मटन मार्केट में शेटर निर्माण जैसे कार्य भी शामिल हैं। इसके अलावा घरेलू नल कनेक्शन, रंग-रोगन और अन्य आवश्यक कार्यों को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। नगर पंचायत द्वारा इन सभी कार्यों को लगभग 3 माह की समयसीमा में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सभी कार्य नियमानुसार टेंडर प्रक्रिया के तहत कराए जाएंगे।

बीजेपी का महिला आरक्षण बिल बहाना है परिसीमन निशाना है

छुरा/नवप्रदेश। महिला आरक्षण बिल को लेकर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अब्दुल समद खान ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी हमेशा महिलाओं को सम्मान देने में अव्वल रही है द्य हमारे देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, प्रथम महिला राष्ट्रपति महामहिम प्रतिभा पाटिल, प्रथम महिला लोकसभाध्यक्ष मीरा कुमार ,प्रथम महिला राज्यपाल सरोजनी नायडू ,प्रथम महिला मुख्यमंत्री सुचिता कृपलानी जैसे अनेक उदाहरण है जो द्रढ़ सभी महिलाओं का सम्मान कांग्रेस पार्टी ने दी है द्य ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय में 33व आरक्षण कांग्रेस पार्टी की ही देन है द्य अगर बीजेपी को जल्दबाजी है तो 2023 में महिला आरक्षण बिल पारित हो चुका है उसे लागू करें ! इस सम्बन्ध मे विपक्ष के नेता राहुल गाँधी ने पत्र लिखकर पहले ही मांग कर चुके हैं जिसे नज़रअंदाज किया जा रहा है।

बीजेपी का तो ये दरअसल महिला आरक्षण बिल बहाना है परिसीमन निशाना है ।

छुईखदान पुलिस की कार्रवाई: पशु तस्करी करते आरोपी गिरफ्तार, 4 मवेशी व पिकअप वाहन जब्त

छुईखदान/नवप्रदेश। जिला केसीजी पुलिस द्वारा पशु तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक आरोपी और एक विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई थाना छुईखदान क्षेत्र में 21 अप्रैल 2026 को की गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी रवि यदु (32 वर्ष), निवासी हाथीडोब थाना परपोड़ी, जिला बेमेतरा तथा एक नाबालिग बालक को उस समय पकड़ा गया जब वे 4 मवेशियों को क्रूरता पूर्वक पिकअप वाहन में भरकर नागपुर (महाराष्ट्र) स्थित कत्लखाने ले जा रहे थे। मवेशियों के पैर और गले में रस्सी बांधकर बिना चारा-पानी के परिवहन किया

जा रहा था। पुलिस टीम ने मौके से 4 नग मवेशी और एक पिकअप वाहन समेत कुल लगभग ?5,20,000 की संपत्ति जब्त की है। आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 150/2026 के तहत छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद गिरफ्तार आरोपी एवं विधि से संघर्षरत बालक को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा।

हौसलों की उड़ान से गढ़ा आत्मनिर्भरता का नया इतिहास

चंद्रकांति नागे बनीं नारी शक्ति की मिसाल

चारामा/नवप्रदेश। संघर्ष की तपिश जब मेहनत के सांचे में ढलती है, तो सफलता का सोना कुंदन बनकर चमकता है। छत्तीसगढ़ की माटी की बेटी और न्यू उड़ान जनसेवा फाउंडेशन की कोऑर्डिनेटर चंद्रकांति नागे ने इसे सच कर दिखाया है। हाल ही में रायपुर में आयोजित 'आज की नारी: नारी शक्ति सम्मान' समारोह में उन्हें उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया, जो उनके वर्षों के कठिन परिश्रम और अटूट संकल्प का परिणाम है।

संघर्ष से शिखर तक का सफर

चंद्रकांति का यह मुकाम रातों-रात नहीं मिला। इस मुकाम के पीछे छिपी है वह 'संघर्ष की कहानी', जहाँ संसाधनों की कमी तो थी, लेकिन सपनों की कोई सीमा नहीं थी। उन्होंने सिलाई, ब्यूटी (पार्लर) और अन्य व्यावसायिक हुनर को न केवल

सीखा, बल्कि उसमें महारत हासिल की।

दिन-रात मेहनत , हजारों महिलाओं से संपर्क और कौशल विकास के प्रति उनकी लगन ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई। उन्होंने साबित किया कि अगर हुनर हाथों में हो और इरादों में मजबूती, तो कोई भी बाधा रास्ता नहीं रोक सकती।

रायपुर के एक गरिमामयी समारोह में रामायण फेम दीपिका चिखलिया और लोकप्रिय अभिनेत्री कांची सिंह ने चंद्रकांति नागे को सम्मानित किया। फाउंडेशन की निदेशक उषा शर्मा की उपस्थिति में मिला यह सम्मान केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उन हजारों महिलाओं की उम्मीदों की जीत है, जिन्हें चंद्रकांति ने आगे बढ़ाया है।

एक महिला बढ़ती है, तो समाज बढ़ता है

अपने प्रेरणादायी संदेश में चंद्रकांति कहती हैं, ÷आत्मनिर्भरता ही महिला की सबसे बड़ी शक्ति है। जब एक महिला अपने पैरों पर खड़ी होती है, तो वह केवल अपना घर नहीं, बल्कि पूरे समाज को विकास की दिशा में ले जाती है।

चंद्रकांति नागे की कहानी उन सभी युवाओं और महिलाओं के लिए एक मार्गदर्शिका है जो मुश्किल हालातों से हार मान लेते हैं। उनका यह सफर बताता है कि कौशल विकास ही वह चाबी है, जो सफलता के हर बंद दरवाजे को खोल सकती है।

हजारों हाथों को दिया हुनर, बनाया आत्मनिर्भर

चंद्रकांति नागे की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उन्होंने अपनी सफलता को व्यक्तिगत नहीं रखा। उन्होंने हजारों विद्यार्थियों को सिलाई और ब्यूटी जैसे कौशलों में प्रशिक्षित किया। आज उनके सिखाए हुए कई प्रशिक्षु स्वयं के सेंटर और व्यवसाय चला रहे हैं। उन्होंने समाज के उस वर्ग तक पहुँच बनाई जहाँ महिलाओं के लिए घर से निकलना भी चुनौती थी।

अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 30 अप्रैल तक लंबित सभी आवेदनों का शत-प्रतिशत एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी सेवाओं का लाभ मिल सके। कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य वंचित वर्ग तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना एवं जनसमस्याओं का शीघ्र समाधान करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि 30 अप्रैल 2026 तक संतृप्तिकरण शिविर तथा 01 मई से 10 जून 2026 तक जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसके तहत प्रत्येक 15-20 ग्राम पंचायतों के समूह में शिविर लगाए जाएंगे, वहीं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड क्लस्टर के आधार पर शिविर आयोजित होंगे। जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में 15 एवं शहरी क्षेत्रों में 09 शिविर सहित कुल 24 शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

कलेक्टर ने बताया कि सुशासन तिहार के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा जिले में विकास कार्यों एवं योजनाओं का औचक निरीक्षण कर लाभार्थियों से फीडबैक लिया जाएगा। शिविरों के सफल संचालन हेतु क्लस्टर स्तर पर समितियों का गठन कर अधिकारियों-कर्मचारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ई-केवायसी की ली जानकारी

कलेक्टर ने एमबीयू एवं नवीन आधार पंजीयन, महतारी वंदन योजना अंतर्गत ईकेवायसी की प्रगति की जानकारी ली और बेहतर प्रगति के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों, विशेषकर नक्शा बटांकन में प्रगति लाने, लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत सेवाएं समयबद्ध उपलब्ध कराने तथा शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ, एसडीएम मुंगेली अजय शतरंज, एसडीएम लोरमी अजीत पुजारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उन्होंने हितग्राहीमूलक योजनाओं, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, पेंशन प्रकरणों के निराकरण में प्राथमिकता देने तथा अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। ओडीएफ प्लस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भी विशेष प्रयास करने को कहा गया। कलेक्टर ने सुशासन तिहार की चरणबद्ध कार्ययोजना, आवेदन प्रारूप, डेटा प्रविष्टि एवं अभिलेख संधारण पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विकासखण्डवार तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को अद्यतन जानकारी रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने हीट वेव की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन कर लक्षित उपलब्धि हासिल करने, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु इंजीनियरों को समय पर मूल्यांकन एवं सत्यापन करने के निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत स्तर पर सचिव एवं सरपंच की बैठक लेकर मनरेगा के कार्यों को स्वीकृत करने, जल संचयन जनभागीदारी के तहत संरचनाओं के निर्माण को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया।

न्यूज गैलरी

नेता प्रतिपक्ष महंत ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने एमसीबी जिले के दो दिवसीय सघन दौरे के दौरान क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क किया और संगठनात्मक शक्ति का प्रदर्शन किया। खड़गवां पहुँचने पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। दौरे के मुख्य केंद्र जनकपुर, माडीसरई और कोटाडोल रहे, जहाँ डॉ. महंत के स्वागत में जनसैलाब उमड़ पड़ा। कोटाडोल में आयोजित ब्लॉक स्तरीय बैठक में उन्होंने सांसद ज्योत्सना महंत के साथ संगठन सुदृढ़ीकरण और आगामी चुनावी रणनीतियों पर चर्चा की। डॉ. महंत ने जनता से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया। राजनीतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ डॉ. महंत सपरिवार खड़गवां और जनकपुर में आयोजित विवाह समारोहों में भी शामिल हुए। इस प्रवास के दौरान पूर्व नपा अध्यक्ष प्रभा पटेल, कृष्ण मुरारी तिवारी और रफीक मेमन सहित सैकड़ों पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरे ने जिले में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा प्रदान की है।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी घोषित, संगठन मजबूती और जनसेवा पर जोर

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। जिला मीडिया प्रभारी रामचरित द्विवेदी के अनुसार, डॉ. अंशुमान चौधरी को जिला संयोजक, डॉ. सौरभ सिंह एवं अनुप उपाध्याय को सह संयोजक बनाया गया है। डॉ. निशांत श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष, डॉ. श्याम सुंदर तिवारी को सह कोषाध्यक्ष, डॉ. राम अयोध्या सिंह को कार्यालय प्रभारी तथा डॉ. शंकर कुमार विश्वास को सह कार्यालय प्रभारी नियुक्त किया गया है। सोशल मीडिया की जिम्मेदारी डॉ. दीक्षा सिंह और नीलम गुप्ता को दी गई है। कार्यकारिणी में डॉ. आर.के. बोस, डॉ. आर.एस. ओझा और मनीष गुप्ता सहित अन्य सदस्यों को शामिल किया गया है। जिला संयोजक डॉ. अंशुमान चौधरी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे अंत्योदय की भावना के साथ कार्य करें और शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाएं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के निरंतर भ्रमण और संगठनात्मक बैठकों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को जनसेवा से जोड़ने पर बल दिया। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सभी नवनियुक्त सदस्यों को सफल कार्यकाल की बधाई दी है।

गैस पाइप-लाइन विस्तार बना राहगीरों के लिए मुसीबत, वार्ड नंबर-7 में हादसों को न्योता दे रहा अधूरा काम

मनेन्द्रगढ़/नवप्रदेश। शहर के वार्ड नंबर 7 में इन दिनों गैस पाइपलाइन बिछाने का काम आम जनता के लिए जी का जंजाल बन गया है। पाइपलाइन विस्तार के नाम पर सड़कों को खोदकर आधा-अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है, बल्कि राहगीर और वाहन चालक आए दिन दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। वार्ड की सड़कों पर पाइपलाइन बिछाने के बाद कार्यदायी संस्था ने सुरक्षा मानकों को ताक पर रख दिया है। मुख्य मार्ग के बीचों-बीच पाइप खतरनाक तरीके से तिरछे निकले हुए हैं। चारों ओर फैला मलबा और खुदी हुई सड़क पैदल चलने वालों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए काल बन गई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि रात के अंधेरे में ये पाइप दिखाई नहीं देते, जिससे टकराकर कई लोग चोटिल हो चुके हैं। न तो यहाँ कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया है और न ही गड्ढों की सही फिलिंग की गई है। इस अव्यवस्था को लेकर वार्ड पार्षद कृतिका रवि जैन ने नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष को पत्र लिखकर कड़ी आपत्ति जताई है। पार्षद ने शिकायत की है कि पाइपलाइन के लिए खोदे गए गड्ढों में पानी भर गया है, जो अब पाइपों के माध्यम से लोगों के घरों तक पहुँच रहा है। इससे पेयजल दूषित हो गया है और वार्ड में पीलिया जैसी जलजनित बीमारियों के फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लिंगराज सिदार ने त्वरित कार्रवाई की बात कही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे तुरंत संबंधित कंपनी के अधिकारियों से बात कर व्यवस्था सुधारने के निर्देश देंगे ताकि जनस्वास्थ्य और सुरक्षा से खिलवाड़ न हो।

22 किलो गांजा सहित दो तस्कर गिरफ्तार, स्कूटी और दो मोबाइल सहित पौने तीन लाख रुपए जब्त

मुंगेली/नवप्रदेश। गांजा तस्करी करने वाले दो आरोपियों के कब्जे से 22.700 किलोग्राम गांजा, तस्करी में प्रयुक्त 1 स्कूटी एवं 2 नग मोबाइल कुल कीमती 2,75000 रूपये को जप्त किया गया। गांजा तस्करों के विरूद्ध थाना सिटी कोतवाली में धारा 20(बी) नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल एवं एक नाबालिग को न्यायिक अभिरक्षा में दाखिल किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन पर असामाजिक तत्वों एवं मादक पदार्थ की अवैध बिक्री व तस्करी करने वालों के विरूद्ध ''ऑपरेशन बाज'' अभियान चलायी जाकर समस्त थाना चैकी प्रभारियों को कड़ी कार्यवाही करने निर्देश दिया गया है। उक्त निर्देश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुंगेली सुश्री नवनीत कौर छाबड़ा एवं उप पुलिस अधीक्षक पथरिया हरविंदर के मार्गदर्शन पर सायबर सेल एवं थाना सिटी कोतवाली के संयुक्त पुलिस टीम को 20 अप्रैल को मुखबीर से सूचना मिला कि तीन व्यक्ति एक स्कूटी टी.व्ही.एस. ज्यूपीटर क्रमांक सीजी 10 बीपी 7617 में बिलासपुर जरहागांव की ओर से स्कूटी में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर गीधा बायपास मुंगेली की ओर आ रहे हैं कि सूचना पर सूचना तस्दीकी हेतु हमराह स्टाफ एवं गवाहों के मुखबीर के बताये स्थल पर पहुंचकर उक्त ज्यूपिटर स्कूटी वाहन को साइबर सेल एवं थाना स्टाफ गीधा बायपास तिराहा पर घेराबंदी कर एक टी.व्ही.एस. ज्यूपीटर स्कूटी क्रमांक सीजी-10 बीपी-7617 पर तीन व्यक्ति सवार होकर आ रहे थे जिसे रोककर पूछताछ एवं चेक किया गया। स्कूटी चालक ने अपना नाम शिवा पटेल बताया तथा उसके

साथ में आदित्य कर्माकर बताये एवं 01 नाबालिग बालक का होना पाया गया। संदेही शिवा पटेल का तलाशी लिया गया, जिसके कब्जे से एक मोटे कपडे की थैला में रखे 09 पैकेट ब्राउन पेपर व झिल्ली से पैकिंग मादक पदार्थ गांजा कुल 9.570 किलोग्राम, एक ग्रे कलर का उपयोगी टी.व्ही.एस. ज्यूपीटर स्कूटी वाहन क्रमांक सीजी-10 बीपी-7617 एवं एक पुरानी इस्तेमाली नीले कलर का ओप्पो कंपनी का मोबाईल फोन पाया गया एवं संदेही आदित्य कर्माकर के कब्जे से एक प्लास्टिक लाल नीला रंग बोरी के अंदर रखे 13 पैकेट ब्राउन कलर के पेपर व झिल्ली से पैकिंग मादक पदार्थ गांजा कुल वजन 13.174 किलोग्राम एवं एक इस्तेमाली समसंग गैलेक्सी मोबाइल फोन बरामद किया गया। आरोपी शिवा पटेल, आदित्य कर्माकर एवं एक नाबालिग बालक से मनोवैज्ञानिक एवं तथ्यात्मक पूछताछ करने पर अवैध मादक पदार्थ बिक्री करने हेतु परिवहन करना बताये एवं जुर्म करना स्वीकार किये जाने पर आरोपी शिवा पटेल पिता बहोरन पटेल उम्र 21 वर्ष निवासी सेमरचुवा थाना जरहागांव से थैला में रखे 09 पैकेट ब्राउन पेपर झिल्ली से पेकिंग मादक पदार्थ गांजा 9.570 किलोग्राम, स्कूटी टी.व्ही.एस.ज्यूपीटर क्रमांक सीजी-10 बीपी-7617 एवं 01 नग मोबाइल फोन कुल कीमती 1,42,000 रूपये एवं आरोपी आदित्य कर्माकर के कब्जे से एक प्लास्टिक के लाल नीला रंग के बोरी के अंदर 13 पैकेट ब्राउन पेपर में झिल्ली से पैकिंग मादक पदार्थ गांजा 13.174 किलोग्राम एवं 01 नग मोबाइल कुल कीमती 1,33,000 रूपये कुल जुमला गांजा 22.700 किलोग्राम गांजा, 01 नग परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी वाहन एवं 02 नग मोबाइल फोन कीमती 2,75,000 रूपये को उपस्थित गवाहों के समक्ष जप्त किया जाकर आरोपी शिवा पटेल पिता बहोरन पटेल उम्र 21 वर्ष, आदित्य कर्माकर पिता परमेश्वर कर्माकर उम्र 20 वर्ष दोनों निवासी ग्राम सेमरचुवा थाना जरहागांव को 20 अप्रैल के क्रमशः 22.20 से 22.40 बजे तक गिरफ्तार किया जाकर 21 अप्रैल को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया एवं विधि से संघर्षरत् बालक का सामाजिक पृष्ठ भूमि भरकर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक थाना प्रभारी सिटी कोतवाली कार्तिकेश्वर जांगड़े, उप निरीक्षक हरीश साहू, सहायक उप निरीक्षक भानू बर्मन, प्रधान आरक्षक यशवंत डाहिरे, नोखेलाल कुर्रे, नरेश यादव, रवि जांगड़े, राजेश बंजारे, बाली ध्रुव, दिलीप साहू, आरक्षक राकेश बंजारे, राहुल यादव, भेषज पाण्डेकर, गिरीराज सिंह, रामकिशोर कश्यप, हेमसिंह, बसंत कुमार, राहुल कश्यप, रवि डाहिरे, जितेन्द्र सिंह, परमेश्वर जांगड़े, रवि मिंज एवं अरूण साहू की भूमिका रही।

हरे-भरे कृष्ण कुंज की अनदेखी पर्यावरण संरक्षण की पहल पर संकट

मुंगेली/नवप्रदेश। प्रदेश के पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के शासन काल में ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में बनवाया गया कृष्ण कुंज देखरेख के अभाव में बदहाल होते जा रहे है। दरअसल कृष्ण कुंज में आम, इमली, आंवला, कटहल, कदम, बरगद, पीपल जैसे छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए थे।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर सरकार की बहुत ही अच्छी सोच सोच थी। लेकिन सूबे में सत्ता परिर्वतन के साथ हरे-भरे कृष्ण कुंज निगरानी देखरेख के अभाव में अपने बर्बादी के तरफ अग्रसर है। जिम्मेदारों को कृष्ण कुंज के तबाही से सरोकार नहीं है। मुंगेली तहसील कार्यालय के समीप ग्राम करही में वर्ष 2022 में जनपद मंद 15 वें वित योजना से साढे तीन लाख रू. लागत से बनाया गया कृष्ण कुंज विरानियों में सिमटनें लगा है। कृष्ण कुंज में लगाए गए फल एवं छायादारा पेंडो की सुध लेने वाला कोई नहीं है। खूबसूरत कृष्ण कुंज के दरखूत पर्यावरण संरक्षण तथा आंगतुकों के लिए स्वागत द्वार तथा सीसी सडक बनाए गए है बेहतर कल्पना थी जहां सुकून के कुछ लम्हे बिताया जा सकता था लेकिन कृष्ण कुंज सुरक्षित रखने में लापरवाही बरती जा रही है। और यदि समय रहते देखरेख नहीं हुई तो निश्चित रूप से विरानियों में तब्दील हो कर रह जाएगा। लगाए गए हरे-भरे पेंडों को सहेज कर रखने की आवश्यकता है। लेकिन अफसोस इस बात का कि शासन प्रशासन के ओर से अनदेखी की जा सकती है। शासन की ओर से चलाए जा रहे अभियान एक पेंड मां के नाम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। वहीं लगभग तैयार हो चुके पेंडो को नजर अंदाज किया जा रहा है। क्षेत्र के कुछ जागरूक सामाजिक लोगो ने जंप क्षेत्र में बनाए गए कृष्ण कुंज के महता को समझते हुए इस धरोहर को सहेज कर रखने की बात कही है ताकि कृष्ण कुंज महफूज और सलामत रहे।

भीषण गर्मी में गन्ना रस दुकान रोज हो रही गुलजार

मुंगेली/नवप्रदेश। अंचल में तेज गर्मी पड़ने लगी है, जिला प्रदेश का सबसे गर्म शहर बनता जा रहा है। युवा व बुजुर्ग टोपी और गमछा लगाकर गर्मी से अपना बचाव कर रहे हैं। इन दिनो गन्ना रस के दुकानो में काफी भीड़ लग रही है।

दोपहर में शहर की सड़के सूनी हो जाती है। तेज गर्मी के साथ चल रही गर्म हवाओं के थपेड़ो से सभी बेहाल है। अप्रेल के अंतिम दिनों में रिकार्ड तोड़ गर्मी पड़ने से लोग बेहाल रहे है। हवा बंद रहने और आसमान साफ होने से गर्मी अधिक महसूस हो रही है। दिन में हल्की-हल्की उमस भी हावी होने लगी है। लेकिन गर्मी जिस तेजी से बढ़ रही है, उससे लोगों की चिंता बढ़ गई है। मौसम के बदलने से अस्पतालों तथा निजी डाक्टरो के पास

मरीजो की संख्या में बढोत्तरी हुई है। नगर सहित अन्य सड़को पर दोपहर 12 बजे के बाद वीरानी छा जाती है। गर्मी की मार से चेहरे को बचाने के लिए युवक-युवतियां विशेष ध्यान दे रही हैं। युवतियां तो हाथों में विशेष प्रकार के ग्लोब्ज, चेहरे पर रुमाल और चश्मा लगाकर घर से निकलती हैं। सूर्य की तपिश करने लगी बेहाल। सूर्य की तपन से लोग बचने के लिये तरह-तरह के जतन कर रहे है। शीतलता देने वाले संसाधनों की बढ़ी मांग। गर्मी के चलते लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। दोपहर में सड़क हो जाती है सूनसान। सूर्य की तपन दिन ब दिन बढ़ने लगी है। लगातार बढ़ते तापमान का प्रभाव दिखने लगा है। गर्मी से बचने लोग तरह-तरह के जतन भी कर रहे हैं। गर्मी को देखते हुए लोग खान-पान में भी सतर्कता बरतने लगे हैं। आग उगलते सूरज ने लोगों की दिनचर्या बदल दी है। शाम 5 बजे के बाद ही सड़को में चहल-पहल दिखती है, तो वही नगर के मेन रोड सदर बाजार में भी वीरानी छाई रहती है। शाम ढ़लते ही दुकानों में रौनकता आने लगती है। 5-6 दिनों से निरंतर तापमान बढ़ रहा है। भीषण गर्मी की वजह से लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हो गई है।

प्रशासनिक आदेशों की उड़ रही धज्जियां: हाईकोर्ट के प्रतिबंध के बावजूद नहीं थम रहा डीजे का शोर

मनेंद्रगढ़/एमसीबी/नवप्रदेश। हाईकोर्ट के द्वारा डीजे पर लगाए गए कड़े प्रतिबंध और जिला प्रशासन की चेतावनी का मनेंद्रगढ़ थाना क्षेत्र में कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। आलम यह है कि कोर्ट के आदेश और प्रशासन के फरमान को ताक पर रखकर शादी-विवाहों और अन्य आयोजनों में देर रात तक डीजे की कानफोड़ू आवाज गूंज रही है। स्थानीय लोगों का मानना है कि प्रशासन की सख्ती केवल कागजी कार्रवाई तक ही सिमट कर रह गई है। कुछ समय पूर्व एसडीएम लिंगराज सिदार द्वारा एक आधिकारिक आदेश पत्र जारी किया गया था। इसमें हाईकोर्ट के

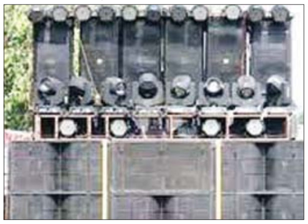

दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया गया था कि मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में शादी-विवाह, पर्व-त्योहारों और सामाजिक कार्यक्रमों में डीजे बजाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। लेकिन धरातल पर स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। डीजे संचालक भारी-भरकम राशि लेकर बुकिंग कर रहे हैं और नियमों को ताक पर रखकर तेज आवाज में संगीत बजा रहे हैं। आम जनता का आरोप है कि प्रशासन का रवैया केवल पर्व-त्योहारों के दौरान ही सख्त नजर आता है। जैसे ही त्योहार संपन्न होते हैं, जिम्मेदार अधिकारी अन्य कार्यों में व्यस्त हो जाते हैं।

बड़ा सवाल: जब प्रशासन ने स्पष्ट आदेश जारी किए हैं, तो फिर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में धड़ल्ले से बज रहे इन डीजे पर पुलिस और प्रशासन की नजर क्यों नहीं पड़ रही? क्या अधिकारियों की चुप्पी किसी बड़ी लापरवाही का संकेत है? अनुविभागीय अधिकारी लिंगराज सिद्धार ने कहा इसको देखते हैं कार्रवाई की जाएगी।

पेज 1 का शेष...

महानदी के आंचल...

तरबूज-खरबूज की खेती सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि परंपरा थी। किसान परिवार सहित नदी के बीच अस्थायी झोपड़ी बनाकर रहते, दिन-रात मेहनत करते और फिर सीजन में लाखों रुपये की आमदनी अर्जित करते थे। यह कारोबार इतना बड़ा था कि स्थानीय बाजारों के साथ-साथ दूसरे जिलों और राज्यों तक खरबूत-तरबूज की सप्लाई होती थी, लेकिन अब यह तस्वीर तेजी से बदल चुकी है। महानदी का वही गर्भ, जिसमें कभी तरबूज, खरबूज, करेला, खीरा, बरबट्टी, लौकी की खेती लहलहाती थी, आज प्रदूषण और अवैध रेत खनन की मार झेल रही है। नदी में बढ़ते दूषित पानी का प्रवाह, लगातार हो रही रेत की निकासी और एनीकट ने प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है। जहां पहले उपजाऊ रेत हुआ करती थी, वहां अब या तो गहराई बढ़ गई है, कुछ जगहों पर मुरुम की परत बिछ गई है, रेत के ऊपर गंदगी की गाद और काई की परत जम गई है।

बस्तर में गूंजा 'सचिन-सचिन'...

की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बस्तर जैसे दूरस्थ और आदिवासी अंचल में इस स्तर का मल्टी-स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित होना न केवल एक उपलब्धि है, बल्कि यह स्थानीय युवाओं के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोलता है। अब यहां के प्रतिभाशाली खिलाड़ी बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और अवसर प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उनका आत्मविश्वास और प्रदर्शन दोनों सुदृढ़ होंगे।

भीषण गर्मी के बीच...

कार्य भी करना पड़ा। मई में घर-घर जाकर जनगणना करनी होगी। 42 डिग्री तापमान के बीच जनगणना कार्य करने से शिक्षकों की चिंता बढ़ गई है। भीषण गर्मी में जनगणना ड्यूटी को लेकर शिक्षकों और शिक्षक संगठनों ने नाराजगी जताई है।

प्रधानमंत्री पर अपमानजनक...

की गरिमा पर गहरा आघात बताते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में इस तरह के बयान लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत हैं और इनकी जितनी भर्त्सना की जाए, वह कम है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की यह बौखलाहट उसके राजनीतिक पतन का स्पष्ट संकेत है।

चुनाव आयोग से मिला...

के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह और ओम पाठक और कई अन्य नेता शामिल थे। चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद रिजिजू ने कहा, आज, भाजपा के एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाक़ात की। हम भारी मन और गहरी नाराज़गी के साथ इन अधिकारियों मिले। आम तौर पर हम चुनावी प्रक्रिया से जुड़े खास मामलों को लेकर ही निर्वाचन आयोग से संपर्क करते हैं, लेकिन, आज हमारे प्रतिनिधिमंडल के यहां आने का मुख्य कारण कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा प्रधानमंत्री के ख़िलाफ़ इस्तेमाल की गयी अपमानजनक भाषा है।

दो दिन का बुलाए सत्र...

दूसरे दिन विपक्ष को जवाब देने का मौका मिले, ताकि देश के सामने सच्चाई रखी जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार नारी शक्ति वंदन जैसे मुद्दों पर झूठे प्रस्ताव लाकर जनता, खासकर महिलाओं को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे सत्रों में विधानसभा का पैसा बेवजह खर्च किया जा रहा है।

30 अप्रैल के लिए भेजा...

के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया वह लोकतंत्र का अपमान है। यह कांग्रेस की घटिया राजनीति का परिचायक है। कांग्रेस ने सचिन तेंदुलकर के सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं।

सेक्टर-6 में खुली शराब दुकान हटाएं, विधायक देवेंद्र ने सीएम को भेजा पत्र

भिलाई/नवप्रदेश। टाउनशिप के सेक्टर-6 वार्ड 63 में प्रस्तावित नई शराब दुकान का विरोध लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय निवासियों के विरोध के बीच विधायक देवेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर शराब दुकान स्थानांतरित करने की मांग की है। विधायक ने पत्र में कहा है कि इस स्थान पर शराब दुकान खोलने का निर्णय सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण से पूरी तरह अनुचित है।

देवेंद्र ने कहा कि प्रस्तावित स्थल के निकट स्कूल और कॉलेज स्थित हैं। यह क्षेत्र पूरी तरह से आवासीय है, जहां बड़ी संख्या में परिवार निवास करते हैं। क्षेत्र के मुख्य बाजार में डॉक्टरों के क्लिनिक हैं। आसपास धार्मिक स्थल होने के कारण क्षेत्र की संवेदनशीलता और भी अधिक बढ़ जाती है। विधायक ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सार्वजनिक और व्यस्त स्थल पर शराब की दुकान खुलने से न केवल क्षेत्र की शांति व्यवस्था प्रभावित होगी, बल्कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भी असुविधा होगी। विधायक देवेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वे इस जनहित के मुद्दे पर संज्ञान लें। शराब दुकान को तत्काल प्रभाव से आवासीय क्षेत्र से हटाकर किसी उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए ताकि टाउनशिप की शांति और गरिमा बनी रहे। भिलाई स्टील सिटी चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से कलेक्टर को पत्र भेजकर शराब दुकान अविलंब हटाने की मांग की गई है। बाजार क्षेत्र के व्यवसायी काफी समय से व्यापारिक समस्याओं से परेशान हैं। यहां शराब की दुकान खोलने से व्यापार समाप्त हो सकता है।

सांसद बघेल ने आश्चर्य जताया

सेक्टर 6 व्यापारी संघ के सलाहकार सदस्य रामकृष्ण मूंदड़ा के नेतृत्व में भिलाई स्टील सिटी चेम्बर ऑफ कॉमर्स भिलाई के ज्ञानचंद जैन, श्रीनिवास खेडिया, दिनेश सिंघल, अजय कनोजिया ने सांसद विजय बघेल से मुलाकात कर शराब दुकान खोले जाने पर आपत्ति दर्ज कराई। सांसद विजय बघेल ने रिहायशी बाजार क्षेत्र में शराब दुकान खोलने पर आश्चर्य जताया। उन्होंने आबकारी अधिकारी से टेलीफोन पर चर्चा कर बाजार के व्यापारियों और रहवासियों की भावनाओं से अवगत कराते हुए सम्मानजनक हल निकालने कहा है।

रानी अवंती बाई सरोवर को भू-माफियाओं से बचाने विधायक रिकेश ने सीएम को लिखा पत्र

भिलाई नगर/नवप्रदेश। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने 'रानी अवंती बाई सरोवर' कोहका, जुनवानी रोड को भू-माफियाओं के चंगुल से बचाने के लिए मुहिम शुरू कर दी है।

सरोवर के अस्तित्व पर मंडराते खतरे को देखते हुए विधायक ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय प्रशासनिक जांच की मांग की है।

सरोवर के लिए जमीन दान दी जा चुकी है लेकिन अब बिल्डर द्वारा सरोवर के तट और पाल (मेढ़) की जमीन पर अपना दावा करते हुए उच्च न्यायालय में मुकदमा दायर किया गया है। विधायक रिकेश सेन ने इस मामले में भिलाई नगर निगम कमिश्नर को तलब किया और वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी ली।

विधायक ने कमिश्नर से कहा कि जनभावनाओं और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोपरि रखते हुए निगम प्रशासन उच्च न्यायालय में अपना पक्ष मजबूती से रखे। इसके लिए वरिष्ठ अधिवक्ताओं का एक विशेष पैनल तैयार करने कहा गया है, ताकि सरोवर की एक इंच जमीन भी किसी व्यक्ति या बिल्डर के कब्जे में न जा सके।

विधायक सेन ने कहा कि अक्सर ऐतिहासिक तालाबों को 'निजी जमीन' घोषित कराते हुए उनका अस्तित्व मिटाने का खेल खेला जाता है। कोहका के इस सरोवर के साथ भी ऐसा ही प्रयास किया जा रहा है।

रानी अवंती बाई सरोवर कोहका को कांक्रीट के जंगल में तब्दील करने की कोशिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने राजस्व रिकॉर्ड की सूक्ष्म जांच और सीमांकन की मांग की है, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

सेन ने कहा कि तालाब के आसपास की जमीन का सीमांकन और राजस्व रिकॉर्ड की जांच अनिवार्य हो गई है। यदि समय रहते मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से उच्च स्तरीय जांच नहीं हुई, तो भू-माफिया इस सरोवर को कांक्रीट के जंगल में तब्दील कर देंगे।

न्यूज गैलरी

सड़क घेरकर कारोबार करने पर कार्रवाई

भिलाई। नगर निगम भिलाई के जोन-3 अंतर्गत स्थित पॉवर हाउस चौक मार्ग पर बढ़ते यातायात दबाव के बीच सड़क पर अतिक्रमण से नागरिकों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के व्यापारी अपनी दुकानों के सामने सड़क तक सामान फैलाकर रखते हैं। फल-सब्जी विक्रेता भी सड़कों पर ठेला लगाकर व्यवसाय कर रहे हैं। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और यातायात बाधित होता है, जिससे जाम की स्थिति निर्मित होती है। सड़क पर अतिक्रमण के कारण न केवल आवागमन प्रभावित हो रहा है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। निगम प्रशासन ने सड़क पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू की है, ताकि आमजन को सुगम और सुरक्षित यातायात सुविधा मिल सके। व्यापारियों और ठेला संचालकों से अपील की गई है कि वे सड़क पर अतिक्रमण न करें और निर्धारित स्थानों पर ही अपना व्यवसाय संचालित करें।

वर्षा पूर्व नालों-नालियों की सफाई शुरू

दुर्ग। बारिश से पहले सभी बड़े नालों और नालियों की सफाई का कार्य वृहद स्तर पर किया जा रहा है। नहर की सफाई का कार्य भी लगातार जारी है। निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए समय रहते सभी नालों और नालियों की सफाई कराई जा रही है। मानसून के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न होने देने के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। सफाई कार्य की नियमित मॉनिटरिंग होनी चाहिये। नागरिकों से नालियों में कचरा न डालने और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई है।

नाबालिग 11 दिनों से लापता

दुर्ग। पद्मनाभपुर पुलिस थानांतर्गत कसारीडीह आजाद चौक फोकटपारा निवासी भविष्य यादव (17 वर्ष) पिछले 11 दिनों से घर से लापता है। परिजनों ने भविष्य यादव की खोजबीन के बाद गुमशुदगी की रिपोर्ट पद्मनाभपुर पुलिस थाना में दर्ज करवाई है। आज तक उसका कुछ पता नहीं चल पाया है। बालक के परिजनों ने एसएसपी विजय अग्रवाल को ज्ञापन सौंपकर लापता भविष्य यादव की जल्द से जल्द खोजबीन कर सुरक्षित बरामदगी की मांग की है। परिजनों ने भविष्य यादव की आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की, लेकिन उसकी जानकारी नहीं मिल सकी। परिजनों का आरोप है कि गुमशुदगी की रिपोर्ट के बाद भी अब तक पद्मनाभपुर पुलिस द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। परिजनों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मामले में त्वरित हस्तक्षेप कर युवक की जल्द से जल्द पतासाजी की मांग की गई है।

बिना हेलमेट वाहन चालकों पर सख्ती, 4 महीनों में 23 हजार से अधिक चालान

■ 1 करोड़ 15 लाख की वसूली

दुर्ग। सड़क हादसों के दौरान होने वाली मौतों का आंकड़ा कम करने यातायात पुलिस लगातार सख्त अभियान चला रही है। वर्ष 2026 में जनवरी से अब तक बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 23,088 लोगों पर कार्रवाई की गई है। इनसे 1 करोड़ 15 लाख 44 हजार रुपए समन शुल्क के रूप में वसूले गए हैं। साल 2023 में 1653 केस बनाए गए थे और 8 लाख 26 हजार 500 रुपए वसूले गए। 2024 में कार्रवाई और बढ़ी। साल भर में कुल 3961 मामलों में 19 लाख 80 हजार 500 रुपए का जुर्माना लिया गया। साल 2025 में 2328 मामलों में 11 लाख 64 हजार रुपए की वसूली हुई। साल 2025 में हेलमेट न पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में 230 लोगों की मौत हुई थी। साल 2026 के शुरुआती चार महीनों में 26 लोगों की जान जा चुकी है। यातायात पुलिस का मानना है कि लगातार कार्रवाई से लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। अब पहले के मुकाबले ज्यादा लोग हेलमेट पहन रहे हैं। हालांकि अभी भी बड़ी संख्या में लोग नियमों को नजर अंदाज कर रहे हैं। अभियान में यातायात पुलिस के अधिकारी, जवान, चेकिंग प्वाइंट पर तैनात स्टाफ और पेट्रोलिंग टीम लगातार काम कर रही है।

शासकीय भूमि पर अवैध मिट्टी उत्खनन से खेत को नुकसान, किसान ने की कार्रवाई की मांग

अम्लेश्वर पाटन/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद अम्लेश्वर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मगरघटा जिला दुर्ग के किसान शिरीष चंद्र अग्रवाल ने शासकीय भूमि से मिट्टी उत्खनन की शिकायत की है। शिकायत में कहा गया है कि उनके खेत (खसरा क्रमांक 485) के आसपास शासकीय भूमि पर बने बरसाती नालों से अवैध रूप से मिट्टी निकाली जा रही है। इससे उनके खेत के आवागमन मार्ग में बाधा उत्पन्न हो रही है और खेत को गंभीर नुकसान हो रहा है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि इस मामले में विमल अग्रवाल (मल्टी स्पोर्ट्स सिटी) और उनके मैनेजर दिलीप मिश्रा की भूमिका का पता चला है। बीते 3-4 वर्षों से लगातार नाले के किनारों से छेड़छाड़ कर खेत तक पहुंचने के रास्ते को प्रभावित किया जा रहा है। खेत की सुरक्षा के लिये बनाए गए बांध को भी तोड़ा गया है। इस कृत्य से उसकी खेती प्रभावित हो रही है और उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। शिकायतकर्ता ने संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303, 324, 326, 270, 329 सहित पर्यावरण संरक्षण अधिनियम एवं जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से नाले के किनारों पर पक्की दीवार निर्माण कराने और हुए नुकसान की भरपाई करने की मांग की है। जल्द कार्रवाई न होने पर उच्चाधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराने की चेतावनी भी दी गई है। मगरघटा के निवासी मनोज यादव और ग्रामीणों का कहना है कि खसरा नंबर 484 की खोदाई की गई है, जिसका निरीक्षण पटवारी ने किया था। देवंता भैंसासुर के पास के जमीन को भी नुकसान पहुंचा है।

> मल्टी स्पोर्ट्स सिटी के द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा है। शासकीय भूमि से मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है। गांव के देवंता भैंसासुर के पास की जमीन को भी कब्जा किया जा रहा है।
>
> **सोहन निषाद, पार्षद, पीआईसी मेंबर, नगर पालिका अम्लेश्वर**
>
> नगर पालिका परिषद अम्लेश्वर क्षेत्र के ग्राम मगरघटा में अवैध रूप से मिट्टी खनन की शिकायत सामने आई है जिसकी जांच की जा रही है, जांच के बाद दोषी के खिलाफ उचित कार्रवाई की जायगी।
>
> **- लवकेश ध्रुव**
> **एसडीएम, पाटन**

समृद्धि बाजार में नियम विरुद्ध संचालित दुकानों पर होगी कार्रवाई

■ महापौर ने नोटिस जारी करने दिए निर्देश

दुर्ग/नवप्रदेश। महापौर अलका बाघमार ने आज महिला समृद्धि बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर में दुकानों के संबंध में जानकारी ली। परिसर में कितनी दुकानों का आवंटन किया गया है और कितनी दुकानें किराए पर संचालित हो रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमों के विरुद्ध किराये पर चल रही सभी दुकानों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। संबंधित दुकान संचालकों को नोटिस जारी किया जाए।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिये महिला समृद्धि बाजार की स्थापना की गई है। योजना का मूल उद्देश्य महिलाओं को व्यवसायिक अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रभारी शेखर चन्द्राकर और बाजार विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में व्यापारियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। महापौर ने बाजार परिसर में व्याप्त स्वच्छता संबंधी खामियों पर नाराजगी जताई। अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

बर्थ-डे मना रहे युवक से शराब पीने के लिए पैसे मांगे, इनकार करने पर मारपीट

भिलाई/नवप्रदेश। सेक्टर 7 के मैदान में जन्मदिन मना रहे युवकों के साथ गाली गलौज और जानलेवा हमला किये जाने के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार जन्मदिन मना रहे युवकों से तीन युवकों ने शराब पीने के लिए पैसे मांगे। इंकार करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज की और बीयर की बोतल फोड़कर पीठ पर वार कर दिया। पीड़ित के पाल चक्रवर्ती ने बताया कि वह प्राइवेट आईटीआई का छात्र है। 20 अप्रैल को सुबह करीब 11:40 बजे अपने दोस्तों विशेष सिंह, नीलम प्रतीक और के जोएल के साथ सेक्टर 7 मार्केट के पास मैदान में विशेष सिंह का जन्मदिन मना रहे थे। उसी समय डी अजय, एस विजय और ए मयंक वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। बाद में सभी दोस्त भिलाई क्लब के सामने जयंती स्टेडियम पहुंचे और वहां केक काटने लगे। कुछ देर बाद तीनों आरोपी वहां भी पहुंच गए। उन्होंने फिर गाली-गलौज शुरू कर दी और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगे। पीड़ित ने पैसे देने से मना किया तो आरोपियों ने मारपीट शुरु कर दी।

संगठन में गुटबाजी, भाजयुमो मंडल पदाधिकारियों की नियुक्तियों में घमासान

■ अध्यक्ष समेत 10 मंडलों के पदाधिकारी पहुंचे भाजपा कार्यालय,बंद कमरे में बैठक

भिलाई/नवप्रदेश। भाजयुमो में नियुक्तियों को लेकर घमासान तेज हो गया है। वरिष्ठ नेताओं की गुटबाजी का असर युवा मोर्चा संगठन पर पड़ रहा है। युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सौरभ जायसवाल ने 19 अप्रैल को 13 मंडलों के अध्यक्ष और महामंत्री की सूची जारी की थी। 20 अप्रैल को 13 में से 10 भाजपा मंडल अध्यक्षों ने इस सूची को न मानते हुए अलग सूची जारी कर दी। यानी, एक ही पद पर दो-दो नियुक्तियां हो गई हैं। आज 10 मंडलों के अध्यक्ष नव नियुक्त पदाधिकारियों को जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन से मिलवाने भाजपा कार्यालय पहुंचे। जिला अध्यक्ष की तबीयत खराब होने के कारण वे कार्यालय में नहीं थे। मंडल अध्यक्षों ने महामंत्री मनीष अग्रवाल और सुषमा जेठानी से मुलाकात कर सारी बातें बताई।

मंडल अध्यक्षों ने बीजेपी महामंत्री को बताया कि जिला अध्यक्ष और भाजयुमो जिला अध्यक्ष की ओर से जारी सूची में किसी की सहमति नहीं ली गई है। सूची में दुष्कर्म जैसे गंभीर मामलों में आरोपी लोगों के नाम भी शामिल हैं। भाजपा कार्यालय में सभी 10 मंडलों के अध्यक्षों ने अपने पदाधिकारियों के साथ बंद कमरे में बैठक की। बैठक में मंडल अध्यक्षों के साथ महामंत्री और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में आगे की रणनीति और नियुक्तियों को लेकर अंतिम निर्णय को लेकर आलाकमान से चर्चा की गई। आलाकमान और शीर्ष नेतृत्व के नेताओं से चर्चा के बाद दोनों सूची पर फैसला लिया जाएगा। मंडल अध्यक्षों ने बताया है कि सूची जारी होने से पहले जिन नामों पर सहमति बनी थी, उन नामों को हटाकर अपने चहेतों के नाम सूची में शामिल किये गए और लिस्ट जारी कर दी गई। इस मामले में जिला प्रभारी की सहमति भी नहीं ली गई थी।

फुले-आंबेडकर के विचारों को करें आत्मसात

भिलाई/नवप्रदेश। भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई के तत्वावधान में महात्मा ज्योतिबा फुले और राष्ट्र निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की संयुक्त सार्वजनिक जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सांस्कृतिक भवन परिसर सेक्टर-6 भिलाई में किया गया। कार्यक्रम में तीन दिनों से चल रहे बच्चों, महिलाओं के लिए आयोजित निबंध, रंगोली, भाषण व अन्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मोमेंटो और सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था के महिला मंडल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि संजय गजघाटे (उद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ शासन) थे। उन्होंने बाबा साहेब आंबेडकर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और समाज को आंबेडकर जयंती की शुभकामनाएं दी। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. उदय धाबर्डे (सीएमओ एवं एचओडी बर्न यूनिट, बीएसपी भिलाई), अजय गजघाटे (जीएम, बीएसपी), प्रज्ञा मेश्राम एडिशनल एसपी 7 वीं बटालियन, एम असीम बेग (अध्यक्ष, भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट), वर्षा बागड़े (बुद्ध विहार, सेक्टर-6) शामिल हुए। मुख्य वक्ता इंजीनियर स्नेहा (बुद्धिस्ट स्कॉलर, एवं संपादक नेशनल चौपाल यूट्यूब चैनल गोंदिया, महाराष्ट्र) कार्यक्रम में शामिल हुई। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले और बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के विचारों पर चलना है।

संस्था के अध्यक्ष आयुष्मान विनोद वासनिक ने संस्था का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मंच संचालन महासचिव वीरेंद्र और आभार प्रदर्शन संस्था उपाध्यक्ष रंजू खोब्रागड़े ने किया। कार्यक्रम में विनोद वासनिक रंजू खोब्रागड़े, वीरेंद्र, अशोक नंदेश्वर, हरिकिशन भोवते, अशोक श्याम कुमार, सविता मेश्राम, शेकचंद गौरकर, आनंद रामटेक, देवानंद मेश्राम, थानेंद्र कामडे, प्रदीप सोम कुंवर, जेबी पाटिल, शैलेश सुखदेवे, जालेनदर ऊके उपस्थित थे।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई-पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार **सरल क्र. 01 से 02 हेतु दिनांक 05.05.2026, सरल क्र. 3 से 5 हेतु दिनांक 11.05.2026** तक निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	नि.आ.सू. क्र./ दिनांक	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
1	13	जिला रायगढ़ विकासखण्ड रायगढ़ के केवराबाड़ी में शासकीय हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। रायगढ़ संभाग। मद संख्या -67-4202-3490**	67.29
2	14	जिला मुंगेली के खम्हरिया पहुंच मार्ग 450 मीटर एवं तोरला पहुंच मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/6 (160) = 560 मीटर में विशेष मरम्मत कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। संभाग मुंगेली। मद संख्या -24-5054-7984**	99.07
3	15	जिला बिलासपुर के सेंदरी बस स्टैण्ड से रमतला मार्ग लं. 1.20 कि.मी. निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग क्र. 1 बिलासपुर । मद संख्या -24-5054-4557**	62.60
4	16	जिला कोरबा के विकासखण्ड पोडीउपरोडा अंतर्गत् प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लालपुर में आवासीय भवन का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। कोरबा संभाग। मद संख्या- 8443 जमा मद ।**	44.68
5	17	जिला रायगढ़ के वि.ख. रायगढ़ के रामभांठा में शासकीय हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। रायगढ़ संभाग। मद संख्या -67-4202-3490**	67.50

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखें जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर,

जी-262700318/4

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया — क्षेत्रीय कार्यालय- रायपुर (छ.ग.)
Central Bank of India — Regional Office- Raipur (C.G.)

परिशिष्ट-4 नियम-8 (1) कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति के लिए)

यतः

अधोहस्ताक्षरी ने जो वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 का अधिनियम के अधीन सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का प्राधिकृत अधिकारी हैं, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उधार लेने वाले को निम्नलिखित तिथि को एक मांग नोटिस में उल्लेखित रकम तथा उस पर ब्याज उक्त नोटिस प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर प्रतिदाय करने की मांग करने के लिए जारी की थी। उधार लेने वाले द्वारा रकम का प्रतिदाय करने में असफल रहने पर, उधार लेने वाले और जनसाधारण को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 4 के अधीन उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित दिनांक को इसमें नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। उधार लेने वाले को विशिष्ट रूप से और जनसाधारण को इसके द्वारा सावधान किया जाता है कि वह इस संपत्ति से संबंधित कोई व्यवहार न करें एवं यदि करता है तो वह निम्नलिखित देय धनराशि तथा उस पर देय ब्याज तथा व्यय के लिए **सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया** के प्रभार के अधीन होगा।

देनदार का ध्यान रक्षित संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय हेतु अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

क्र. सं.	उधारकर्ता/जमानतदार का नाम एवं पता/शाखा	संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की राशि/दिनांक
01	**श्री हृतिक अग्रवाल पुत्र श्री राजेश कुमार अग्रवाल एवं गारंटर श्री राजेश कुमार अग्रवाल पुत्र श्री राम कुमार अग्रवाल।** **दोनों का निवास-** अग्रसेन चौक, कोरबा रोड, चांपा, तहसील- जांजगीर, जिला- जांजगीर- चांपा (छ.ग.) **शाखा: चांपा (छ.ग.)**	**श्री राजेश कुमार बंसल पुत्र श्री राम गोपाल बंसल (अग्रवाल)** के नाम पर खसरा नं. **2246/2ख**, प.ह.नं. 04, मौजा- चांपा, ब्लॉक- बम्हनीडीह, तिलक नगर वार्ड, वार्ड नं. 19, रा.नि.मं.- चांपा, नगर पालिका परिषद चांपा, तहसील- चांपा, जिला- जांजगीर- चांपा (छ.ग.) कुल क्षेत्रफल **0.06 एकड़/0.024 हेक्टेयर (2660.0 वर्ग फुट)** में स्थित आवासीय भूमि एवं भवन के समस्त भाग व अंश। **चौहद्दी उत्तर-** क्रेता की भूमि, **दक्षिण-** रेलवे लाइन, **पूर्व-** विक्रेता की शेष भूमि, **पश्चिम-** क्रेता की भूमि।	30/10/2025 ₹ 30,63,285.00 उस पर देय ब्याज तथा व्यय कब्जा लेने की तारीख 17/04/2026
02	**श्री गणेश कुमार जैन (चोपड़ा) पुत्र स्व. श्री छगनलाल चोपड़ा एवं श्री महेश कुमार जैन (चोपड़ा) पुत्र स्व. श्री छगनलाल चोपड़ा,** **दोनों का निवास-** चुरियारा पारा वार्ड नं. 12, नगरी धमतरी, जिला- धमतरी (छ.ग.) शाखा: धमतरी (छ.ग.)	**श्री गणेश कुमार जैन (चोपड़ा) पुत्र स्व. श्री छगनलाल चोपड़ा एवं श्री महेश कुमार जैन (चोपड़ा) पुत्र स्व. श्री छगनलाल चोपड़ा** के नाम पर खसरा नं. **341/8 (502.0 वर्गफीट)** व खसरा नं. **341/5 (321.0 वर्गफीट)**, प्लॉट नं. 19/5 (डायवर्टेड), शीट नं. 16, प.ह.नं. 33, माकेश्वर वार्ड, वार्ड नं. 23, आर.आई.सी. एवं तहसील व जिला- धमतरी (छ.ग.) कुल क्षेत्रफल **823.00 वर्ग फुट** में स्थित आवासीय भूमि एवं भवन के समस्त भाग व अंश। **चौहद्दी: उत्तर-** नगरी और सिहावा रोड, **दक्षिण-** रामलाल की जमीन, **पूर्व-** दया राम साहू का मकान, **पश्चिम-** अभिनव साहू का मकान।	19/01/2026 ₹ 16,52,990.00 उस पर देय ब्याज तथा व्यय कब्जा लेने की तारीख 17/04/2026

दिनांक: 22.04.2026, स्थान- रायपुर (छ.ग.) — प्राधिकृत अधिकारी, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

धार्मिक एकता: मिसाल बना आयोजन, 40 से ज्यादा जायरीने हज का इस्तकबाल

जायरीने हज का इस्तकबाल करना हम सबकी खुशनसीबी: इंद्रजीत

भिलाई/नवप्रदेश। हज के मुबारक सफर पर जाने वाले दुर्ग-भिलाई के जायरीनों का इस्तकबालिया प्रोग्राम कृष्णा गार्डन, शांति नगर में रखा गया। ट्रांसपोर्टर व समाजसेवी अब्दुल गनी खान और हज़रत बिलाल मस्जिद हुडको भिलाई के सदर शाहिद अहमद रज्जन द्वारा आयोजित प्रोग्राम में 40 से ज्यादा जायरीने हज का गुलपोशी और तोहफे के साथ इस्तकबाल किया गया। इस दौरान जामा मस्जिद सेक्टर-6 के इमाम इकबाल अंजुम हैदर, जोन-3 मस्जिद के मुफ्ती जामई कमर, हुडको हजरत बिलाल मस्जिद के मुहम्मद

माजिद और फरीद नगर नूरी मस्जिद के इमाम मौलाना जलालुद्दीन सहित मौजूद लोगों ने सभी जायरीनों के लिए हज के सफर की आसानी और हज की कुबूलियत के लिए दुआएं की। सभी जायरीनों को मुबारकबाद पेश की गई। आयोजन में सर्वधर्म प्रतिनिधियों ने शिरकत की। युवा समाजसेवी और सर्व समाज कल्याण समिति के प्रमुख इंद्रजीत सिंह छोटू ने जायरीनों का इस्तकबाल करते हुए कहा कि वहां जाने पर दुआओं में हम सभी को जरूर याद रखें। उन्होंने कहा कि इस मुबारक सफर पर जाने से पहले आप सभी का इस्तकबाल कर हम खुद को खुशनसीब मानते हैं। छत्तीसगढ़ सिख पंचायत के अध्यक्ष जसवीर सिंह चहल ने कहा कि इस्पात नगरी भिलाई का भाईचारा ऐसे आयोजनों से मजबूत होता है। आयोजन में मौजूद वरिष्ठ पार्षद एमआईसी मेंबर सीजू एंथोनी, पलविंदर सिंह रंधावा, सर्वसमाज कल्याण समिति के महासचिव मलकीत सिंह और उपाध्यक्ष जोगा राव ने भी सभी जायरीनों का इस्तकबाल किया। आयोजन को सफल बनाने में जावेद खान, हुसैन अशरफी, अकबर बब्बू अली, शाहनवाज कुरैशी, उजैर कादरी, जहीर अहमद, अमीर अहमद, खलील अहमद, इसरार खान, शादाब अहमद उपस्थित थे।

> **'भिलाई जिंदाबाद' का इफ्तिताह, लेखक का किया सम्मान**
>
> इस मौके पर मौजूद तमाम मस्जिदों के इमाम और आयोजन समिति की ओर से इस्पात नगरी भिलाई पर आधारित किताब 'भिलाई जिंदाबाद, कुछ किस्से-कुछ कहानियां' का इफ्तिताह (लोकार्पण) किया गया। इस दौरान किताब के लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन का शाहिद अहमद रज्जन और आलिमे दीन ने इस्तकबाल किया। 'भिलाई जिंदाबाद' किताब का विमोचन गत दिनों राजधानी रायपुर में विख्यात फिल्मकार अनुराग बसु ने किया था।

महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने किया प्रदर्शन, विपक्ष का पुतला दहन कर जताया आक्रोश

सीपत/नवप्रदेश। *महिला आरक्षण बिल को लेकर देशभर में छिड़ी राजनीतिक बहस के बीच सीपत में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा के नेतृत्व में जोरदार विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। महिला मोर्चा, मंडल एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्रित हुए और पेट्रोल पंप से रैली निकालते हुए नवाडीह चौक तक पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विपक्ष के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अंत में पुतला दहन कर अपना आक्रोश प्रकट किया।*

रैली के दौरान पूरे क्षेत्र में नारी सम्मान का अपमान नहीं सहेंगे और महिला विरोधी विपक्ष मुर्दाबाद जैसे नारों से माहौल गूंज उठा। नवाडीह चौक पहुंचकर प्रदर्शनकारियों ने विपक्षी नेताओं के खिलाफ जमकर आक्रोश जताया। पुतले को पहले लात-घूंसों से पीटा गया, उसका मुंह काला किया गया और बाद में आग के हवाले कर दिया गया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह और आक्रोश देखने को

मिला। महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष गायत्री साहू ने अपने संबोधन में कहा कि महिला आरक्षण बिल का विरोध करना सीधे-सीधे देश की महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों का अपमान है।

महिला आरक्षण हमारा हक: शुक्ला

जिला महामंत्री अंकिता शुक्ला ने जोशीले अंदाज में कहा कि देश की महिलाएं अब अपने अधिकारों के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम भारत की नारी हैं, अब चुप बैठने वाली नहीं। सड़क से लेकर संसद तक अपनी आवाज बुलंद करेंगे और अपने अधिकार लेकर रहेंगे। महिला आरक्षण हमारा हक है, कोई दया नहीं। मस्तूरी जनपद अध्यक्ष सरस्वती सोनवानी ने कहा कि संसद में महिला आरक्षण बिल का विरोध अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह दर्शाता है कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल महिलाओं को समान अधिकार देने के प्रति गंभीर नहीं हैं। विपक्ष की मानसिकता महिलाओं के सशक्तिकरण के खिलाफ है। देश की महिलाएं सब देख रही हैं और आने वाले समय में इसका जवाब जरूर देंगी।

बिल पारित नहीं होने देना विपक्ष की साजिश: जायसवाल

जिलाध्यक्ष मोहित जायसवाल ने कहा कि संविधान (131वां संशोधन) बिल को पारित नहीं होने देना विपक्ष की साजिश है। यह बिल देश की बेटियों के भविष्य को मजबूत करने वाला था, लेकिन विपक्ष ने षड्यंत्र कर इसे रोकने का प्रयास किया। कल जब यह बिल पारित नहीं हुआ, तब विपक्षी दलों ने खुशी मनाई, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बेटियों के सपनों को तोड़कर जश्न मनाना उनकी सोच को उजागर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाकर ही रहेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी ने कहा कि महिला आरक्षण बिल महिलाओं के हित में था, लेकिन कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इसका विरोध कर यह साबित कर दिया कि वे महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखना चाहते हैं। आज का यह प्रदर्शन महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए है। भाजपा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

न्यूज गैलरी

श्रेयश ने 10वीं में 94 फीसदी अंक हासिल की

बिलासपुर/नवप्रदेश। आस्था एनक्लेव, खमतराई, बिलासपुर निवासी श्रेयश शर्मा, पिता सत्यव्रत शर्मा, माता प्रीति शर्मा ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के कक्षा दसवीं परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 94% अंक प्राप्त किए हैं। श्रेयश, ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल, बहतराई के छात्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, विद्यालय एवं शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। श्रेयश की इस सफलता के लिए उनके माता-पिता, गुरुजनों ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। श्रेयश आगे चलकर एक चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएँ देना चाहते हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं गुरुजनों को दिया है।

बुल्गारिया में छत्तीसगढ़ी फिल्म स्क्रीन टॉप-8 में

बिलासपुर/नवप्रदेश। बुल्गारिया के गोल्डन फेमी फिल्म फेस्टिवल 2026 में छत्तीसगढ़ी फीचर फिल्म स्क्रीन ने क्वार्टर फाइनल, यानी टॉप-8 में जगह बनाकर प्रदेश के सिनेमा जगत को नई पहचान दिलाई है। फिल्म के निर्देशक व निर्माता अखिलेश पांडेय हैं। इस संस्करण में दुनिया भर से 500 से अधिक फिल्मों की प्रविष्टियां आईं थीं। इसमें स्क्रीन ने कड़ी चयन प्रक्रिया के शुरुआती तीन दौर पार कर यह मुकाम हासिल किया। यह पहली बार है जब कोई छत्तीसगढ़ी फिल्म यूरोप के मंच पर इस स्तर तक पहुंची है। फिल्म छत्तीसगढ़ के युवाओं और बच्चों पर मोबाइल व सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को केंद्र में रखती है और इसकी शूटिंग बिलासपुर में हुई है।

टी-20 आज से, इरफान की अगुवाई में उतरेगी बिलासपुर ब्लू

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा मेंस सीनियर टी-20 इंटर डिस्ट्रिक्ट प्रतियोगिता 23 अप्रैल से कराई जाएगी। इससे पहले क्रिकेट संघ बिलासपुर ने सीनियर टी-20 के लिए अपनी बिलासपुर ब्लू टीम घोषित कर दी है। प्रतियोगिता के प्लेट ग्रुप के मुकाबले प्रदेश के अलग-अलग मैदानों में खेले जाएंगे। टीम की कमान मोहम्मद इरफान को सौंपी गई है, जबकि वासुदेव बरेठ को उपकप्तान बनाया गया है। घोषित टीम में पवन परनाते, अभिजीत ताह, नयन राजकुमार चवन, मोहम्मद इरफान (कप्तान), सनी पांडे, मोहित रावत, इम्तियाज़ खान, अभिषेक सहगौरा, धनंजय नायक, वासुदेव बरेठ (उपकप्तान), प्रवीण कुमार यादव, आजम हुसैन, आदित्य श्रीवास्तव, अनुज कुमार सिंह, अनुज चंद्रा, दीपक सिंह बघेल और अखिलेश शर्मा शामिल हैं। टीम के कोच आकाश सिंह हैं। आज रवाना होगी टीम प्रतियोगिता में चार ग्रुप ए, बी, सी और डी बनाए गए हैं। बिलासपुर ब्लू को ग्रुप सी में रखा गया है, जिसमें कवर्धा, बस्तर और कोरिया की टीमें भी शामिल हैं।

चर्चित एर्राबोर पोटाकेबिन आश्रम कांड मामले में हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

हाईकोर्ट ने आरोपी की मौत तक सजा को 20 वर्ष कैद में बदला

बिलासपुर/नवप्रदेश। *चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डीबी ने बस्तर के चर्चित एर्राबोर पोटाकेबिन आश्रम में 6 वर्ष 10 माह की बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में आरोपी को सुनाई गई मौत तक कैद की सजा में आंशिक संशोधन करते हुए आरोपी को 20 वर्ष की कैद में बदला है। कोर्ट ने शेष सजा को यथावत रखा है।*

उल्लेखनीय है कि 24 जुलाई 2023 को पीड़िता की माँ ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी लगभग 6 साल 10 महीने की नाबालिग बेटी एर्राबोर के पोटाकेबिन आश्रम में रहती थी, 22.07.2023 की रात को अपने कमरे से गायब हो गई और मिलने पर, उसने दर्द की शिकायत की और बताया कि एक व्यक्ति उसे दूसरे कमरे में ले गया और उसके साथ सेक्सुअल असॉल्ट किया। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद, पुलिस ने आईपीसी की सही धाराओं और पास्को एक्ट की धारा 6 के तहत मामला दर्ज किया। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए सुकमा के डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल भेजा गया। अपील करने वाले आरोपी माडवी हिडमा उर्फ सोनू उर्फ राजू पुत्र श्री मुक्का उम्र लगभग 35 वर्ष पता- स्टाफ क्वार्टर पोटाकेबिन एर्राबोर को 27 जुलाई 2023 को गिरफ्तार किया गया और उसे भी मेडिकल जांच के लिए भेजा गया, जिसमें वह यौन संबंध बनाने में सक्षम पाया गया। गवाहों का बयान धारा 161 के तहत और पीड़ित का बयान धारा 164 के तहत दर्ज किया गया है और जांच के दौरान पहचान की कार्रवाई भी की गई। सामान्य जांच पूरी होने के बाद, अपीलकर्ता के खिलाफ आईपीसी की धारा 450, 363, 366, 324, 376 और पास्को एक्ट की धारा 6 के तहत अपराध के लिए ट्रायल कोर्ट में चार्जशीट दायर की गई। ट्रायल कोर्ट ने सुनवाई के उपरांत अपराध सिद्ध होने पर आरोपी को आईपीसी की धारा 450 के तहत 10 साल की सज़ा और 1,000 रुपये का जुर्माना, जुर्माना न देने पर 1 साल के लिए और सज़ा। आईपीसी की धारा 363 के तहत 3 साल की सज़ा और 1,000 रुपये का जुर्माना, जुर्माना न देने पर 1 साल के लिए और सज़ा। आईपीसी की धारा 366 के तहत 3 साल की सज़ा और 1,000 रुपये का जुर्माना, जुर्माना न देने पर 1 साल के लिए और सज़ा। अदालत ने सभी सजाओं को साथ चलाने का निर्देश दिया।

दी गई सजाएं तय कानूनी सीमाओं के अंदर

सजा के खिलाफ आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील पेश की। अपील पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डीबी में सुनवाई हुई। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा हमने पार्टियों के वकील को सुना है और ऊपर दी गई उनकी अलग-अलग दलीलों पर विचार किया है और ट्रायल कोर्ट के रिकॉर्ड को भी बहुत ध्यान से देखा है। सबसे पहला और सबसे ज़रूरी सवाल यह है कि क्या यह तय किया जाना चाहिए कि ट्रायल कोर्ट ने अपील करने वाले को आईपीसी की धारा 450, 363, 366 और 324 और प्रोटेक्शन ऑफ़ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफ़ेंस एक्ट, 2012 की धारा 6 के तहत अपराधों के लिए सजा सुनाई है। पास्को एक्ट की धारा 6 के तहत अपराध के लिए, अपील करने वाले को जुर्माने के साथ बाकी बची ज़िंदगी तक उम्रकैद की सज़ा सुनाई गई है। पास्को एक्ट की धारा 6 के तहत, तय की गई कम से कम सज़ा बीस साल की सख़्त कैद है, जिसे बढ़ाकर उम्रकैद किया जा सकता है, यानी बाकी बची ज़िंदगी तक सज़ा। आईपीसी के नियमों के तहत दी गई सज़ाएँ संबंधित अपराधों के लिए तय कानूनी सीमाओं के अंदर हैं। इस मामले के खास तथ्यों और हालात, पीड़ित की उम्र, रिकॉर्ड में मौजूद सबूतों की प्रकृति और जिन कुल हालात में अपराध किया गया था, उन्हें देखते हुए, इस कोर्ट का मानना है कि अगर पास्को एक्ट के सेक्शन 6 के तहत अपील करने वाले को दी गई सज़ा को बाकी ज़िंदगी की कैद से घटाकर बीस साल की सख़्त कैद कर दिया जाए, तो यह इंसाफ़ के लायक होगा। पास्को एक्ट के सेक्शन 6 के तहत दी गई जुर्माने की सज़ा और डिफ़ॉल्ट की शर्त को बनाए रखा जाता है। आईपीसी के सेक्शन 450, 363, 366 और 324 के तहत दी गई सज़ा और दोषसिद्धि को भी बनाए रखा जाता है।

उद्यानिकी व वानिकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश का सुनहरा अवसर

बिल्हा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य में उद्यानिकी एवं वानिकी विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध हुआ है। प्री एग्रीकल्चर टेस्ट 2026 के माध्यम से महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग के अंतर्गत संचालित महाविद्यालयों में स्नातक स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ की गई है। इस प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत बी. एस. सी. (ऑनर्स) उद्यानिकी एवं बीएसस. (ऑनर्स) वानिकी के चार वर्षीय डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश पूर्णत: अभ्यर्थियों के पीएटी परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची के अनुसार किया जाएगा। इसके लिए अभ्यर्थियों को छत्तीसगढ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) रायपुर, द्वारा निर्धारित नियमों एवं विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के अंतर्गत बी. एस. सी. (ऑनर्स) उद्यानिकी के लिये 16 शासकीय एवं 3 निजी महाविद्यालयों में कुल 1240 सीटें उपलब्ध कराई गई है, जबकि बी. एस. सी. (ऑनर्स) वानिकी के लिए एक महाविद्यालय में 60 सीटों का प्रावधान रखा गया है। वर्तमान समय में उद्यानिकी एवं वानिकी के क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। पीएटी - 2026 के परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण तिथियां इस प्रकार हैं- ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ 02 अप्रैल (गुरुवार), आवेदन की अंतिम तिथि 27 अप्रैल (सायं 5 बजे तक) (सोमवार), त्रुटि सुधार 28 अप्रैल से 30 अप्रैल (सायं 5 बजे तक). व्यापम वेबसाइट पर प्रवेश पत्र जारी 15 जून 2026 (सोमवार), परीक्षा की संभावित तिथि 21 जून 2026 (रविवार) परीक्षा समय प्रात: 10:00 बजे से 01:15 बजे तक प्रवेश पत्र परीक्षा से कुछ दिन पूर्व आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे। यह परीक्षा 33 जिला मुख्यालयों में आयोजित की जाएगी।

पानी, बिजली संकट को लेकर सरपंच ने ग्रामीणों के साथ कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सीपत/नवप्रदेश। *भीषण गर्मी के चलते ग्राम पंचायत दर्राभांठा में बढ़ते पानी और बिजली संकट को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। सरपंच एनल धृतलहरे ने ग्रामीणों के साथ मिलकर बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल को ज्ञापन सौंपकर तीन प्रमुख समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की है।*

ज्ञापन में बताया गया कि गांव में पिछले कई वर्षों से पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है, जो गर्मी आते ही और विकराल रूप ले लेती है। जलस्तर अत्यधिक नीचे चले जाने के कारण लोगों को पीने के पानी के लिए दूर-दूर भटकना पड़ रहा है। ऐसे में ग्रामीणों ने एनटीपीसी सीपत के सीएसआर मद से गांव में 5 पानी टैंकरों के माध्यम से नियमित जल आपूर्ति और 5 लाख लीटर क्षमता की पानी टंकी निर्माण कराने की मांग की है।दूसरे मुद्दे के रूप में ग्रामीणों ने खूंटाघाट डेम से पानी छोड़े जाने की मांग उठाई है। ज्ञापन में कहा गया है कि नदी नाले सूख चुके हैं और बोरवेल का जलस्तर भी काफी नीचे चला गया है, जिससे गांव में पेयजल संकट और गहरा गया है। ऐसे में डैम से पानी छोड़े जाने से ग्रामीणों को राहत मिल सकती है। वहीं तीसरे मामले में गांव में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती पर भी नाराजगी जताई गई है। ग्रामीणों ने बताया कि बिना सूचना घंटों बिजली बंद रहने से आमजन का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। साथ ही वार्ड क्रमांक 06 में लगे 63 वॉट ट्रांसफार्मर की जगह 100 वॉट ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की गई है, ताकि बिजली आपूर्ति सुचारू हो सके। सरपंच एनल धृतलहरे ने बताया कि हमारे दर्राभांठा गांव में पानी और बिजली की समस्या अब असहनीय हो चुकी है। ग्रामीणों को रोजाना बुनियादी जरूरतों के लिए जूझना पड़ रहा है। हमने कलेक्टर से मुलाकात कर समस्याओं के त्वरित निराकरण की मांग की है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान करेगा, ताकि गांव में पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध

तीन मंजिला इमारत से प्रेमी जोड़े ने लगाई छलांग, युवक की मौत, युवती गंभीर

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर में मंगलवार देर रात ईडब्ल्यूएस की तीन मंजिला इमारत से एक युवक और युवती नीचे गिर गए। इस हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तुरंत इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। यह मामला सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के अभिलाषा परिसर का है। जानकारी के अनुसार चिरंजीव उर्फ चिंटू पांडेय 23 वर्ष चोलामंडलम फाइनेंस कंपनी में काम करता था। इसके साथ ही जोमेटो में डिलीवरी ब्वॉय था। चिंटू यदुनंनदन नगर में रहता था। वहीं, युवती का नाम गरिमा सिंह 22 वर्ष बताया जा रहा है। युवती सिटी कोतवाली क्षेत्र के गांधी चौक के पास रहती है। वो पहले शादी डॉट काम में काम करती थी। बताया जा रहा है कि अभिलाषा परिसर में छत से कूदकर नीचे गिरते ही युवक-युवती बुरी तरह से घायल हो गए। युवक दर्द से कराहते हुए चिल्लाने लगा। वहीं, युवती भी रोने लगी। कुछ ही देर में दोनों की आवाज बंद हो गई।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कौशिक की अनुशंसा पर सेन समाज भवन के लिए दस लाख स्वीकृत

बिलासपुर/नवप्रदेश। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने सेन समाज के माँग पर ग्राम दगोरी में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृति दी गयी। इस मौके पर सेन समाज अध्यक्ष हीरालाल सेन दुर्गेश श्रीवास मुरली सेन रामरतन सेन पंच राम सेन मंढीलाल सेन सोनू सेन भागवत श्रीवास द्वारा आज गृह निवास परसाद पहुँच पुष्प माला पहनाकर कौशिक का आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर श्री कौशिक ने कहा कि जल्द ही भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सेन समाज सदैव अपनी सेवा भावना और कौशल के लिए जाना जाता है। समाज की असली ताकत उनका संवाद और संप्रेषण है। भवन जब तैयार होगा तब सामाजिक बैठकों, मांगलिक कार्यक्रमों और अन्य चर्चाओं के लिए एक सर्वसुविधायुक्त मंच प्राप्त होगा। उन्होंने बिल्हा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और सामाजिक मूल्यों की बेहतरी के लिए सलाह दी कि वे हमेशा तत्पर रहेंगे। उन्होंने सामाजिक एकता को समझने वाले विकास का आधार बताया और कहा कि सामाजिक भेदभाव में समाज के प्रत्येक युवाओं और मातृशक्तियों की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए ताकि वे भी समाज की रीति नीति को करीब से समझ सकें और आने वाली पीढ़ी के लिए अपना योगदान दे सकें।

व्यवस्था: रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया निर्णय

जांजगीर-नैला स्टेशन रुट में निरस्त ट्रेनों को किया गया रिस्टोर

बिलासपुर/नवप्रदेश। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत जांजगीर नैला स्टेशन पर चौथी लाइन कनेक्टिविटी हेतु किए जा रहे नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पूर्व में निरस्त एवं आंशिक रूप से निरस्त की गई निम्न यात्री ट्रेनों को रिस्टोर किया जा रहा है।

रिस्टोर की गई ट्रेनों में गाड़ी संख्या 68737 (रायगढ़-बिलासपुर) मेमू को 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68738 (बिलासपुर-रायगढ़) मेमू को 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68736 (बिलासपुर-रायगढ़) मेमू को 22 अप्रैल से 26 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68735 (रायगढ़-बिलासपुर) मेमू को 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68746 (रायपुर-गेवरारोड) मेमू को 22 अप्रैल से 26 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68745 (गेवरारोड-रायपुर) मेमू को 23 अप्रैल

से 27 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 58204 (रायपुर-कोरबा) पैसेंजर को 22 अप्रैल से 26 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 58203 (कोरबा-रायपुर) पैसेंजर को 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68734 (बिलासपुर-गेवरारोड) मेमू को 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68733 (गेवरारोड-बिलासपुर) मेमू को 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68732 (बिलासपुर-कोरबा) मेमू को 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68731 (कोरबा-बिलासपुर) मेमू को 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।

शॉर्ट टर्मिनेटेड/ओरिजिनेटेड ट्रेनों को किया गया रिस्टोर

गाड़ी संख्या 68861 गोंदिया - झारसुगुड़ा मेमू को 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार गोंदिया से झारसुगुड़ा तक चलेगी। गाड़ी संख्या 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू को 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार झारसुगुड़ा से गोंदिया तक चलेगी।

शेखा झील पक्षी अभयारण्य भारत का 99वां रामसर स्थल घोषित

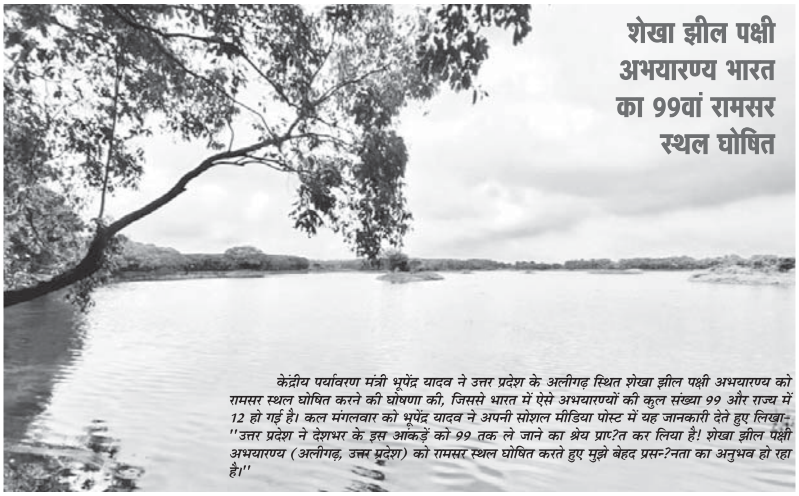

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ स्थित शेखा झील पक्षी अभयारण्य को रामसर स्थल घोषित करने की घोषणा की, जिससे भारत में ऐसे अभयारण्यों की कुल संख्या 99 और राज्य में 12 हो गई है। कल मंगलवार को भूपेंद्र यादव ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी देते हुए लिखा- ''उत्तर प्रदेश ने देशभर के इस आंकड़ें को 99 तक ले जाने का श्रेय प्राप्?त कर लिया है! शेखा झील पक्षी अभयारण्य (अलीगढ़, उत्तर प्रदेश) को रामसर स्थल घोषित करते हुए मुझे बेहद प्रसन्?नता का अनुभव हो रहा है।''

''भारत की 99वीं वर्षगांठ'' का प्रतीक

नई दिल्ली/ए.। उन्होंने कहा कि इस घोषणा से स्थानीय आजीविका और वैश्विक जैव विविधता के साथ-साथ जल और जलवायु सुरक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा और यह "भारत की 99वीं वर्षगांठ" का प्रतीक है, जो हमें ऐतिहासिक शताब्दी के और निकट ले जाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत के पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्विकसित करने अभियान के अंतर्गत आर्द्रभूमि और पशुओं, विशेष रूप से पक्षियों के प्राकृतिक आवास के संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को वैश्विक समुदाय से एक बार फिर सराहना मिली है।" वहीं इस स्थल के पारिस्थितिक महत्व का उल्?लेख करते हुए यादव ने कहा कि शेखा झील मध्य एशियाई फ्लाईवे पर एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो सर्दियों के मौसम में हंस, पेंटेड स्टॉर्क और विभिन्न प्रकार की बत्तखों जैसे प्रवासी पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण पर्यावास प्रदान करती है।

नरेला इलाके में जूते की फैक्टरी में लगी भीषण आग

नई दिल्ली/ए.। नरेला औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार सुबह एक जूता फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। यह आग ए ब्लॉक में स्थित एक जूता बनाने वाली फैक्टरी में लगी है। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते इसने पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया और आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। इस घटना ने स्थानीय लोगों में हड़कंप मचा दिया। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग को तुरंत सूचित किया गया। सूचना के तुरंत बाद दिल्ली दमकल की 17 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। आग किस वजह से लगी है अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

नुसरत जहां ईडी दफ्तर पहुंचीं मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ

कोलकाता(वार्ता)। पश्चिम बंगाल के चर्चित राशन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच एजेंसी की कार्रवाई तेज हो गई है। इसी कड़ी में चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक पहले अभिनेत्री और पूर्व तृणमूल कांग्रेस सांसद नुसरत जहां को ईडी ने तलब किया, जिसके बाद वह कोलकाता स्थित कार्यालय पहुंचीं। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने राशन वितरण में कथित अनियमितताओं और उससे जुड़े धन के लेन-देन को लेकर नुसरत जहां से पूछताछ के लिए समन जारी किया था। एजेंसी इस मामले में पैसों के स्रोत और संभावित गड़बड़ियों की जांच कर रही है।

पश्चिम बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी कांग्रेस, टीएमसी पर शाह का प्रहार

कोलकाता/ए.। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के दमदम में एक चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि इस बार कांग्रेस बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी। अमित शाह ने अपने संबोधन में दावा किया कि पश्चिम बंगाल की जनता अब कांग्रेस को पूरी तरह नकार चुकी है और राज्य में उसका कोई जनाधार नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि भाजपा तेजी से मजबूत हो रही है और आने वाले चुनावों में बड़ा प्रदर्शन करेगी।

रैली के दौरान शाह ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा और कहा कि वे केवल सत्ता के लिए राजनीति करते हैं, जबकि भाजपा विकास और लोगों की भलाई के लिए काम कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि बंगाल में बदलाव का समय आ गया है और जनता भाजपा के साथ खड़ी है। शाह के इस बयान से राज्य की राजनीति में बयानबाजी और तेज हो गई है। रैली में अमित शाह ने पश्चिम

बंगाल सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था बिगड़ी हुई है और राज्य को गुंडों के हवाले कर दिया गया है। उन्होंने लोगों से सवाल किया कि क्या राज्य में चार शादियों की छूट होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू करेगी, जिससे तीन तलाक और बहु-विवाह जैसी प्रथाओं पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि इसका समाधान कमल को वोट देने से मिलेगा। इसके साथ ही शाह ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जनता को गुमराह कर रही हैं।

उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में बंगाल का मुख्यमंत्री कोई स्थानीय, बंगाली भाषा बोलने वाला व्यक्ति होगा और भाजपा कार्यकर्ता ही राज्य की बागडोर संभालेगा। रैली में उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं के खातों में हर महीने 3000 रुपये दिए जाएंगे।

ममता दीदी का टाटा-बाय-बाय हो जाएगा: अमित शाह

अमित शाह ने कहा, 4 मई को सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी। 9 बजे पहला राउंड आएगा, 10 बजे दूसरा राउंड आएगा, और दोपहर 1 बजे तक गिनती समाप्त होते-होते ममता दीदी का टाटा-बाय-बाय हो जाएगा। 29 तारीख को आप सभी को वोट डालना है, लेकिन किसी को विधायक या भाजपा सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि घुसपैठिया मुक्त बंगाल बनाने के लिए वोट डालना है। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान को जवाब दिया। कांग्रेस और टीएमसी की सरकार ने आतंकवाद को यह लोग बिरयानी खिलाते थे।

भारत में अमेरिकी राजदूत गोरे ने भारत-अमेरिका संबंधों की मजबूती पर की बात

नई दिल्ली। मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच कई उपलब्धियों के बारे में बताया। भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में 100 दिन पूरे हो चुके हैं। हमने जबरदस्त शुरुआत की है। एक महत्वपूर्ण अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने से लेकर, भारत का पैक्स सिलिका में स्वागत करने, रक्षा सहयोग को मजबूत करने और सरकार और व्यापार जगत के नेताओं से संपर्क साधने तक, प्रगति स्पष्ट है। इस महत्वपूर्ण साझेदारी को और गहरा करने के लिए मैंने राष्ट्रपति ट्रंप, उपराष्ट्रपति वेंस और विदेश मंत्री रुबियो से मिलने के लिए वाशिंगटन की यात्रा भी की। यह तो बस शुरुआत है। अमेरिका और भारत सिर्फ बातें नहीं कर रहे हैं, बल्कि परिणाम भी दे रहे हैं। इससे पहले डीडी को दिए एक साक्षात्कार में भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने भारत को 'हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और एक अविश्वसनीय भागीदार' बताया। संकेत दिया कि आने वाले दिनों और हफ्तों में द्विपक्षीय संबंधों पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं होने की उम्मीद है। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान में यह संबंध 'अविश्वसनीय रूप से मजबूत' स्थिति में है। राजदूत ने यह भी पुष्टि की कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो अगले महीने भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। जो उनकी भारत की पहली यात्रा होगी। गोर ने बताया कि भारत में क्वाड की मंत्रिस्तरीय बैठक की तैयारियां चल रही हैं। गोर ने डीडी न्यूज को बताया कि हम भारत में मंत्रिस्तरीय क्वाड बैठक की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हैं। यह सचिव की भारत की पहली यात्रा होगी और वे न केवल दिल्ली बल्कि अन्य स्थानों का भी दौरा करने के इच्छुक हैं। भारत हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और एक बेहतरीन साझेदार है। राष्ट्रपति के आपके प्रधानमंत्री के साथ भी मजबूत संबंध हैं।'

दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश ने केजरीवाल पर सुनवाई से खुद को किया अलग

नई दिल्ली/ए.। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति तेजस कारिया ने बुधवार को उस जनहित याचिका की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य के खिलाफ अदालत की कार्यवाही के वीडियो क्लिप कथित रूप से अपलोड और साझा करने पर अवमानना कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। इन नेताओं पर आरोप है कि उन्होंने न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा को आबकारी नीति मामले में सुनवाई से अलग करने के अनुरोध वाली पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल की याचिका पर अदालत की सुनवाई के वीडियो अपलोड और साझा किए थे। याचिकाकर्ता के वकील ने अनुरोध किया कि मामले को ऐसी दूसरी पीठ को भेजा जाए, जो इसी तरह के मुद्दे पर सुनवाई कर रही है। 'आप' नेताओं के अलावा इस जनहित याचिका में उच्च न्यायालय प्रशासन तथा सोशल मीडिया कंपनियां मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल को भी पक्षकार बनाया गया है। न्यायमूर्ति कारिया न्यायाधीश बनने से पहले एक प्रमुख कानूनी सलाहकार कंपनी में साझेदार थे तथा कई मामलों में मेटा की ओर से पेश हो चुके हैं। याचिकाकर्ता सिंह ने अपनी याचिका में कहा कि अदालत की रिकॉर्डिंग को बिना अनुमति सोशल मीडिया पर साझा करना न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर कर सकता है और यह उच्च न्यायालय के नियमों के तहत भी प्रतिबंधित है।

'यह पीठ नहीं करेगी सुनवाई '

अधिवक्ता वैभव सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूति कारिया की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी। पीठ ने निर्देश दिया कि मामले को बृहस्पतिवार को किसी अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए। अदालत ने कहा, 'इस मामले की सुनवाई यह पीठ नहीं करेगी। इसे कल ऐसी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए, जिसमें हममें से एक न्यायमूर्ति तेजस कारिया सदस्य न हों।'

केसीआर पर फिलहाल नहीं होगी कोई कार्रवाई

हैदराबाद। हैदराबाद में कालेश्वरम सिंचाई परियोजना से जुड़े कथित अनियमितताओं के मामले में भारत राष्ट्र समिति (BRS) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) और तीन अन्य को तेलंगाना हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने बुधवार को निर्देश दिया कि पीसी घोष आयोग की रिपोर्ट के आधार पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। यह आयोग कालेश्वरम परियोजना में कथित गड़बड़ियों की जांच के लिए गठित किया गया था। केसीआर और अन्य याचिकाकर्ताओं ने आयोग की रिपोर्ट को चुनौती देते हुए इसे असंवैधानिक और प्राकृतिक न्याय के खिलाफ बताया था। उनका कहना था कि उन्हें अपना पक्ष रखने और जिरह का मौका नहीं दिया गया। मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जी.एम. मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने आदेश देते हुए कहा कि आयोग का गठन अवैध या असंवैधानिक नहीं है, लेकिन रिपोर्ट में कुछ निष्कर्ष प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किए बिना दिए गए हैं। अदालत ने कहा कि जिन निष्कर्षों से याचिकाकर्ताओं की प्रतिष्ठा प्रभावित होती है और जो बिना उचित प्रक्रिया के दिए गए हैं, वे अमान्य होंगे और उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती।

एआई से बने फोटो-वीडियो पर पूरे समय दिखाना होगा 'लेबल'

सरकार ने प्रस्ताव पर 7 मई तक मांगे सुझाव

नई दिल्ली/ए.। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एआई से तैयार या सिंथेटिक कंटेंट को लेकर नए सख्त नियम प्रस्तावित किए हैं। इन प्रस्तावित संशोधनों के तहत अब ऐसे किसी भी कंटेंट पर लगातार और स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाला लेबल लगाना अनिवार्य किया जा सकता है। सरकार ने इस ड्राफ्ट को सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किया है और 7 मई तक आम लोगों व संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे हैं। नए ड्राफ्ट के तहत सबसे बड़ा बदलाव लेबलिंग की प्रकृति में किया गया है। पहले जहां ृढ्ढ कंटेंट पर ÷प्रमुख रूप से दिखाई

देने÷ वाला लेबल पर्याप्त माना जाता था, वहीं अब इसे ÷पूरे कंटेंट की अवधि के दौरान लगातार और स्पष्ट रूप से प्रदर्शित÷ करना अनिवार्य करने का प्रस्ताव है। इसका सीधा अर्थ है कि वीडियो, इमेज या किसी भी विजुअल फॉर्मेट में एआईसे तैयार सामग्री को दर्शकों से छिपाया नहीं जा सकेगा। भारत सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा उत्पन्न सामग्री और डीपफेक के दुरुपयोग को रोकने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं। ये नियम 20 फरवरी 2026 से प्रभावी हो गए हैं।

सिर्फ कंपनियों नहीं, यूजर्स पर भी लागू होंगे नियम

इस प्रस्ताव की खास बात यह है कि यह नियम सिर्फ ढ्ढ कंपनियों या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स तक सीमित नहीं रहेगा। अगर कोई आम यूजर भी ृढ्ढ से बना कंटेंट तैयार करता है या शेयर करता है, तो उसे भी इन नियमों का पालन करना होगा। यानी जिम्मेदारी अब हर कंटेंट क्रिएटर पर होगी।

अल्ट्राटेक ने भारत में 200 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता का आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड ने घोषणा की है कि उन्होंने भारत में 200+ मिलियन टन प्रति वर्षस्थापित सीमेंट निर्माण क्षमता का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी नेतीन नई सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट्स शुरू की हैं, जिनकी कुल क्षमता 8.7 मिलियन टन प्रति वर्षहै। इसके साथ ही, अल्ट्राटेक चीन को छोड़कर, बिक्री की मात्रा और क्षमता के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बन गई है। नई तीन सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट्स शाहजहाँपुर, पतरातू और विशाखापत्तनम में स्थापित की गई हैं। इन्हें रणनीतिक रूप से इस तरह स्थापित किया गया है कि उत्तर भारत के तेजी से बढ़ते निर्माण क्षेत्र, झारखंड के औद्योगिक इलाके और आंध्र प्रदेश के तेजी से शहरीकरण वाले तटीय क्षेत्र को मजबूत आपूर्ति मिल सके। इन नई यूनिट्स के जुड़ने के बाद अल्ट्राटेक की भारत में कुल क्षमता

200.1 मिलियन टन प्रति वर्षहो गई है, जबकि वैश्विक स्तर पर इसकी संयुक्त क्षमता 205.5 मिलियन टन प्रति वर्षतक पहुंच गई है। इसमें संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और श्रीलंका में संचालित यूनिट्स से 5.4 मिलियन टन प्रति वर्षक्षमता शामिल है। अल्ट्राटेक की वृद्धि केवल आकार में ही नहीं, बल्कि गति में भी उल्लेखनीय रही है। कंपनी को 100+ मिलियन टन प्रति वर्षतक पहुंचने में 36 वर्ष लगे थे, जो उपलब्धि उसने 2019 में हासिल की थी। इसके बाद अगले 100 मिलियन टन प्रति वर्ष तक पहुंचने में उसे सात वर्ष से भी कम समय लगा। यह कंपनी की मजबूत कार्यान्वयन क्षमता और भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर की महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। अल्ट्राटेक भारत में हर तीन में से एक घर के निर्माण में योगदान देता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की हर पांच किलोमीटर कंक्रीट सड़कों में से दो किलोमीटर निर्माण में इसकी भागीदारी है, जबकि देश की हर पांच किलोमीटर मेट्रो रेल परियोजना में से चार किलोमीटर में इसका सीमेंट इस्तेमाल हुआ है। कंपनी के सीमेंट का उपयोग नई संसद भवन, मुंबई कोस्टल रोड, द्वारका एक्सप्रेसवे, नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, सोनमर्ग सुरंग और मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर जैसी प्रमुख परियोजनाओं में किया गया है।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में शेफाली वर्मा की दो पायदान छलांग, हरमनप्रीत को भी पहुंचा फायदा

नई दिल्ली/ए.। आईसीसी की ताजा महिला टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में शेफाली वर्मा ने दो पायदान की छलांग लगाई है। वहीं, साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 47 रनों की नाबाद पारी खेलने वाली भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर टॉप 10 में वापसी के करीब पहुंच गई हैं।

टी20 रैंकिंग में यह बदलाव भारत और साउथ अफ्रीका अफ्रीका के बीच चल रही पांच मुकाबलों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के बीच हुआ है, जिसमें दोनों टीमों की कई खिलाड़ियों को इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरू होने वाले आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप से पहले उनके हालिया प्रदर्शन के लिए इनाम मिला है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 38 गेंदों में 57 रनों की दमदार पारी खेलने के बाद शेफाली वर्मा आईसीसी की बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर आ गई हैं। 2 टी20 मुकाबलों में शेफाली ने अब तक 156 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 91 रन बनाए हैं। स्मृति मंधाना चौथे स्थान पर भारत की सबसे ऊंची रैंकिंग वाली बल्लेबाज बनी हुई हैं।

भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को भी 2 पायदान का फायदा पहुंचा है। वह 11वें स्थान पर पहुंच गई हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में हरमनप्रीत ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 5 चौके और एक छक्के की मदद से 47 रनों की दमदार पारी खेली थी। साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 34 गेंदों पर खेली गई 54 रनों की शानदार पारी खेली थी, जिसके दम पर वह बल्लेबाजों की रैंकिंग में पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं। एनेरी डर्कसेन 18 पायदान की छलांग लगाकर 33वें नंबर पर आ गई हैं, जबकि सुने लुस 8 पायदान ऊपर चढ़कर 35वें नंबर पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजों की टी20 रैंकिंग में पाकिस्तान की गेंदबाज सादिया इकबाल क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में दुनिया की नंबर एक गेंदबाज बनी हुई हैं। वहीं, साउथ अफ्रीका की नॉनकुलुलेको म्लाबा भारत के खिलाफसीरीज की शानदार शुरुआत के बाद पांच स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर आ गई हैं। अयाबोंगा खाका 8 पायदान की छलांग के साथ 25वें नंबर पर आ गई हैं, जबकि क्लो ट्रायोन 38वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

पांच करोड़ 38 लाख व्यूज के साथ समय रैना ने बनाया रिकॉर्ड

'स्टिल अलाइव' बना सबसे ज्यादा देखा जाने वाला स्टैंड अप

मुंबई/ए.। कॉमेडियन और यूट्यूबर समय रैना ने हाल ही में करीब एक साल बाद 'स्टिल अलाइव' से वापसी की है। इसके साथ ही उन्होंने एक बड़ी कामियाबी भी हासिल की। रैना के इसे स्टैंडअप कॉमेडी स्पेशल शो ने कई मिलियन व्यूज हासिल कर लिए हैं। समय रैना के शो 'स्टिल अलाइव' को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। इसके साथ ही यह अब दुनियाभर में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला स्टैंडअप कॉमेडी स्पेशल शो बन गया है। यह कॉमेडी स्पेशल 7 अप्रैल, 2026 को रिलीज हुआ था जिसे अब तक 5 करोड़ 38 लाख (53.8 मिलियन) व्यूज मिले। इससे पहले 'स्टिल अलाइव' ने अपने शुरुआती 24 घंटों में ही 22 मिलियन से अधिक व्यूज बटोर लिए थे। समय रैना ने अपने इस शो में 'इंडियाज गॉट लेटेंट' पर हुए विवाद और उसके बाद के एक साल के संघर्ष को साझा किया। उन्होंने कहा, 'स्टिल अलाइव मेरी अब तक की सबसे ईमानदार रचना है। इसके हर व्यूज का श्रेय उन लोगों को जाता है, जो लगातार मेरा साथ देते रहे।' बीते साल समय रैना का विवादित शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' डार्क कॉमेडी और आपत्तिजनक व अश्लील चुटकुलों के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा। इसी शो के एक एपिसोड में रणवीर अल्लाहबादिया ने माता-पिता को लेकर एक बेहद अपमानजनकर टिप्पणी कर दी थी।

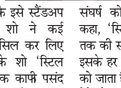

महुआ सीजन शुरू होते ही मंडराने लगा खतरा

सरगुजा में जंगली बिल्ली ने ली महिला की जान, हाथी के हमले से भी एक की मौत

सरगुजा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में इस बार महुआ सीजन कई परिवारों के लिए दुखद साबित हो रहा है। जंगलों में महुआ बीनने जा रहे ग्रामीण लगातार जंगली जानवरों के हमलों का शिकार हो रहे हैं, जिससे गांवों में दहशत का माहौल बन गया है। जिसमें अभी तक 2 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि एक गंभीर रुप से घायल है।

जंगली बिल्ली के हमले से महिला की मौत: बताया जा रहा है कि महिला जंगल में महुआ बीनने गई थी, तभी उस जंगली बिल्ली ने हमला कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई, बलरामपुर जिले में भालू के हमले से एक बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोरिया जिले में महुआ बीनने गए 1 बुजुर्ग पर अचानक हाथी ने हमला कर दिया, इस हमले में बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रामीणों ने वन विभाग से की अपील

लोगों का कहना है कि अब महुआ बीनने जंगल जाना जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है। महुआ सीजन में हर साल बड़ी संख्या में ग्रामीण जंगल जाते हैं, लेकिन इस बार घटनाओं में बढ़ोतरी ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गश्त बढ़ाने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

मंडी बोर्ड की परीक्षा 26 अप्रैल को

104 केंद्रों में एग्जाम देंगे उप निरक्षक पद के अभ्यर्थी, सख्त सुरक्षा और ड्रेस कोड लागू

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में मंडी बोर्ड उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 26 अप्रैल को आयोजित की गई है। इस परीक्षा में कुल 34,168 अभ्यर्थी शामिल होंगे, जिनके लिए राज्यभर में 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक निर्धारित की गई है।

व्यापमं ने जारी किए जरूरी दिशा-निर्देश: परीक्षा को सुचारू और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए व्यापमं ने अभ्यर्थियों के लिए गाइडलाइन जारी की है। सभी उम्मीदवारों को निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने की सलाह दी गई है, ताकि जांच प्रक्रिया में कोई परेशानी न हो।

ड्रेस कोड का पालन अनिवार्य: अभ्यर्थियों के लिए विशेष ड्रेस कोड भी निर्धारित किया गया है। परीक्षा में शामिल होने के लिए हल्के रंग के आधी बांह के कपड़े पहनना अनिवार्य होगा। काले, गहरे नीले और हरे रंग के कपड़े पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। इसके साथ ही जूते, मोजे, बेल्ट और स्कार्फ पहनकर आने की अनुमति नहीं होगी। अभ्यर्थी केवल चप्पल पहनकर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश कर सकेंगे।

एंट्री से पहले होगी सख्त जांच

परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी। प्रवेश से पहले प्रत्येक अभ्यर्थी की पुलिस द्वारा फ्रिस्किंग की जाएगी। किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

न्यूज गैलरी

छत्तीसगढ़ में जारी होगा सीएम हेल्पलाइन नंबर

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में 24 घंटे शिकायत के लिए सीएम हेल्पलाइन नंबर की शुरुआत होने जा रही है। इस हेल्पलाइन में चौबीसों घंटे कर्मचारियों की तैनाती रहेगी। ताकि, किसी भी समय कोई भी नागरिक अपनी समस्याओं की शिकायत कर सके। इसके लिए बाकायदा एक टोल-फ्री नंबर जारी किया जाएगा, जिस पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराना आसान होगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य शिकायतों का केवल पंजीयन नहीं, बल्कि उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। प्रत्येक शिकायत के लिए एक निश्चित समय-सीमा तय की जाएगी और संबंधित विभागों की जवाबदेही भी तय होगी। प्रशासनिक व्यवस्था होगी मजबूत सीएम हेल्पलाइन शुरू होने से विभागों के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ेगी और नागरिकों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही, शासन स्तर पर समस्याओं की मॉनिटरिंग भी आसान होगी। सीएम विष्णुदेव साय ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन नंबर पर आने वाली शिकायतों या फिर समस्याओं के निराकरण के लिए समय निर्धारित होगा. अगर तय समय पर शिकायत या समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई होगी।

ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर अधेड़ से सात लाख की ठगी

रायपुर/नवप्रदेश। विदेशी मुद्रा में निवेश करने पर ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर अज्ञात कालर ने 7 लाख रुपए से अधिक ठग लिए। तेलीबांधा पुलिस के अनुसार न्यू राजेन्द्र नगर निवासी बहादुर आर्य 55 ने कल देर रात रिपोर्ट दर्ज कराया। उसे 17 अप्रैल की दोपहर से 21 अप्रैल को शाम 5 बजे तक अज्ञात फोन नंबर 9112785936 के कालर ने विदेशी मुद्रा में निवेश में अधिक मुनाफे का आफर दिया। इसे फायदे का कारोबार जान बहादुर ने उसके बताए एकाउंट फोर केरेट फोरेक्स में 7.40 लाख रुपए अधिक निवेश किया। मुनाफा न आने पर ठगे जाने का अहसास हुआ और कल रात 10 बजे थाने पहुंच धारा 66 डी आईटी एक्ट और 318-4 का मामला दर्ज कराया।

बेटे ने की मां की हत्या, फिर थाने में किया सरेंडर

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिले से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. पारिवारिक विवाद के कारण एक कलयुगी बेटे ने अपनी 65 साल की मां की बेरहमी से हत्या कर दी. घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है. घटना के बाद आरोपी खुद थाने पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे मामले ने और भी गंभीर रूप ले लिया. यह पूरी घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के मगरवाय ग्राम की बताई जा रही है. जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने आरोपी बेटे को तत्काल हिरासत में ले लिया है. उससे पूछताछ की जा रही है. वहीं घटना की सूचना पर पुलिस और एफएसएल की टीम घटनास्थल पहुंची और जांच शुरू कर दी. घटना के संबंध में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं. घर के अंदर महिला का शव गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला, जिसके सिर पर गहरे चोट के निशान पाए गए हैं. प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई है. पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मृतका की पहचान बेबी बाई वर्मा (65 वर्ष) के रूप में हुई है, जबकि आरोपी का नाम धनेश्वर प्रसाद वर्मा (42 वर्ष) बताया जा रहा है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

बालोद/नवप्रदेश। जिले के डौंडी लोहारा थाना क्षेत्र अंतर्गत भेड़िया पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में मौके पर ही एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मर्चुरी भेजकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बार में युवक ने व्यापारी के सिर पर दे मारी बियर की बोतल

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुरा चौक स्थित मधुशाला बार में सोमवार देर रात मारपीट की घटना सामने आई है। जानकारी मिल रही है कि सामान्य बात को लेकर एक कार सवार युवक ने बार में घुसकर किराना व्यापारी पर बीयर की बोतल से हमला कर दिया और धमकी देकर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं पुलिस ने बीएनएस की धारा 115 (2), 296 के तहत अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। यह मामला डीडीनगर थाना क्षेत्र का है। पीड़ित जामगांव निवासी किराना व्यापारी संदीप अग्रवाल ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह 18 अप्रैल की रात अपने दोस्त अनिवेश प्रताप सिंह के साथ मधुशाला बार पहुंचे थे। रात करीब 11:30 बजे दोनों बार के बाहर खड़े थे, उसी दौरान चंगोराभाठा निवासी हर्ष शुक्ला तेज रफ्तार कार से वहां पहुंचा और अचानक उनके सामने गाड़ी रोक दी। इस हरकत से घबराकर दोनों ऐसा क्यों कर रहे तो बोलकर बार में चले गए। तभी हर्ष शुक्ला भी उनके पीछे-पीछे बार के अंदर घुस आया और गाली-गलौज शुरू कर दी।

191 लाख की योजना धरातल पर फेल, घटिया निर्माण की ग्रामीणों ने खोली पोल

दो साल से अधूरा निर्माण, किसानों को पानी नहीं फिर भी वसूला टैक्स

लीकेज रोकने खुद उतरे ग्रामीण, मिट्टी-बोरी से बचा रहे पानी-प्रशासन मौन, ठेकेदार बेफिक्र

नगरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ जल संसाधन विभाग की बहुप्रतीक्षित बटनहर्रा जलाशय क्रमांक-02 योजना अब गंभीर अनियमितताओं और लापरवाही का प्रतीक बनती जा रही है। ग्राम गट्टासिली क्षेत्र में किसानों की सिंचाई के लिए शुरू किया गया यह कार्य पिछले 2 वर्षों से अधूरा पड़ा है, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

करीब 191.51 लाख रुपये की लागत से शुरू हुई इस योजना का उद्देश्य 108 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा देना था, लेकिन हकीकत में यह योजना कागजों तक ही सीमित नजर आ रही है। नहरों का निर्माण अधूरा है और जहां काम हुआ भी है, वहां घटिया गुणवत्ता के कारण नहरें टूटने लगी हैं। स्थिति इतनी खराब है कि पानी खेतों तक पहुंचने से पहले ही बहकर बर्बाद हो रहा है, जिससे किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि निर्माण एजेंसी एम.एम. श्रृंग कंस्ट्रक्शन (अंबिकापुर) द्वारा कार्य में भारी लापरवाही बरती गई है। नहरों की हालत जर्जर है और कई जगहों पर लीकेज इतना अधिक है कि पानी रोकने के लिए ग्रामीणों को खुद आगे आना पड़ा। ग्रामीणों ने मिट्टी और बोरी डालकर गेट के लीकेज को बंद करने का प्रयास किया, जो प्रशासनिक विफलता का जीता-जागता उदाहरण है।

ग्राम सरपंच, उमेंद्र नेताम, गंगेश सलाम सहित कई ग्रामीणों-संजय मरकाम, लाभा नेताम, केश नाथ नेताम, फग्नु राम नेताम, मुकेश मरकाम, आगत भास्कर, खरकाभरी, रामकुमार, पुप्पा बाई, किरण नेताम, यशोदा बाई-ने एक स्वर में कहा कि जब पानी खेतों तक पहुंच ही नहीं रहा, तो पानी टैक्स किस आधार पर वसूला जा रहा है? इसी विरोध में ग्रामीणों ने टैक्स देने से साफ इनकार कर दिया है।

ग्रामीणों का कहना है कि दो वर्षों से हालात जस के तस बने हुए हैं, लेकिन विभाग ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। अब ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत कर आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। इस पूरे मामले में क्षेत्र के लोगों ने उच्च स्तर पर जांच की मांग करते हुए दोषी ठेकेदार के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में एसडीओ नगरी ने जानकारी लेते हुए कहा है कि ठेकेदार द्वारा जल्द ही कार्य पुनः शुरू करने की बात कही गई है, लेकिन ग्रामीणों का सवाल है-'आखिर कब तक केवल आश्वासन ही मिलता रहेगा?'

मालवाहक पिकअप बनी 'बाराती गाड़ी', अजगरा नाला में पेड़ से टकराई, दो की मौत, चालक फरार

बलरामपुर/नवप्रदेश। बलरामपुर रामानुजगंज जिले में मालवाहक वाहनों को यात्री वाहन के रूप में इस्तेमाल करने की खतरनाक प्रवृत्ति एक बार फिर जानलेवा साबित हुई। वाड्रफनगर पुलिस चौकी क्षेत्र के अजगरा नाला में बारात लेकर जा रही एक पिकअप अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। घटना ने मालवाहक पिकअप को 'बाराती गाड़ी' बनाने की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत अजगरा नाला के पास सोमवार शाम करीब 7 से 8 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार, इंजानी से उत्तर प्रदेश के बबनडीहा बारात जा रही एक पिकअप वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। वाहन में कुल छह लोग सवार थे।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को तत्काल वाड्रफनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान रमकोला थाना क्षेत्र, जिला सूरजपुर निवासी राजेंद्र गोड़ की मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल कोटराही निवासी जीवनलाल पण्डो को बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर रेफर किया गया, जहां मंगलवार को उसने भी दम तोड़ दिया। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। अन्य सवारियों को हल्की चोटें आई हैं और उनका उपचार जारी है। वाड्रफनगर पुलिस चौकी के एएसआई रामजीत राम ने मृतकों और घायलों की पुष्टि की है।

मंगलवार को पुलिस ने मृतक राजेंद्र गोड़ का पंचनामा और मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। यह हादसा एक बार फिर उस गंभीर समस्या को उजागर करता है, जहां मालवाहक पिकअप वाहनों को नियमों की अनदेखी कर धड़ल्ले से यात्री ढोने में इस्तेमाल किया जा रहा है।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार शिक्षक की मौत

रायगढ़/नवप्रदेश। खरसिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मदनपुर में एक तेज रफ्तार कार ने पहले तो जनगणना ट्रेनिंग से लौट रहे शिक्षक की स्कूटी को ठोकर मार दी, जिससे शिक्षक की मौके पर मौत हो गई. इसके बाद एक साइकिल सवार को भी अपनी चपेट में लेते हुए उसे गंभीर रूप से जख्मी कर दिया. कार चालक के खिलाफ पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध करते हुए मामले को विवेचना में लिया है. इस संबंध में ग्राम कटाईपाली (सी) निवासी करम सिंह कमलवंशी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उनका छोटा भाई हेमसागर कमलवंशी, जो कन्या आश्रम तेन्दुमुड़ी में शिक्षक के पद पर पदस्थ थे, वह 20 अप्रैल को जनगणना प्रशिक्षण के लिए अपनी स्कूटी क्रमांक सीजी 13 एएस 4778 से मदनपुर हायर सेकेंडरी स्कूल गया था. शाम को ट्रेनिंग खत्म होने के बाद जब वह वापस अपने घर लौट रहा था, तभी मदनपुर मुख्य मार्ग पर बांसमुड़ा की ओर से आ रही कार क्रमांक सीजी 11 एएक्स 1187 के चालक ने कार को तेज और लापरवाही पूर्वक चलाते हुए हेमसागर की स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी. इस भीषण सड़क हादसे में शिक्षक हेमसागर की मौके पर ही मौत हो गई और उनकी स्कूटी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. इसके बाद भी यह कार वहीं नहीं रूकी, बल्कि घटना स्थल से आगे बढते हुए ग्राम ठुसेकेला निवासी साइकिल सवार द्वारिका प्रसाद राठौर को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी साइकिल भी टूट गई. घायल द्वारिका प्रसाद को तत्काल इलाज के लिए खरसिया के पद्मावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है. वहीं मृतक शिक्षक के शव को पीएम के लिए सिविल अस्पताल खरसिया भेज दिया गया है.

इलेक्ट्रॉनिक मशीन में आलू साफ करते समय करंट से हुई युवक की मौत

रायपुर/नवप्रदेश। बोरियाखुर्द स्थित कमल होटल में पिछले साल नवंबर में हुए युवक की मौत मामले में पीएम रिपोर्ट आने के बाद खुलासा हुआ कि करंट लगने से मौत हुई थी। पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद होटल संचालक के विरुद्ध बीएनएस की धारा 106 (1) के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। यह मामला टीकरापारा थाना क्षेत्र का है। पीएम रिपोर्ट आधार पर पुलिस का कहना है कि मृतक शिव कुमार गोस्वामी हमेशा की तरह कमल होटल में इलेक्ट्रॉनिक मशीन में आलू साफकर रहा था, उसी दौरान किसी फाल्ट के कारण करंट लगने से बेहोश होकर गिर गया। होटल मैनेजर परेस ने उसे मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि होटल संचालक द्वारा अपने कर्मचारियों को बिना कोई सुरक्षा उपकरण काम कराया जा रहा था।

बलरामपुर पालिका में दवा खरीद घोटाला, सात माह बाद भी कार्रवाई नहीं, पार्षद ने उठाए सवाल

बलरामपुर-रामानुजगंज/नवप्रदेश। जिले के बलरामपुर नगर पालिका परिषद में मोबाइल मेडिकल यूनिट के लिए दवा खरीद में सामने आई भारी अनियमितताओं का मामला अब और गंभीर होता जा रहा है। संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, सरगुजा संभाग की जांच में लाखों रुपये की वित्तीय गड़बड़ियों और प्रशासनिक लापरवाही का खुलासा होने के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने से सवाल खड़े हो रहे हैं।

जांच प्रतिवेदन के अनुसार, पोर्टल डेटा में लगभग ?3.20 लाख की दवाइयाँ एक्सपायर पाई गईं, जबकि नगर पालिका द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में यह राशि मात्र ?84 हजार के आसपास बताई गई। इस बड़े अंतर ने पूरे मामले को संदिग्ध बना दिया है। इसके अलावा कई दवाइयाँ अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP) से कहीं अधिक दर पर खरीदी गईं, जिससे सरकारी खजाने को हजारों रुपये का अतिरिक्त नुकसान हुआ।

जांच के दौरान रिकॉर्ड संधारण में भी गंभीर लापरवाही सामने आई। दवा खरीद से जुड़े आवश्यक दस्तावेज-जैसे मांग पत्र, स्टॉक रजिस्टर, आपूर्ति विवरण और नोटशीट-उपलब्ध नहीं पाए गए। कई बिलों में तिथि, दर और आदेश क्रमांक में भी गड़बड़ी मिली, जिससे प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि कई दवाइयाँ ऐसी खरीदी गईं जिनकी एक्सपायरी तिथि बेहद नजदीक थी, वहीं कुछ मामलों में एक्सपायर दवाओं की खरीद भी सामने आई। साथ ही शासन के निर्देशों के विपरीत गैर-स्वीकृत ब्रांड की दवाइयाँ भी खरीदी गईं। इस पूरे मामले में प्रणव राय, सुमित गुप्ता, वसुंधरा भगत, आशीष विश्वास और हर्ष राजपूत की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। इन पर कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही और शासन को वित्तीय क्षति पहुंचाने के आरोप हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य स्तर पर स्छ टीम द्वारा अलग से जांच जारी है और विस्तृत रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जा चुकी है। इसी बीच वार्ड क्रमांक 12 के पार्षद अमित गुप्ता मंटू ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि ÷करीब 7 महीने पहले ही कार्रवाई के आदेश दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

निर्देशों की अनदेखी: ट्रायबल विभाग में तेजी से प्रक्रिया, ओआईसी ने कोर्ट में लगा दी याचिका

फर्जी जाति प्रमाणपत्र मामला: अफसर को अभयदान देने की उधेड़बुन में विभाग

रायपुर/नवप्रदेश। उच्चस्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति द्वारा फर्जी जाति प्रमाण पत्र के मामले में दिए गए फैसले के बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का रवैया बेहद ढुलमुल नजर आ रहा है। विभाग के प्रभारी प्रमुख अभियंता केके कटारे का जाति प्रमाण पत्र फर्जी घोषित होने के बाद उनके खिलाफ समय पर कार्रवाई नहीं होने से उनको हाईकोर्ट से स्टे लेने का समय मिल गया। दूसरी ओर आदिम जाति विकास विभाग ने तत्काल ओआईसी की नियुक्ति कर न्यायालय में याचिका दायर कर कार्यवाही आगे भी बढ़ाई। इसके बावजूद अब स्थगन हटाने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग गंभीर नहीं है। विभाग ने ओआईसी तो नियुक्त कर दिया लेकिन अब तक कोर्ट में याचिका नहीं लगाई है।

उच्चस्तरीय छानबीन समिति ने प्रभारी प्रमुख अभियंता केके कटारे का अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र निरस्त करने के आदेश बीते 23 फरवरी को ही दे दिए थे। इसके बाद अफसर आनन-फानन में 11 मार्च को हाईकोर्ट से स्टे लेकर आ गए। वहीं विभाग ने 23 फरवरी से 11 मार्च तक कार्रवाई करने की कोई जल्दी नहीं दिखाई। अब स्थगन हटाने भी विभाग द्वारा गंभीर प्रयास नहीं हो रहे हैं।

हालांकि आदिम जाति विकास विभाग ने संयुक्त संचालक गायत्री नेताम को इस प्रकरण में इंचार्ज नियुक्त कर बाकायदा बीते 8 अप्रैल को ही स्टे खत्म करने हाईकोर्ट में याचिका भी प्रस्तुत कर दी है। इधर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने आरईएस के मुख्य अभियंता राम सागर को प्रकरण का इंचार्ज बनाया है लेकिन अब तक ओआईसी ने स्टे हटाने उच्च न्यायालय में याचिका प्रस्तुत करने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक जिन्हें ओआईसी नियुक्त किया गया वे खुद फर्जी जाति प्रमाण पत्र के दोषी अफसर केके कटारे के अधीन कार्यरत हैं। इधर मुख्य अभियंता को लेकर भी कई तरह की चर्चाओं ने जोर पकड़ा है। गौरतलब है कि फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नियुक्त शासकीय सेवकों के मामले में कार्रवाई के लिए राज्य शासन के अपने कड़े निर्देश हैं लेकिन कहीं गंभीरता पालन नहीं हो रहा है।

प्रशासकीय विभागों को हैं निर्देश: राज्य शासन द्वारा न्यायालय से स्थगन वाले प्रकरणों में स्थगन खत्म कराने प्रशासकीय विभागों को हर बार निर्देशित किया जाता रहा है। संज्ञान में लाए जाने के बाद इस संबंध में नाराजगी भी जताई गई लेकिन कार्रवाई केवल कागजों में ही सिमटी हुई है। संबंधित प्रशासकीय विभागों द्वारा इसका निर्देशों का कहीं पालन नहीं किया जाता है। ट्रायबल विभाग को कार्रवाई की कोई जानकारी ही नहीं भेजी जा रही है।

जांच की जरूरत ही नहीं: फर्जी जाति के मामलों में छानबीन समिति के आदेश के बाद तत्काल नियुक्ति निरस्त करने और सेवाएं समाप्त करने के निर्देश हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com